आज का मौसम
28.0⁰ अधिकतम तापमान
17.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:17 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 12 अक्टूबर 2025, वर्ष 5, अंक 232, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

रेलमंत्री वैष्णव ने कहा-यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि - 12

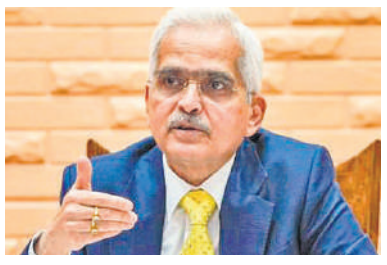

आर्थिक नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम : दास - 12

अमेरिका और चीन के बीच फिर बढ़ी तनातनी - 13

गिल के शतक से दूसरे टेस्ट मैच में भारत का विशाल स्कोर - 14

दिवाली से पहले किसानों को तोहफा

प्रधानमंत्री ने 35,440 करोड़ रुपये की दो बड़ी कृषि योजनाओं का किया शुभारंभ | दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर मोदी बोले- लाखों किसानों का बदलेगा भाग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 35,440 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली दो प्रमुख कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एक दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शामिल है। दिवाली से पहले किसानों को सौगात देने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों से घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का आह्वान भी किया।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कहा कि दो बड़ी योजनाएं - 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और 11,440 करोड़ रुपये का दलहन आत्मनिर्भरता मिशन - लाखों किसानों का भाग्य बदल देंगी। प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम-डीडीकेवाई का मकसद आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) मॉडल के आधार पर 100 कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों का कायाकल्प करना है। यह योजना फसल उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई और भंडारण सुविधाओं में सुधार और चयनित जिलों में ऋण पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित होगी। मोदी ने किसानों से दलहन उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 2030 तक दलहन की खेती का रकबा 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का आग्रह किया। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक दलहन उत्पादन को मौजूदा 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा में किसानों के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी।

- प्रधानमंत्री ने कहा- घरेलू और वैश्विक मांग पूरी करने के लिए उत्पादन बढ़ाएं किसान
- कृषि, पशु, मत्स्य पालन व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

पिछली सरकार ने कृषि क्षेत्र की उपेक्षा की, हमारी सरकार ने सुधार किए

मोदी ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर कृषि क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दल के पास इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए विजन का अभाव है। प्रधानमंत्री ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए पिछले 11 वर्षों में उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में हमने बीज से बाजार तक कई सुधार किए हैं। अपने कार्यकाल के दौरान इस क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए, मोदी ने कहा कि कृषि निर्यात दोगुना हो गया है, खाद्यान्न उत्पादन 900 लाख टन बढ़ा है और फलों तथा सब्जियों का उत्पादन 640 लाख टन बढ़ा है। मोदी ने यह भी कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में हालिया कमी से ग्रामीण भारत और किसानों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि ट्रैक्टर जैसी कृषि मशीनरी की कीमतें कम हुई हैं। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मत्स्य पालन, पशुपालन तथा डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह और कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी मौजूद थे।

यूकेएसएसएससी की विवादित परीक्षा निरस्त

- नए सिरे से तीन माह बाद होगी 21 सितंबर की यह परीक्षा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) द्वारा 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय लिखित परीक्षा पेपर लीक होने के प्रकरण के बाद आखिरकार निरस्त कर दी गई।

आयोग के सचिव डॉ. शिव बरनवाल ने शनिवार को परीक्षा निरस्त करने सम्बन्धी आदेश जारी करते हुए कहा कि तीन माह में नए सिरे से यह परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा की जांच को गठित एक सदस्यीय न्यायिक आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) यूसी ध्यानी ने शनिवार सुबह ही अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपी जबकि इससे एक दिन पहले भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री से मिलकर परीक्षा निरस्त करने की मांग की थी।

इसके बाद निरस्तीकरण की संस्तुति पर आयोग ने यह निर्णय किया। आयोग के जारी आदेश में कहा गया कि बीती 21 सितंबर को यह लिखित परीक्षा हुई थी। दोपहर करीब 1:30 बजे सोशल मीडिया पर कुछ प्रश्नों के स्क्रीन शॉट वायरल हुए।

आयोग की सूचना पर देहरादून के थाना रायपुर में इसका मुकदमा दर्ज कराया गया। 27 सितंबर को सरकार ने इस प्रकरण की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। डॉ. बरनवाल के अनुसार, शनिवार (11 अक्टूबर) को प्राप्त न्यायिक आयोग की अन्तरिम जांच आख्या के अध्ययन के बाद आयोग ने परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया है।

ताकि विश्वसनीयता बनी रहे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, 21 सितंबर की भर्ती परीक्षा को छात्रों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यूकेएसएसएससी द्वारा निरस्त किया गया है। यह निर्णय जांच आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि राज्य में परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। सीएम के अनुसार, पुनः आयोजित होने वाली यह परीक्षा अन्य परीक्षाओं के कार्यक्रम पर कोई असर नहीं डालेगी। उत्तराखंड में हर छात्र के लिए निष्पक्ष अवसर और भरोसेमंद परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हमने नकल प्रकरण की जांच के लिए सीबीआई की संस्तुति कर दी है, हमारी सरकार छात्रों के भविष्य और अभिभावकों के विश्वास के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होने देगी।

युवाओं का राज्यव्यापी प्रदर्शन, सीबीआई जांच

पेपर लीक प्रकरण सामने आने के बाद युवाओं ने राजधानी देहरादून और हल्द्वानी समेत प्रदेश के अन्य स्थानों पर जोरदार प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया था। युवाओं के परेड ग्राउंड स्थित धरनास्थल पर दशहरा से पहले मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचे थे और युवाओं को सीबीआई जांच की संस्तुति का आश्वासन देकर धरना खत्म कराया था। युवाओं के आंदोलन के बाद सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश के अलावा एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था। अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति यूसी ध्यानी ने हल्द्वानी, टिहरी, देहरादून व अन्य स्थानों पर सुनवाई कर युवा अभ्यर्थियों के तर्क सुने थे। वहीं, इस प्रकरण में पुलिस ने हाकम सिंह, खालिद समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, त्योहारों पर बाजार में डिजिटल युग की खुशबू व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

जवान की विस्फोट में मौत

रांची। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल हुए सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। अर्धसैनिक बल ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में जराइकेला थाना क्षेत्र के नक्सल हिंसा प्रभावित बाबूडेरा-समता क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान हेड कांस्टेबल महेंद्र लस्कर चपेट में आ गए।

पटाखों पर योजना बनाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर शीर्ष कोर्ट के निर्देशों का पालन करने के लिए योजना बनाई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यदि शीर्ष कोर्ट प्रतिबंध हटाती है तो सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को तैयार हैं।

ट्रंप ने चीन पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी

- 1 नवंबर से होगा लागू, रेयर खनिज निर्यात पर कंट्रोल से नाराज
- कहा- चीन दुनिया को बंधक बनाने की कोशिश में

रेयर अर्थ एक्सपोर्ट पर कंट्रोल को लेकर बीजिंग के साथ अमेरिका का ट्रेड वॉर फिर शुरू हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह एक नवंबर से या उससे पहले चीनी आयात पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कहा कि चीन दुनिया को बंधक बनाने की कोशिश में है। ट्रंप की इस घोषणा से तीव्र मंदी और वित्तीय बाजार में अराजकता की आशंका बढ़ गई थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह चीन द्वारा दुर्लभ मृदा पर लगाए गए निर्यात नियंत्रण के कारण ये नए शुल्क लगा रहे हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, एक नवंबर 2025 से अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। यह फिलहाल चुकाए जा रहे शुल्क के अतिरिक्त होगा। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण कोरिया की आगामी यात्रा के दौरान चीनी नेता शी चिनफिंग से उनकी मुलाकात का कोई कारण नहीं दिखता। उन्होंने चीन द्वारा अमेरिकी उद्योग के लिए आवश्यक दुर्लभ मृदा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण भी लगाएगा। अमेरिका और चीन के व्यापार युद्ध से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में लाभ की उम्मीद है।

वित्तीय बाजारों में आई गिरावट

ट्रंप की टिप्पणी के बाद वित्तीय बाजारों में गिरावट आई और एसएंडपी 500 2.7 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ, जो अप्रैल के बाद से इसकी सबसे बड़ी गिरावट है। चीन दुर्लभ मृदा और कुछ अन्य प्रमुख सामग्रियों के उत्पादन में अग्रणी है, जो कारों, स्मार्टफोन और कई अन्य वस्तुओं के प्रमुख घटक हैं।

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

कोलकाता। ओडिशा की मेडिकल की छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में तीन अज्ञात लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। यह घटना शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर उस समय घटी जब द्वितीय वर्ष की छात्रा मित्र के साथ रात्रि भोज के लिए बाहर गई थी। वारदात के दौरान छात्रा दोस्त उसे छोड़कर भागा निकला।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि छात्रा नजदीकी अस्पताल में उपचाराधीन है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि पीड़िता ने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। परिजन की शिकायत के आधार पर हमने जांच शुरू कर दी है।

रिलायंस पावर के सीएफओ गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को 68 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी ने अशोक पाल से पूछताछ करने के बाद उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत शुक्रवार रात हिरासत में ले लिया।

उपलब्धि | सीएम धामी ने किया 840 सरकारी विद्यालयों में वर्चुअल और स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

डिजिटल युग में शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, आधुनिक युग में शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल तकनीक, वर्चुअल प्लेटफॉर्म और स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से अनेक संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। इन नवाचारों के माध्यम से पाठ्यक्रम अधिक रोचक और सरल बन रहा है तथा दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी भी विशेषज्ञों और शिक्षकों से सीधे संवाद कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा (देहरादून) में आयोजित कार्यक्रम में समग्र शिक्षा उत्तराखंड द्वारा विद्यालयी शिक्षा में आईसीटी योजना के अंतर्गत 840 राजकीय विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में संचालित वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद भी किया। कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की इस ऐतिहासिक पहल के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, जिससे प्रदेश के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। सीएम ने बताया कि प्रदेश में 226 विद्यालयों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया है तथा 500 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएं संचालित हो रही हैं। अब विद्यार्थी 'उत्तराखंड वर्चुअल लर्निंग एप्लीकेशन' के माध्यम से घर बैठे आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इसके माध्यम से बच्चे स्वयं अपना मूल्यांकन भी कर सकेंगे। इस एप के जरिए विद्यार्थियों को देश और राज्य के जाने-माने शिक्षकों से सीखने का अवसर मिलेगा। राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक ऑनलाइन शिक्षा पहुंचाने के लिए 5-पीएम ई-विद्या चैनल भी संचालित कर रही है।

वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार, 12 अक्टूबर 2025

स्टेट ब्रीफ

खराब सड़क बनाने पर वीडीओ सस्पेंड

हरिद्वार : खराब सड़क बनाने के मामले में हरिद्वार के जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह ने ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (वीडीओ) शंकरदीप को सस्पेंड कर दिया। जांच में पाया गया कि अकौड़ा खुर्द विकासखंड लक्सर की कश्यप बस्ती में बनी सीसी सड़क की गुणवत्ता बेहद खराब थी। शिकायत के बाद निरीक्षण में सड़क पर पानी और कीचड़ भरने की समस्या सामने आयी। शिकायत लंबित होने के दौरान वीडीओ और कनिष्ठ अभियंता ने सड़क पर नई सीसी लेयर डाल दी, जिससे जांच को प्रभावित करने का प्रयास हुआ।

श्मशान घाट के पाइप उड़ा ले गए चोर

नैनीताल : भवाली मार्ग पर पाइंस स्थित श्मशान घाट में पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई लाइन से पाइप चोरी होने का मामला सामने आया है। नैनीताल निवासी पप्पन जोशी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व श्मशान घाट में नहाने व पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की लाइन बिछाई गई थी। शनिवार को शवदाह करने पहुंचे शहर के लोगों को पेयजल लाइन में पानी नहीं मिला तो उन्होंने जांच की। लाइन जांचने के दौरान सड़क के पास लाइन से पाइप गायब मिले। पाइप चोरी होने से शवदाह को पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि मौका मुआयना किया गया है। लोगों से पूछताछ के साथ ही मामले की जांच की जा रही है।

हवा में जहर, सूक्ष्म प्रदूषण छलनी कर रहा पर्यावरण को हर एक पहर

बदला मौसमी मिजाज: दिन में जितनी पड़ेगी गर्मी, रात को सताएगी उतनी ही ठंड

- ब्लैक कार्बन समेत सूक्ष्म प्रदूषित कणों की बढ़ती मात्रा इसके लिए जिम्मेदार

बबलू चंद्रा, नैनीताल

नैनीताल के आसपास की पहाड़ियों मे जंगलों की आग से फैलता वायु प्रदुषण। फाइल फोटो

अमृत विचार : इस बार पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड के साथ गर्मी का मिजाज बदला हुआ अहसास कराएगा। दिन में चटख धूप झुलसाने वाली गर्मी का अहसास कराएगी तो रात में तीखी ठंड सताएगी। वातावरण में आ रहे इस बदलाव के पीछे ब्लैक कार्बन समेत सूक्ष्म प्रदूषित कणों की बढ़ती मात्रा जिम्मेदार मानी जा रही है।

मौसम में तब्दीलियां निरंतर जारी हैं। वातावरण में तैरते हुए न दिखाई देने वाले सूक्ष्म कण किस कदर पर्यावरण पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं, आम इंसान को जरा भी अहसास नहीं, लेकिन पर्यावरण वैज्ञानिक मानते हैं कि बढ़ता वायु प्रदूषण हमारे स्वच्छ वातावरण को तिल तिल कर निगल रहा है। हवा में जहर घोलते ये कण न केवल तापमान को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जलवायु को प्रदूषित करने की ताकत रखते हैं। अब सर्दी आ रही है तो इसका अहसास भी अलग अनुभव देने वाला है। दिन के समय तेज गर्मी का अहसास होगा और शाम ढलने के बाद तीखी ठंड का एहसास होने लगा। इसके पीछे तेजी से बढ़ते ब्लैक कार्बन, ऑर्गेनिक कार्बन, डस्ट एरोसोल, सल्फेट व नाइट्रोजन के सूक्ष्म कण हैं।

इनकी मात्रा सर्दियों में अधिक बढ़ने से ये जमीनी स्तर पर वातावरण में तैरते रहते हैं। नमी अधिक होने से ये प्रदूषित कण अधिक ऊंचाई पर नहीं पहुंच पाते हैं। इन अदृश्य प्रदूषित कणों में सूर्य की किरणे पड़ते ही तपन शुरू हो जाती है और ये गर्मी का तेज अहसास कराते है। जैसे ही अंधेरा छाने लगता हैं, उतने ही ठंड में परिवर्तित होने लगते हैं तो ठंड का अहसास बढ़ जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में डीजल, धूल, आग, घरेलू चूल्हे व वाहनों का प्रदूषण इन प्रदूषित कणों का उत्सर्जन कर रहे हैं जिस कारण वातावरण में बदलाव आने लगा है, जो आगे और बढ़ेगा।

पॉल्यूटेड मैटर को समझें

वैज्ञानिकों के अनुसार, धूल, कालिख और धुआं जैसी प्रदूषित वस्तुओं के हवा में मौजूद छोटे ठोस कणों और तरल बूंदों के मिश्रण को पॉल्यूटेड या पार्टिकुलेट मैटर कहा जाता है। इसे सामान्य भाषा में पीएम कहते हैं। वायु प्रदूषण के मुख्य कारकों में एक इस प्रदूषित मिश्रण को हम आसानी से देख पाते हैं। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाने वाले ये प्रदूषित कण सीधे स्वसन प्रणाली पर असर डालते हैं।

4 एमजी प्रति घनमीटर बढ़ा पीएम 2.5

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि समय के साथ वातावरण में भी बदलाव आने लगा है। पिछले दो दशक में एरीज ब्लैक कार्बन समेत एरोसोल व अन्य प्रदूषित कणों पर शोध करते आ रहा है जिसका दुष्प्रभाव पर्वतीय क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। नैनीताल में शीतकाल के दौरान पॉल्यूटेड मैटर (पीएम) 2 .5 की मात्रा में औसतन 4 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की वृद्धि हो चुकी है। विगत कुछ वर्षों से इसकी मात्रा बढ़ती जा रही है।

दिन भर धूप ने तपाया शाम को ठंड ने सताया

नैनीताल, अमृत विचार : सरोवर नगरी में शनिवार को दिन के समय चटख धूप ने तपाया तो शाम को छाए कोहरे और ठंड ने सताया। हालांकि नगर का सामान्य मौसम बना रहा। बादलों का आना-जाना लगा रहा। नगर में सुबह से दोपहर तक चटख धूप खिली रही। दिन के समय धूप में बैठना मुश्किल हो गया और तपती धूप से लोग छांव तलाशने लगे। दोपहर तक मौसम का मिजाज गर्म बना रहा। इसके बाद घने बादलों के साथ कोहरे के आने-जाने का दौर शुरू हुआ तो ठंड में भी बढ़ोतरी हो गई।

सूर्य ढलने के बाद तापमान में अधिक गिरावट आते ही लोग हीटर का सहारा लेने के लिए मजबूर हो गए। साथ ही गर्म और ऊनी कपड़े तन पर ढकने के लिए मजबूर हुए। सरोवर नगरी में अब ठंड पड़नी शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में ठंड में बढ़ोतरी की उम्मीद मौसम विभाग ने जताई है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 23 व न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 45 प्रतिशत दर्ज की गई।

कारोबारियों को निराश कर गया यह वीकेंड

नैनी झील में खाली दौड़ती नौकाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

- अपेक्षा के मुताबिक बेहद कम रही सैलानियों की आमद

अमृत विचार : ऑटम सीजन का यह वीकेंड पर्यटन कारोबारियों को निराश कर गया है। अपेक्षा के मुताबिक सैलानियों की आमद बेहद कम रही जिससे नगर के पर्यटन स्थलों की रौनक शनिवार को बेहद फीकी रही।

नगर में इन दिनों ऑटम सीजन चल रहा है। इस सीजन के दौरान वीकेंड पर होटलों के अधिकांश कमरे अमूमन पैक रहते हैं और पर्यटन कारोबारियों की तैयारी भी इसी अपेक्षा के साथ रहती है। इधर, शुक्रवार को बहुत कम संख्या में सैलानियों की आमद रही। उम्मीद थी कि शनिवार को कुछ हद तक बढ़ेगी, लेकिन शनिवार का दिन अधिक निराश करने वाला रहा। होटल कारोबारी देर शाम तक सैलानियों की राह देखते रहे, लेकिन आमद बहुत कम होने से निराशा हाथ लगी। बाजारों की रौनक नदारद दिखी तो पर्यटन स्थलों में सुनसानी अधिक छाई रही। नौका विहार करने वाले सैलानियों की संख्या बहुत कम रही तो टूरिस्ट कैब संचालक भी सैलानियों की तलाश करते नजर आए। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने कहा कि इस बार ऑटम सीजन की रौनक अभी तक नहीं बन पाई है। लेकिन यह वीकेंड निराश कर गया। अब दीवाली के बाद ही सैलानियों की संख्या में बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है।

दुर्गम में तैनात वनकर्मी पाएंगे आवासीय भत्ता

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : सरकार ने वन विभाग के अंतर्गत दुर्गम क्षेत्रों में तैनात वन कर्मियों को अब आवासीय भत्ता दिए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वनकर्मी प्रदेश की बहुमूल्य वन संपदा और वन्यजीवों की रक्षा में दिन-रात कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं।

दूरस्थ और दुर्गम चौकियों पर तैनाती के दौरान उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है। ऐसे में उनके परिवार के लिए अलग से आवास व्यवस्था करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होती है। सरकार ने इस कठिनाई को समझते हुए यह निर्णय लिया है कि दुर्गम क्षेत्रों में जहां स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी सामान्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां तैनात वन कर्मियों को आवासीय भत्ता अनुमन्य किया जाएगा।

कहा कि यह निर्णय उन वनकर्मियों के लिए राहत लेकर आएगा जो जंगलों की सुरक्षा में लगातार जुटे रहते हैं। शासन द्वारा वित्त विभाग की सहमति से ऐसे दुर्गम क्षेत्रों की पहचान की जाएगी, जहां यह सुविधा लागू होगी। वन विभाग के कर्मचारियों ने इस निर्णय पर मुख्यमंत्री और वन मंत्री का आभार जताते कहा कि सरकार के इस निर्णय से उन्हें अपने परिवारों की देखभाल करने में सहूलियत मिलेगी और वे राज्य की वन संपदा की रक्षा में और अधिक मनोयोग से कार्य कर सकेंगे।

सभी सड़कें शीघ्र गड्ढा मुक्त करें: सीएम

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सड़कों को शीघ्र गड्ढा मुक्त करें। बैठक में बताया गया कि अब तक 52 प्रतिशत पैचवर्क का कार्य पूर्ण हो चुका है। सीएम ने कहा कि शेष कार्यों को त्वरित गति से पूरा किया जाए। निर्देश दिए कि सभी जनपदों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जनपदों का नियमित भ्रमण कर जनता से संवाद स्थापित करें और सरकार की विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का जल्द पुनर्निर्माण किया जाए।

मेधावी बालिकाओं को मिले स्मार्टफोन

- मुख्यमंत्री ने किए बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम में प्रदान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

एक मेधावी बालिका को स्मार्टफोन प्रदान करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्य सेवक सदन में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 326 मेधावी बालिकाओं को स्मार्टफोन प्रदान किए गए। जनपद स्तर पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा के प्रथम तीन टॉपर बालिकाओं एवं विकासखंड स्तर पर टॉपर बालिकाओं को मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष भी बेटियों ने अपने परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प के बल पर बोर्ड परीक्षाओं में अद्भुत प्रदर्शन किया है। इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए, जिसमें बालिकाओं का सफलता प्रतिशत 93 प्रतिशत से अधिक रहा और इंटरमीडिएट परीक्षा में 83 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे, जिनमें बालिकाओं का सफलता प्रतिशत 86 प्रतिशत से अधिक रहा।

कहा कि समाज की तरक्की नारी शक्ति से होती है। यदि किसी राज्य की नारी शक्ति प्रगति कर रही है, तो उस राज्य के विकास को कोई भी ताकत नहीं रोक सकती। बेटियों के शिक्षित होने से आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी संवरता है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सरकार ने राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, नंदा गौरा योजना जैसी योजनाएं प्रारम्भ की हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की बेटियां सरकारी सेवाओं में चयनित हो रही हैं एवं स्वयं सहायता समूहों, स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों के माध्यम से भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन हुआ

पिथौरागढ़: मिशन इंटर कॉलेज में सीमांत पर्वतीय जनपदीय बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन हुआ। शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख मूनाकोट नीमा बल्दिया, ज्येष्ठ प्रमुख जीवन सिंह वल्दिया, पूर्व प्राचार्य डॉ. आरएस अधिकारी, महामंडलेश्वर हेमंत गुरु महाराज तथा जिला समन्वयक विज्ञान डा. विकास पंत ने संयुक्त रूप से किया। महोत्सव की थीम 'जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन रणनीतियां एवं आपदा जोखिम प्रबंधन का एकीकरण रही। ब्लॉक प्रमुख ने बच्चों के मॉडल और नाटकों की सराहना करते कहा कि व्यावहारिक जीवन में जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास आवश्यक हैं ताकि भविष्य सुरक्षित बनाया जा सके। ज्येष्ठ प्रमुख ने छात्रों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बोट हाउस क्लब देश के महंगे क्लबों में शुमार

- 3 लाख 5 हजार रुपये में मिलेगी नए सदस्यों को सदस्यता
- अगले साल से 6 लाख रुपये होगा क्लब का सदस्यता शुल्क

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : सरोवर नगरी का प्रतिष्ठित नैनीताल बोट हाउस क्लब एक बार फिर चर्चा में है। क्लब प्रबंधन ने नई सदस्यता प्रक्रिया शुरू करते हुए 100 नए सदस्यों को शामिल करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए सदस्यता शुल्क 3 लाख 5 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

खास बात यह है कि निर्धारित संख्या पूरी होने से पहले ही 60 लोगों को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है, जो क्लब की लोकप्रियता और प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

बोट हाउस क्लब के महासचिव शोएब सिद्दीकी ने बताया कि सदस्यता को लेकर बोट हाउस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 160 आवेदनों में से फिलहाल 100 नए सदस्यों को सदस्यता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि क्लब की सुविधाओं का विस्तार और प्रबंधन की गुणवत्ता को बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

कहा कि अगले वर्ष से क्लब की सदस्यता और भी महंगी हो जाएगी। वर्ष 2026 से सदस्यता शुल्क 6 लाख रुपए तय किया गया है। इस निर्णय के साथ बोट हाउस क्लब अब देश के सबसे महंगे सदस्यता शुल्क लेने वाले क्लबों में शुमार हो गया है।

क्लब प्रशासन के अनुसार, सदस्यता शुल्क से प्राप्त धनराशि का उपयोग क्लब परिसर के आधुनिकीकरण, जलक्रीड़ा गतिविधियों के विस्तार और पर्यटकों व सदस्यों के लिए नई सुविधाएं विकसित करने में किया जाएगा। बताते चलें अब तक नैनीताल बोर्ड हाउस क्लब में 3500 सदस्य हैं। नए सदस्य जुड़ने के बाद इनकी संख्या 3600 हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि नैनीताल बोट हाउस क्लब की स्थापना ब्रिटिश काल में हुई थी और यह देश के सबसे पुराने व प्रतिष्ठित क्लबों में से एक है।

झील किनारे स्थित यह क्लब अपनी शानो-शौकत, नौकायन सुविधाओं और ऐतिहासिक महत्व के कारण देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बीच सड़क रोड रोलर में लगी आग

नैनीताल : हल्द्वानी से आ रहे रोड रोलर में शार्ट सर्किट से आग लगने से हड़कंप मच गया। अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। शनिवार शाम हल्द्वानी मार्ग पर डामरीकण करने के लिए हल्द्वानी से रोडरोलर नैनीताल आ रहा था। बीच सड़क चलते रोडरोलर से धुआं उठने लगा। चालक रोलर रोक नीचे उतरा तो उसमें से आग की लपटें उठने लगी। किसी तरह पानी डालकर आग रोकने की कोशिश की। लेकिन इंजन के भीतर से धुआं आना बंद नहीं हुआ। इस दौरान इंजन का ढक्कन उठाया तो रोलर में आग धधक गई। अग्निशमन कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

भाजपा अब बैकफुट पर: दसौनी

- यूकेएसएसएससी पेपर निरस्त होने के बाद प्रदेश कांग्रेस ने बोला उत्तराखंड भाजपा पर हमला

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : यूकेएसएसएससी की 21 सितंबर की परीक्षा निरस्त होने के बाद कांग्रेस ने उत्तराखंड भाजपा पर बड़ा हमला बोला है।

प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने दावा किया कि परीक्षा निरस्त करने का निर्णय कांग्रेस पार्टी और प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं के दबाव का प्रत्यक्ष परिणाम है। आरोप लगाया कि, जिस सरकार ने बेरोजगार युवाओं को सड़क पर लाठियां खाने पर मजबूर किया, आज वही सरकार बैकफुट पर आ गई है। पेपर निरस्त करने की घोषणा इस बात का प्रमाण है कि धामी सरकार की तथाकथित पारदर्शिता का मुखौटा अब उतर चुका है। दसौनी ने आरोप लगाया कि, मुख्यमंत्री की जिन पांच विधायकों के साथ दिखावटी बैठक कराई गई, वह केवल एक राजनीतिक नाटक था। सरकार यह दिखाना चाहती थी कि यह निर्णय सरकार की संवेदनशीलता से लिया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि यह निर्णय विपक्ष और युवाओं के प्रचंड जनदबाव की देन है।

कांग्रेस दुविधा में, जनता को उस पर भरोसा नहीं: चौहान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों का किया पलटवार

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस के आरोपों का पलटवार करते कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि नकल प्रकरण में युवाओं की इच्छा को तरजीह मिले, जबकि मुख्यमंत्री धामी राजनीति के उच्च मानदंडों का पालन करते हुए आंदोलरत छात्रों के बीच गए और उनकी मांगों को विनम्रता से सुनकर सीबीआई जांच की संतुति की। सरकार ने पहले ही एसआईटी जांच की रिपोर्ट पर परीक्षा रद्द करने का आश्वासन दिया और अब यह मांग भी पूरी हो गयी है।

चौहान ने कहा कि आंदोलनरत बेरोजगारों की मांग पर लिए गए निर्णय को कांग्रेस पचा नहीं पा रही है। युवाओं के आंदोलन और सीबीआई जांच के निर्देश पर भी श्रेय लेने की राजनीति से कांग्रेस पीछे नहीं रही। कांग्रेस इसे अपना दबाव बताती रही, लेकिन धामी सरकार ने पारदर्शिता तथा युवा हित को तरजीह दी। कहा कि पहले कांग्रेस सीबीआई जांच पर सवाल उठाती रही और जब निर्देश हुए तो फिर परीक्षा स्थगित होने को लेकर सवाल उठाती रही। अब कांग्रेस आरोपों के साथ मैदान में उतरी है लेकिन न उसके सीएम आवास कूच की नौटंकी और न ही नकल मामले में जनता को उस पर भरोसा है।

चौहान ने कहा कि राज्य मे भ्रष्टाचार के खिलाफ सीएम धामी की मुहिम ऐतिहासिक है। परीक्षाओं मे किस तरह से नकल माफिया सक्रिय होता है जिसे समूल नष्ट किया गया। 200 से अधिक लोगो को जेल भेजा गया और नकल माफिया का सिंडिकेट तोड़ा गया।

कड़ा नकल विरोधी कानून लाया गया और अब माफिया आसानी से युवाओं के हित पर चोट नही पहुंचा सकता है। उन्होंने कांग्रेस के अभियान के दावे को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता का समर्थन नही है क्योंकि कई बार वह पिछले दरवाजे से नियुक्त लोगों के साथ दिखी। कांग्रेस दुविधा में है और जनता को उस पर भरोसा नही है।

नुक्कड़ नाटक से बताई आरटीआई की ताकत

संवाददाता, रामनगर

- डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने लोगों को जागरूक किया

अमृत विचार : डिग्री कॉलेज के छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से लोगों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रति जागरूक किया। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आरटीआई सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नुक्कड़ नाटक, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्र छात्राओं ने शहीद चौक, लखनपुर चुंगी एवं आवासीय क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक कर लोगों को इस अधिनियम की ताकत से परिचित कराया। प्राचार्य प्रो.एमसी पाण्डे ने विद्यार्थियों को इस अधिनियम की वास्तविक शक्ति, भूमिका, क्रियान्वयन और चुनौतियों के बारे में बताया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिप्रा पंत ने सूचना का अधिकार अधिनियम का परिचय दिया। डॉ. डीएन जोशी ने आरटीआई के विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला।

आरटीआई पर फिल्म प्रभाग भारत सरकार के द्वारा निर्मित एनीमेशन फिल्म भी दिखाई गई। नुक्कड़ नाटक में हिमांशी, अमित, साक्षी, दीपक, दीपांशु, शिल्पा, अनुष्का, कविता, सुमन, निकिता का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण 13 अक्टूबर को किया जाएगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ.लोतिका अमित, डॉ.अल्का, डॉ. शिप्रा पंत, डॉ.डीएन जोशी, डॉ.कृष्णा भारती, डॉ. इंदु आर्या, डॉ. नीमा राणा, डॉ. ममता भदोला जोशी मौजूद रहे।

सीबीआई जांच और मर्तोलिया की बर्खास्तगी कब: धस्माना

देहरादून : प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन व प्रशासन) सूर्यकांत धस्माना ने भी भाजपा पर हमला बोलते कहा कि पहले तो सरकार ने पेपर लीक से साफ इनकार किया और इसे मात्र एक सेंटर के तीन पेपर आउट होने का मामला बताया। उसके बाद जो पेपर लीक के खिलाफ आंदोलनरत युवाओं का समर्थन कर रहे थे, उन्हें भाजपा नेताओं ने अर्बन नक्सल, देशद्रोही, सनातन विरोधी और नकल जिहादी बताकर संबोधित किया। उनका इस तरह अपमान करने पर भाजपा नेताओं को माफी मांगनी चाहिए। कहा कि सरकार ने पेपर रद्द तो कर दिया परन्तु जनता को यह नहीं बताया कि पूरे प्रकरण और इस नकल माफिया व इसके कर्ताधर्ताओं के संरक्षकों का खुलासा करने के लिए सीबीआई की जांच कब होगी। कांग्रेस का मानना है कि केवल पेपर रद्द करना काफी नहीं है। सरकार को केंद्रीय गृह मंत्रालय से बात करके सीबीआई जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में शुरू करानी चाहिए और आयोग अध्यक्ष गणेश मर्तोलिया को बर्खास्त करने की घोषणा करनी चाहिए।

सिटी ब्रीफ

सुशील को रामनगर इंस्पेक्टर का चार्ज

हल्द्वानी : एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील कुमार का तबादला कर दिया है। उन्हें अब रामनगर कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। बता दें कि नीरज भाकुनी के प्रमोशन और तबादले के बाद काफी समय से बनभूलपुरा थाना खाली था। सुशील को हाल ही में बनभूलपुरा का चार्ज मिला था और अब उनका फिर से तबादला कर दिया गया है।

शाम ढलते ही चेकिंग 99 हिरासत में

हल्द्वानी : त्योहारी सीजन के दौरान पुलिस ने ऑपरेशन रोमियो को और तेज कर दिया है। शुक्रवार शाम ढलते ही हुड़दंग करने वाले, सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने और नशा कर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने नकेल कसी। पुलिस ने ऐसे 99 लोगों को हिरासत में लिया। उन्हें समझाया और चालान करने के बाद उन्हें छोड़ा। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के उद्देश्य से ऑपरेशन रोमियो चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार रात जिले के कई थानाक्षेत्रों में अभियान के दौरान चार नशेड़ी वाहन चालक गिरफ्तार किए गए। जबकि 99 को हिरासत में लिया गया। इनसे 24 हजार से अधिक जुर्माना वसूला।

नेत्र शिविर आज

हल्द्वानी : नारायणी सेवा समिति, नारायणी सेना और ज्योति नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आज हीरा नगर में एक नेत्र शिविर लगाया जाएगा। इसमें नेत्र विशेषज्ञों निशुल्क जांच करेंगे। समिति के संस्थापक अध्यक्ष रूद्राक्ष सिंह बिष्ट ने बताया कि शिविर नारायणी सेवा समिति के कार्यालय निकट योग पार्क हीरा नगर में सुबह 10 बजे से 1 बजे तक लगेगा।

पुलिस की निगरानी में हुआ रामलीला का मंचन

कालाढूंगी : रामनगर-कालाढूंगी नयागांव में रामलीला का मंचन शुक्रवार रात पुलिस की निगरानी में हुआ।गुरुवार रात दो पक्षों में फायरिंग, पथराव होने से क्षेत्र में दहशत का माहौल था। पेट्रोल पंप में दो पक्षों में जमकर मारपीट तथा फायरिंग हुई थी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों के लाइसेंसी हथियार कोतवाली में जमा कर दिए थे।

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय ने राज्य के सभी 13 जनपदों के जिलाधिकारियों को नए उपखनिज क्षेत्र चिन्हित करने के निर्देश

सरकारी खजाना बढ़ाने को तलाशें राज्य में नये खनन स्थल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य में नदियों, उपखनिज लॉटों के अतिरिक्त नए खनन क्षेत्र चिन्हित किए जाएंगे। नए क्षेत्रों के चिन्हीकरण से राजस्व में भी वृद्धि होगी तो उपखनिज चोरी पर भी शिकंजा कसेगा।

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय ने राज्य के सभी 13 जनपदों के जिलाधिकारियों को जिले में नए उपखनिज क्षेत्र चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। खनन विभाग के अनुसार, जिले में नदियों, उपखनिज लॉटों के अतिरिक्त ऐसे उपखनिज क्षेत्र हैं जिनमें खनन नहीं होने से अवैध खनन होता है। अवैध खनन से सड़क हादसे व आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। वहीं, सरकार को भी पर्याप्त मात्रा में राजस्व नहीं मिलता है। कभी-कभी ऐसे क्षेत्र जहां उपखनिज जमा है, आपदा की भी वजह बन जाती हैं। इस बाबत जिलाधिकारियों को जिला खनन अधिकारी की अध्क्षता में समिति का गठन कर चिन्हीकरण के लिए कहा है। नए क्षेत्र चिन्हित होने के बाद आख्या, प्रमाणित ट्रेसिंग खसरा मानचित्र, खाता खतौनी, कोआर्डिनेट्स आदि शासन को मुहैया कराने को कहा है। जब रिपोर्ट प्राप्त हो जाएगी तब उक्त क्षेत्र की ई-टेंडरिंग की जाएगी।

गौला नदी में पानी कम न होने से अब तक शुरू नहीं हो सका है उपखनिज खनन

हल्द्वानी : वैसे तो राज्य में खनन सत्र शुरू हुए 10 दिन हो चुके हैं लेकिन अभी तक गौला नदी में फावड़े बेल्चों की खन खन नहीं शुरू हो सकी है। इसके पीछे नदी में पानी होना वजह बताई जा रही है। वन अधिकारियों के अनुसार, राज्य में 1 अक्टूबर को खनन सत्र शुरू होता है। इससे पूर्व वन विभाग नदी में दोनों किनारों पर 25-25 प्रतिशत का मार्जिन छोड़ कर सीमांकन पिलर लगाता है। साथ ही नदी में खनन वाहनों के जाने के लिए रास्ते भी बनाता है। जगह-जगह कटिंग भी की जाती है। अमूमन इन दिनों में नदी में पानी नहीं होता है लेकिन इस वर्ष मानसून के देरी से लौटने और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से नदी में पानी बना हुआ है। इस वजह से वन विभाग ने अभी तक कोई भी काम नहीं किया है। हालांकि तराई पूर्वी वन डिवीजन के डीएफओ हिमांशु बागरी ने गौला नदी में खनन का कार्यादेश जारी कर दिया है। अब नदी में पानी कम हो जाएगा इसके बाद सीमांकन व रास्ते बनाने का काम किया जाएगा।

> सभी जिलों में नए-नए उपखनिज क्षेत्र चिन्हित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। नए क्षेत्र मिलने पर सरकार का राजस्व बढ़ेगा और अवैध खनन पर लगाम कसने के साथ ही कई लाभ होंगे। **-राजपाल लेघा**, निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म

> गौला नदी में अभी पानी है जिस वजह से सीमांकन पिलर्स लगाने और खनन वाहनों के रास्ते बनाने का काम नहीं हो सका है। जैसे ही नदी में पानी कम होगा वैसे ही काम शुरू किया जाएगा। **-चंदन सिंह अधिकारी**, रेंजर, गौला तराई पूर्वी वन डिवीजन हल्द्वानी

यूओयू में प्रवेश का अंतिम मौका 13 तक

हल्द्वानी, अमृत विचार : यूओयू ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश का पुनः मौका दिया है। विवि में प्रवेश के लिए 13 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विवि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इसके बाद प्रवेश के लिए तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने बताया कि इच्छुक छात्र-छात्राएं व विवि में विभिन्न कार्यक्रमों में पहले से पंजीकृत विद्यार्थी अगली कक्षा में तय अंतिम तिथि तक अनिवार्य रूप से प्रवेश लें। कुलपति ने कहा कि विवि की ओर से विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पहले ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से समय पर प्रवेश लेने की अपील की है ताकि आगे की शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकें।

अनदेखी: लापरवाही के 'बाउंसर' से क्रिकेट मैदान हो गया 'बोल्ड'

खेल अफसरों की हीलाहवाली से राजस्थान से लाई गई मिट्टी पर उग आई घास

पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार और पिच के लिए लाई गई लाखों रुपये की मिट्टी पर उग आई घास। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कुमाऊं के एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर बनाया क्रिकेट स्टेडियम सिस्टम की लापरवाही से पुराने स्वरूप में नहीं आ पा रहा है। राष्ट्रीय खेलों के नाम पर क्रिकेट मैदान को फुटबॉल मैदान बनाया गया था जो अब तक बना हुआ है। वहीं, क्रिकेट पिच के लिए राजस्थान से लाई गई 90 लाख रुपये की मिट्टी पर घास उग आई है।

राज्य में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक राष्ट्रीय खेल हुए थे। इन खेलों के लिए 2.23 करोड़ रुपये खर्च कर क्रिकेट मैदान को फुटबॉल मैदान में बदला गया। तब वहां से हटाई गई तीन पक्की क्रिकेट पिचों की खास काली मिट्टी को हटाया गया था। हवाला दिया गया था कि राष्ट्रीय खेलों के समापन के बाद फिर से क्रिकेट मैदान बना दिया जाएगा। अब नौ माह बीतने को है लेकिन फिर से क्रिकेट मैदान नहीं बनाया गया है। क्रिकेट पिच के लिए 90 लाख खर्च कर राजस्थान से मिट्टी मंगाई गई थी जो अब परिसर में ऐसी ही पड़ी है। अब इस मिट्टी पर कंटीली घास उग चुकी है। वहीं, राष्ट्रीय खेलों के समापन के बाद स्टेडियम में क्रिकेट का प्रशिक्षण की राह देखने वाले युवाओं को तगड़ा झटका लगा है।

खिलाड़ियों की मजबूरी, निजी एकेडमियों का सहारा

हल्द्वानी : सरकारी स्टेडियम में सुविधा नहीं होने से युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को निजी क्रिकेट एकेडमियों का रुख करना पड़ रहा है। गौलापार, कालाढूंगी रोड, रामपुर रोड, तीनपानी बाईपास रोड जैसे क्षेत्रों में इस समय करीब 15 निजी एकेडमियां खुल गई हैं, जहां खिलाड़ियों को 1000 से 3000 रुपये मासिक फीस देनी पड़ रही है। यह आर्थिक बोझ कई परिवारों पर भारी पड़ रहा है।

08 महीने के बाद राष्ट्रीय खेलों के समापन पर भी नहीं हुआ निर्माण

90 लाख की मिट्टी हुई खराब, 2.23 करोड़ से बना था फुटबॉल मैदान

> गौलापार स्टेडियम में पड़ी क्रिकेट पिच की मिट्टी के विषय में हमें जानकारी है। यह मामला हमारी प्राथमिकता में है। खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है, और इस दिशा में शीघ्र ही ठोस कदम उठाए जाएंगे। **-रशिका सिद्दीकी**, खेल उपनिदेशक, कुमाऊं

बेटे को पीटा, पिता पर फेंकी गर्म चाय

हल्द्वानी, अमृत विचार : एक दिन बाद अपराध की समीक्षा के लिए एडीजी एलओ शहर आने वाले थे और उससे ठीक पहले रात दबंग सड़क पर खुलेआम दबंगई कर रहे थे। मामला शुक्रवार आधी रात एसटीएच के बाहर का है। जहां चाय बेचने वाले एक युवक को दबंगों ने बुरी तरह पीट डाला और उसके पिता पर गर्म चाय फेंक दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दबंग उनसे भी उलझ गए। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। हालांकि मुकदमा दर्ज नहीं किया है।

बनभूलपुरा निवासी उस्मान डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के बाहर चाय बेचकर परिवार पालते हैं। उस्मान के मुताबिक शुक्रवार को वह बेटे के साथ ठेके पर काम कर रहे थे। रात करीब साढ़े 12 बजे कुछ युवक उनकी दुकान पर पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने सामान खरीदा और रुपये देने से इंकार कर दिया। विरोध करने पर युवकों ने गाली-गलौज करठेले पर मौजूद उस्मान के बेटे को पीटना शुरू कर दिया। उस्मान बीच में आए तो एक युवक ने उन पर गर्म चाय फेंक दी।मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

हीरा नगर तिराहे से जेल रोड का होगा चौड़ीकरण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **जिला विकास प्राधिकरण से दिया जाएगा 45 लाख का बजट**
- **जल्द सर्वे के बाद शुरू होगा कार्य जाम से मिलेगी राहत**

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए सड़क चौड़ीकरण की मुहिम जारी है। इसी क्रम में अब हीरानगर तिराहे से जेल रोड का चौड़ीकरण किया जाएगा। इस बाबत जल्द ही सर्वे होगा और फिर चौड़ीकरण शुरू होगा।

शहर में हीरा नगर तिराहे से जेल रोड मेन सड़क है। इस सड़क पर एसटीएच की ओर से आने-जाने वालों वाहनों की आवाजाही होती है। लेकिन यह सड़क तिराहे से मुड़ते ही स्कूल तक पैच बहुत संकरा है। इसकी वजह सड़क की चौड़ाई कम होना और नालियां हैं। यह खुली नालियां इतनी चौड़ी हैं कि कभी-कभी वाहन भी गिर जाते हैं। जिस कारण से यह जाम रहता है। अब इस जाम से छुटकारा मिलेगा।

प्रशासन ने लोनिवि से लगभग दो सौ मीटर के पैच के चौड़ीकरण का 45 लाख का प्रस्ताव बनाया है। इसमें सड़क को लगभग ढाई मीटर तक चौड़ा किया जाएगा। इससे यहां लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। फिलहाल इस प्रोजेक्ट के लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। अब जल्द ही प्रशासन, राजस्व, लोनिवि की संयुक्त टीम सर्वे करेगी और इसके बाद काम शुरू किया जाएगा।

> हीरा नगर तिराहे से जेल कट तक सड़क चौड़ीकरण किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण से बजट दिया जाएगा। प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है, जल्द ही सर्वे के बाद इस पर काम शुरू होगा। **-राहुल शाह**, एसडीएम, हल्द्वानी

चोर मानकर चौकी में खूब पीटा, युवक ने जहर गटका

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोतवाली की राजपुरा पुलिस चौकी पर गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि एक युवक को बार-बार चौकी ले जाकर बेरहमी से पीटा गया और पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने जहर खा लिया। उसकी एसटीएच में हालत गंभीर बनी है। शिकायत के बाद पुलिस पीड़ित पक्ष को टहलाती रही। मीडिया में मामला आया तो पुलिस अब जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

राजपुरा पड़ाव वार्ड 13 निवासी बबली नाम की महिला ने कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाते बताया कि, 6 अक्तूबर को उसके दामाद बबलू को राजपुरा चौकी पुलिस चोरी की किसी घटना में संदेह के तौर पर पूछताछ के लिए ले गई और उसकी पिटाई की। इसके बाद 8 और 10 अक्तूबर को भी चौकी लेजाकर उसे पीटकर अधमरा कर डाला। आरोप है कि पुलिस की बेवजह की पिटाई से आजिज आकर बबलू ने जहर गटककर जान देने की कोशिश की। परिजन आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ तहरीर लेकर कोतवाली पहुंचे लेकिन उसे रिसीव नहीं किया गया।

दोपहर से चक्कर लगा रहे परिजनों की जब पुलिस ने नहीं सुनी तो देर शाम मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तहरीर लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इग्नू में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर

हल्द्वानी, अमृत विचार : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में वर्तमान प्रवेश सत्र में नए प्रवेश (सेमेस्टर आधारित व सर्टिफिकेट कार्यक्रमों को छोड़कर) के लिए ऑनलाइन प्रवेश का अंतिम मौका है। विवि ने 15 अक्टूबर को प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि निर्धारित की है।

इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र देहरादून के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल कुमार डिमरी ने बताया कि इस सत्र में प्रवेश के लिए यह अंतिम मौका हो सकता है। उन्होंने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट WWW.IGNOU.AC.IN पर जाकर ऑनलाइन/ ओडीएल कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके बाद योग्य छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर भारत सरकार की छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मेडिकल स्टोर में जांच करती औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट व अन्य। ● अमृत विचार

मुखानी के तीन मेडिकल स्टोर्स को दिया नोटिस

हल्द्वानी, अमृत विचार : औषधि नियंत्रण विभाग का मेडिकल स्टोर में बच्चों के कफ सिरप को लेकर चेकिंग अभियान शनिवार को भी जारी है। टीम ने 7 मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया जिसमें तीन को नोटिस जारी किया गया है। वहीं सभी मेडिकल स्टोर्स संचालकों को गाइड लाइन के पालन करने के निर्देश दिए। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट के नेतृत्व में टीम ने मुखानी के सात मेडिकल स्टोर्स की चेकिंग की। टीम ने प्रतिबंधित कफ सिरप और अन्य खांसी-सर्दी की दवाओं की जांच की। जांच में कोल्डरिफ, रेस्पीफ्रेश, रिलीफ जैसे कफ सिरप का स्टॉक उपलब्ध नहीं था। टीम ने दो कप सिरप के नमूने जांच के लिए लैब भेजे हैं। वहीं अनियमितता मिलने पर तीन मेडिकल स्टोर्स संचालकों को नोटिस दिए गए हैं। बिष्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। इस दौरान औषधि निरीक्षक अर्चना भी शामिल रही।

डाक विभाग ने कुमाऊं विवि और एरीज पर जारी किया विशेष स्मारक लिफाफा

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में विशेष स्मारक डाक लिफाफा जारी करते केन्द्रीय मंत्री अजय टम्टा व अन्य।

अमृत विचार: भारतीय डाक विभाग ने शुक्रवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय और एरीज (आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान) पर विशेष स्मारक डाक लिफाफा जारी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग अजय टम्टा मौजूद रहे।

मंत्री टम्टा ने कहा कि यह स्मारक लिफाफा कुमाऊं विश्वविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक यात्रा का प्रतीक है। कहा कि यह लिफाफा उत्तराखंड की सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विरासत को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान दिलाने का भी माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में जो मानक स्थापित किए हैं, वे पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान सांसद अजय टम्टा ने डाक टिकट प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में करीब 100 साल पुराने टिकटों और इतिहास को डाक विभाग ने संजोकर रखा है। इस अवसर पर विधायक सरिता आर्या, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल उत्तराखंड शशी शालिनी, निदेशक इंडिया पोस्ट अनसूया प्रसाद, तथा एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाज़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से विशेष स्मारक डाक लिफाफे का विमोचन किया गया।

हिदायत | थाना खटीमा और नानकमत्ता से नाखुश एडीजी ने लगाई फटकार, मुरुगेशन ने पुलिस को दिया अज्ञात महिला शवों की शिनाख्त का टारगेट

ईमानदारी से काम करें या फिर कड़ी कार्रवाई को तैयार रहें : एडीजी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

पुलिस बहुउद्देशीय भवन में समीक्षा बैठक करते एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. वी मुरुगेशन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस की गिरफ्त से दूर अपराधी अब कहीं भी होंगे, बचेंगे नहीं। क्योंकि पुलिस ने ऐसे अपराधियों की धर-पकड़ के लिए अभियान छेड़ दिया है। शनिवार को शहर में पहुंचे एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन ने न सिर्फ अपराध समीक्षा की बल्कि सख्त निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा, तीन वर्ष से अधिक लंबित विवेचनाएं कतई स्वीकार नहीं की जाएंगी। अपना काम इमानदारी से करें या फिर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। सभी अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें और हर गंभीर अपराध की मॉनिटरिंग स्वयं करें। नैनीताल और ऊधमसिंह नगर की समीक्षा करते हुए पुलिस बहुउद्देशीय भवन में एडीजी ने कहा, महिला अपराधों विशेषकर महिला अपहरण और दुष्कर्म के मामलों में त्वरित अनावरण कर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। चोरी, नकबजनी और लूट-डकैती के मामलों में सौ प्रतिशत रिकवरी करें। उन्होंने थाना खटीमा व नानकमत्ता के थानाध्यक्षों को केस वर्कआउट और रिकवरी के मामलों में शिथिलता पर कड़ी चेतावनी दी।

साथ ही कहा, वाहन चोरी, बलात्कार और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में कठोर कार्रवाई करें। अवैध नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाएं। ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित करें। अज्ञात महिला शवों की शिनाख्त कार्यवाही करें। अपराध नियंत्रण और विवेचनाओं की गुणवत्ता पुलिस की साख का आधार है। अधिकारी अपने क्षेत्र में सक्रियता, पारदर्शिता वजवाबदेही के साथ काम करें। तीन वर्ष से अधिक लंबित विवेचनाएं अस्वीकार्य हैं। इन्हें तत्काल निस्तारित करें या संबंधित अधिकारी कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। हर क्षेत्राधिकारी अपनी विवेचना टीम की कार्यक्षमता का नियमित मूल्यांकन करें।

तकनीक के साथ पारदर्शी पुलिसिंग की ओर कदम

हल्द्वानी : गोष्ठी के बाद पुलिस महानिरीक्षक सीसीटीएनएस/एससीआरबी सुनील कुमार मीणा ने कहा, क्षेत्राधिकारी प्रतिदिन पोर्टल की स्थिति की जांच कर कार्रवाई करें। सभी अधिकारी सीसीटीएनएस/आईसीजेएस पोर्टल का संचालन कुशलता से सीखें। आईसीजेएस पोर्टल के 1.0 व 2.0 वर्जन में उपलब्ध विभिन्न प्लेटफार्म व मिशन वात्सल्य जैसे पोर्टलों पर नियमित अपडेट व कार्यवाही दर्ज करें। प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता बढ़ाना पुलिसिंग का नया आयाम है। सभी अधिकारी डेटा इंटीग्रेशन और सटीक रिपोर्टिंग पर ध्यान दें।

डीआईजी समेत तमाम आलाधिकारी रहे मौजूद

बैठक में डीआईजी रिद्धिम अग्रवाल के साथ एसएसपी पीएन मीणा, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एसपी अभय कुमार सिंह, एसपी प्रकाश चंद्र, सीओ दीपशिखा, सीओ सुमित पांडेय, सीओ अमित कुमार, सीओ प्रशान्त कुमार, सीओ दीपक सिंह, सीओ डीआर वर्मा, सीओ भूपेन्द्र सिंह धौनी, सीओ विमल कुमार आदि थे।

हाट बाजार का एग्रीमेंट तोड़ने पर मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **मल्ली बमौरी में हाट बाजार लगाने के लिए हुआ था एग्रीमेंट**
- **जमीन मालिक ने दो लाख रुपये बयाना लेकर तोड़ दिया एग्रीमेंट**

अमृत विचार : हाट बाजार लगाने के लिए किया गया एग्रीमेंट जमीन मालिक ने तोड़ दिया। जबकि उसने नगद बयाना भी लिया था। एग्रीमेंट तोड़ते ही उसने हाट बाजार के लिए जमीन किसी और को दे दी। पीड़ित की शिकायत पर मुखानी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आरके टेंट हाउस रोड पर रहने वाली भरत सिंह वल्दिया ने पुलिस को बताया कि मल्ली बमौरी में हाट बाजार लगाने के लिए उन्होंने बीती 3 मई को जमीन के मालिक कैलाश बल्यूटिया से एग्रीमेंट किया था। एग्रीमेंट के समय उन्होंने उधार लेकर कैलाश को दो लाख रुपए एडवांस दिए थे। आरोप है कि 17 मई को जिस दिन उक्त जमीन के संबध में टेंडर पड़ने थे, उससे एक दिन पहले कैलाश ने भरत के साथ किया एग्रीमेंट ज्यादा पैसे के लालच मे रद कर किसी अन्य को हाट बाजार के लिए जमीन दे दी। भरत का कहना है कि धोखाधड़ी की वजह से वह नगर निगम में न टेंडर डालने से वंचित रह गए और उन्हें बड़ी अर्थिक क्षति पहुंची है। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार,12 अक्टूबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

मेधावी छात्राओं को प्रदान किए स्मार्टफोन

लालकुआं : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई में शनिवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने नैनीताल की इंटरमीडिएट में टॉपर रही आयुषी भट्ट समेत प्रदेश के सभी जनपदों की मेधावी बालिकाओं को स्मार्टफोन प्रदान किए। जनपद स्तर पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रथम तीन टॉपर बालिकाओं को यह पुरस्कार प्रदान किए गए। पत्रकार बी भट्ट एवं गीता भट्ट की पुत्री आयुषी भट्ट को यह सम्मान मिलने पर क्षेत्र वासियों ने उन्हें बधाई दी है।

दुग्ध उत्पादों की जांच कर 6 सेंपल लिए

रामनगर : जिलाधिकारी के निर्देश पर हल्दुआ फॉरेस्ट चेकपोस्ट पर शनिवार प्रातः दूध, दही, क्रीम, पनीर, खोया लाने वाले वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 25 किलो मावा, 60 किलो पनीर, 150 लीटर दूध, 40 किलो क्रीम की जांच कर 6 नमूने लिए गए। इस दौरान खाद्य कारोबारियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री बेचने, बिना बिल के खरीद न करने और स्टॉक का विवरण रखने के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

'स्टूडेंट ग्राफेस्ट-2025' का शुभारंभ

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस में रंगारंग कार्यक्रमों की मची धूम

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस में 'स्टूडेंट ग्राफेस्ट-2025' का पहला दिन संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के शानदार संगम के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात निदेशक सेवानिवृत कर्नल अनिल नय्यर ने प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को ग्राफेस्ट जैसे मंचों के माध्यम से आत्मविश्वास, टीम भावना, अनुशासन और रचनात्मकता को विकसित करने का संदेश दिया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

मंच में जहां प्रत्येक प्रस्तुति ने अपनी अलग छाप छोड़ी। शास्त्रीय नृत्य की लयात्मक अदाएं और अर्धशास्त्रीय एकल प्रस्तुतियों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरों की मिठास से भरे गायन ने माहौल को भावनाओं से भर दिया। साथ ही ऊर्जावान रैप परफॉर्मेंस और राजस्थानी, गुजराती एवं हरियाणवी लोकनृत्यों ने कार्यक्रम में जीवंतता और रंग भर दिए।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल कैंपस में 'स्टूडेंट ग्राफेस्ट-2025' के शुभारंभ पर कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

वाद्य संगीत की प्रस्तुति और बॉलीवुड एवं आधुनिक नृत्यों की जोशीली प्रस्तुतियों ने परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों का उत्साह भी मंच की ऊर्जा के समान दिखाई दिया। हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज और उत्साहजनक जयकारे वातावरण में गूंजते रहे। विद्यार्थियों की मेहनत, समर्पण और सृजनशीलता हर प्रस्तुति में झलकती रही। इस दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समेत समस्त स्टाफ, शिक्षक आदि मौजूद रहे।

देहरादून के कृषि विज्ञान विभाग के छात्रों ने पटवाडांगर का किया भ्रमण

नैनीताल : डॉ. अरविंद नेगी के मार्गदर्शन में ग्राफिक ऐरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून के कृषि विज्ञान विभाग के 27 छात्रों ने उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के क्षेत्रीय केन्द्र पटवाडांगर में भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं को पटवाडांगर केन्द्र की हाईटेक प्लांट टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला उच्च गुणवत्ता के कीवी, तिमूर, ब्राह्ममी, बड़ी इलायची के पौधे पत्ते, नोडल पार्ट्स् व जड़ों के बारे में बारीकियों से जानकारी दी। केंद्र के प्रभारी डॉ. सुमित पुरोहित ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने हाई-टेक पॉलीहाउस, नेट हाउस, मशरूम उत्पादन यूनिट का भ्रमण किया। पॉलीहाउस में नियंत्रित वातावरण में मिट्टी रहित विधि से विकसित किये जा रहे 30 सेंटीमीटर की लाल पालक, जुकीनी, कट्टू टमाटर की विभिन्न प्रजातियों, शिमला मिर्च की भी छात्रों को जानकारी दी गई। शोधार्थियों ने बॉयोइनोवेशन सेंटर में स्पॉन कल्चर के माध्यम से विकसित किए जा रहे मशरूम के पौधों के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी व जैवविविधता पार्क में विकसित किये जा रहे पौधों के बारे में, हाइड्रोकल्चर यूनिट में विकसित की जा रही मछलियों के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान शोधार्थी महक बेलवाल, अन्जू दोसाद, प्रीति बहुगुणा, शुभांगी रौतेला, प्रयोगशाला सहायक काजल फुलार व मानसी आर्या मौजूद रहे।

टैक्सी चालकों पर मारपीट का आरोप

रामनगर, अमृत विचार: रोडवेज बस के परिचालक के साथ टैक्सी चालकों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है।पीड़ित परिचालक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी टैक्सी चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

काशीपुर रोडवेज बस परिचालक मुकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह काशीपुर रोडवेज बस में परिचालक है। शनिवार सुबह वह रामनगर रोडवेज बस स्टैंड से सवारी लेकर दिल्ली जा रहे थे। इस दौरान कुछ टैक्सी चालक अवैध रूप से बाहर की सवारियां भर रहे थे। टैक्सी चालकों से ऐसा करने से मना करने पर टैक्सी चालकों ने गाली गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की और वर्दी फाड़ डाली। जान से मारने की धमकी देते हुए टैक्सी चालक फरार हो गए। उन्होंने बताया कि मारपीट में उनके पांच हजार रुपए भी गुम हो गए हैं। वहीं रोडवेज बस डिपो रामनगर के एआरएम नवीन आर्य ने टैक्सी चालकों द्वारा परिचालक मुकेश कुमार के साथ मारपीट करने की निंदा की। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में कार्यवाही की मांग की है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के हित में काम कर रही है मोदी सरकार

रामनगर में विधायक दीवान सिंह बिष्ट का स्वागत करते व्यापारी नेता विपिन कांडपाल।

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की तरक्की और खुशहाली के लिए 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ऐतिहासिक योजनाओं की सौगात देने के उपलक्ष्य में कृषि उत्पादन मण्डी समिति रामनगर के परिसर में सचिव सहील अहमद की अध्यक्षता में कार्यकम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिह बिष्ट ने कहा कि भाजपा सरकार की जनहित नीतियों को जनता तक पहुंचा रही है। कहा कि भाजपा सरकार किसानों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेन्द्र खाती, व्यापार मण्डल अध्यक्ष विपिन काण्डपाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भागीरथ लाल चौधरी, छात्रसंघ उपाध्यक्ष मनोज पाण्डे, पूर्व नगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा, दीपक पाठक, मुदीत दुर्गापाल, ललित पंत, सुरेन्द्र सिंह, बच्चे लाल दुबे, नरेन्द्र प्रकाश पत, पुष्पा देवी, लता मनराल, आढती अजीजुर्रहमान रहमान, नितेश शर्मा, मनोज माहेश्वरी, सदीप अग्रवाल, सरताज आलम, मो. यामीन, मो. नईम, मो. इकबाल, मोहम्मद वशी, शोमेल रावत, यमन नैनवाल, सुमन बिष्ट, गंगा बिष्ट, राखी, अंजलि बोस, वीरेंद्र सिंह, मुजीब अहमद, दीपा मनराल, नरेंद्र प्रकाश पंत, आंचल, गीता देवी, गीता मनराल आदि मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष ने निर्माण कार्यों का जायजा लिया

भीमताल, अमृत विचार: नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने यहां ब्लाक रोड का निरीक्षण किया और लोक निर्माण विभाग द्वारा बिछाई जा रही टाइल के कार्य को देखा। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने क्षेत्र के लोगों से कहा कि वह भी नालियों के कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखें। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष डीके डालाकोटी, पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र चनौतिया, मंडल अध्यक्ष भाजपा मनोज भट्ट, आशा आर्य, गोपाल दत्त पलडिया, सतीश टम्टा, रवि कुमार, नगर पालिका अवर अभियंता महेन्द्र धोनी, योगेश कुमार के साथ ही सभासद रामपाल गंगोला, नीरज रैकुनी, शुभम नैनवाल, बंटी आर्य, उमेश पाठक व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बालिका दिवस पर बड़ौन ओखलकांडा में छात्राओं को सम्मानित करते शिक्षक-शिक्षिकाएं।

बालिका दिवस पर मेधावियों को किया सम्मानित

भीमताल, अमृत विचार : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ौन ओखलाकांडा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र सिंह बसेड़ा कहा कि बेटी बोझ नहीं, भविष्य की नींव है बालिकाओं को पढ़ाओ, बढ़ाओ और सशक्त बनाओ। कार्यक्रम में महिला शिक्षिका उमा जोशी ने कहा कि अगर हमने अपने देश की नींव को मजबूत बनाना है तो हर माता-पिता को चाहिए कि वह अपनी बेटी को पढ़ाएं। कार्यक्रम में प्रतिभावान बालिकाएं भानु कक्षा 6, खीमा कक्षा 7, डम्पी कक्षा 8, गीतिका कक्षा 9 और ज्योति व हंशी चिलवाल कक्षा 10 को प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र सिंह बसेड़ा ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर रघुवर सिंह चुलगांई, पुष्कर सिंह मेहता, हिमांशी बिष्ट, यमुना चिलवाल, कविता, गीतिका, नीमा, जया, भावना, लक्ष्मी, दीपा, प्रीति, गीता, पूजा, डोली, प्रेमा, हिमानी, कविता, गंगा आदि रहे।

यूपी पुलिस लखनऊ ने जीती हॉकी प्रतियोगिता

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: डीएसए मैदान में नैनीताल हॉकी एकेडमी द्वारा आयोजित तथा आदित्य बिड़ला सेंचुरी पेपर, लालकुआं और द नैनीताल बैंक द्वारा प्रायोजित अखिल भारतीय 5-ए-साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शुक्रवार को देहरादून और यूपी पुलिस लखनऊ के बीच खेला गया। मुख्य अतिथि के रूप में द नैनीताल बैंक के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार लाल उपस्थित रहे।

फाइनल में यूपी पुलिस लखनऊ ने 6-4 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। देहरादून की टीम ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः यूपी पुलिस ने बेहतर खेल दिखाते हुए खिताब जीत लिया। प्रतियोगिता में देहरादून की ममता भट्ट को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा वाराणसी की रोशनी को सर्वश्रेष्ठ उदयीमान खिलाड़ी घोषित किया गया। स्वर्गीय एन.के. आर्या की स्मृति में विजेता टीम को 10 हजार और उपविजेता टीम को 5 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की गई। वहीं, गैलेक्सी स्पोटर्स ग्रुप की ओर से कोलकाता की खिलाड़ी गुड़िया और देहरादून की अंकिता को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंपायर की भूमिका मंजुल सनवाल और डॉ. मनोज सिंह बिष्ट ने निभाई। उद्घोषक प्रो. ललित तिवारी और हरीश सिंह राणा रहे। यहां नैनीताल हॉकी एकेडमी के अध्यक्ष मुकेश जोशी मंटू, श्रीराम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह, महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी, प्रदीप जेठी आदि मौजूद रहे।

बालिका स्वावलंबन पर दिया गया जोर

रामनगर, अमृत विचार: आदर्श विद्यालय राइका करनपुर में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित जागरूकता गोष्ठी में राज्य महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष अमिता लोहनी ने बालिकाओं को शिक्षित और स्वावलंबी बनाने पर जोर दिया। सब इंस्पेक्टर सुरभि राणा ने साइबर अपराध के बारे में बताया। पीटीए अध्यक्ष सुरेश घुघत्याल ने बच्चों को नैतिक दायित्वों की जानकारी दी।

पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष भावना भट्ट ने समानता व शिष्टाचार के बारे में बताया। अधिवक्ता एमएस मेहता ने बताया कि गरीब बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार का अपराध होने पर निःशुल्क केस लड़ा जाता है। कार्यक्रम का संचालन जीतपाल कठैत व अधिकार मित्र जीवन सत्यवाली ने किया।

रामनगर में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

तैराकी प्रतियोगिता में तुषार व देव ने मारी बाजी

रामनगर, अमृत विचार : राइका छोई के तत्वावधान में छोई स्थित एक रिसोर्ट में रामनगर ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों की तैराकी प्रतियोगिता के अंडर 17 बालक वर्ग 50 मीटर फ्री स्टाइल में तुषार राइका मोहान प्रथम स्थान पर रहे। शिवम् सिंह राइका छोई द्वितीय व हिमांशु राउमा विद्यालय चुकम तृतीय रहे।इसी वर्ग में 100 मीटर फ्री स्टाइल में तुषार राइका मोहान प्रथम, देव सिंह नेगी राइका छोई द्वितीय, हर्षित राउमावि चुकम तृतीय रहे। 200 मीटर फ्री स्टाइल में देव सिंह नेगी राइका छोई प्रथम, हर्षित राउमावि चुकम द्वितीय रहे। 50मीटर बटरफ्लाई में रोशन सिंह दर्मवाल राइका छोई, अंडर 14 बालक वर्ग 50मीटर फ्री स्टाइल में, मनोज कश्यप राइका छोई अंडर 17 बालिका 50मीटर फ्री स्टाइल में शालू राइका मोहान विजयी रहे। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी भुवन चंद्र पांडे, उमेश चंद्र, प्रवक्ता अर्थशास्त्र, राइका छोई ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। प्रतियोगिता में नवीन चंद्र जोशी, सैय्यद सरदार हुसैन रिज़वी निर्णायक रहे। इस दौरान तनुजा लता, परमजीत रावत, प्रखर पांडे उपस्थित रहे।

प्रो. शिरीष मौर्य करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नैनीताल, अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय के साहित्यकार प्रो. शिरीष मौर्य को आगामी 'चेयर पोएट्री ईवनिंग्स – कोलकाता इंटरनेशनल पोएट्री फेस्टिवल' में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह प्रतिष्ठित कविता महोत्सव 28 से 30 नवम्बर तक कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें 12 देशों के 20 प्रसिद्ध कवि भाग लेंगे। प्रो. शिरीष मौर्य वर्तमान में डीएसबी परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के हिंदी विभागाध्यक्ष हैं। महोत्सव के निदेशक सोनेत मोंडल ने बताया कि यह आयोजन कविता के माध्यम से वैश्विक संवाद और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का प्रयास है। आयोजन के दौरान प्रो. मौर्य कोलकाता के ऐतिहासिक स्थलों पर कविताएँ प्रस्तुत करेंगे।

आरटीआई के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित की प्रतियोगिताएं

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित जैव प्रौद्योगिकी विभाग में उत्तराखण्ड सूचना आयोग एवं उत्तराखण्ड शासन, देहरादून के निर्देशानुसार जन-सामान्य में सूचना अधिकार अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आरटीआई सप्ताह के अन्तर्गत वाद विवाद व कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वाद-विवाद सीनियर श्रेणी में अंजली चौधरी को प्रथम, पियूष जोशी द्वितीय, हितेश नैलवाल तृतीय, सांत्वना पुरस्कार नितेश धनेश्वरी जूनियर श्रेणी एवं जूनियर श्रेणी ज्हानवी रावत - प्रथम, उदित द्वितीय, देव गुलाटी, तुतीय एवं गौतम को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में प्रथम सुमिता वर्मा, द्वितीय महक मेहरा, तृतीय भावना अधिकारी रहे। हर्षिता मनराल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। वहीं जूनियर वर्ग में प्रथम आयुषी बिष्ट, द्वितीय सृष्टि जोशी, तृतीय सोनी कुरिया रहे। सांत्वना पुरस्कार लक्षिता कनवाल को दिया गया। विजयी प्रतियोगियों को परिसर निदेशक ने पुरुस्कृत किया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रो. वीना पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. राजेश्वर कमल कान्त आर्या, डॉ. मुकेश लाल साह, डॉ. सुनील अरोरा, डॉ. अमरप्रीत सिंह विर्दी, डॉ. मयंक पांडे, डॉ. मंजू तिवारी रहे।

भीमताल स्थित जैव प्रौद्योगिकी विभाग में आयोजित कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी।

श्रीराम राज्याभिषेक की लीला का हुआ मंचन

कालाढूंगी, अमृत विचार: चकलुवा में आदर्श नवयुवक रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला मंचन में राम-रावण युद्ध सहित भगवान श्रीराम राज्याभिषेक का मंचन हुआ। कमेटी द्वारा सभी पात्रों व सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पहली बार क्षेत्र की बेटियों ने श्री राम व लक्ष्मण का किरदार निभाया है।

शुक्रवार की रात को अंतिम दिन में राम-रावण युद्ध व रावण मरण की लीला का मंचन किया गया। रावण का वध होते ही भगवान श्रीराम के जयकारों से पांडाल गूंज उठा। पुष्पवर्षा कर भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रभु श्रीराम की लीला का मंचन के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ी थी।

सेहत पर चर्चा

रामनगर के ढिकुली में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में देशभर के नेत्र विशेषज्ञों किए साझा किए अनुभव

मधुमेह रोगियों के आंखों की नियमित जांच जरूरी

- बच्चों के आंखों की खास देखभाल करें अभिभावक
- काला मोतियाबिंद बन सकता है अंधेपन का बड़ा कारण

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : उत्तराखण्ड राज्य ओप्थलमोलोजिकल सोसायटी द्वारा आयोजित नेत्र विशेषज्ञों के सेमिनार में उत्तराखंड अलावा देश के विभिन्न राज्यों से आए नेत्र रोग विशेषज्ञों ने आंखों की नई नई बीमारियों पर गहन मंथन किया। सेमिनार में विशेषज्ञों का मानना था कि मधुमेह रोगियों को समय समय अपनी रेटीना अवश्य चेक करवानी चाहिए।

रामनगर में पत्रकारों से वार्ता करते नेत्र विशेषज्ञों की टीम। ● अमृत विचार

पत्रकारों से वार्ता के दौरान चिकित्सकों का कहना था कि वर्तमान में मायोपिया रोग भी तेजी के साथ बढ़ रहा है। चिकित्सकों ने सलाह दी कि अभिभावकों को अपने बच्चों की आंखों के रूटीन चेकअप अवश्य कराने चाहिए। इसके अतिरिक्त चालीस साल बाद ही व्यक्ति को आंखों का परीक्षण कराना जरूरी है। नेत्र विशेषज्ञों का कहना था कि काला मोतियाबिंद कभी भी अंधेपन की ओर धकेल सकता है इनकी जांच जरूरी है। चिकित्सकों के पैनल ने पत्रकारों को बताया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर देश भर के साठ जिलों में तीन लाख बच्चों की आंखों की जांच का सर्वे करने जा रहे हैं, जिसका डेटा वह भारत सरकार को सौंपेंगे।

बता दें कि ढिकुली स्थित एक रिसॉर्ट में आयोजित सेमीनार में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा एवं जम्मू कश्मीर सहित देश के विभिन्न शहरों से करीब 500 आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर प्रतिभाग कर रहे हैं। सेमिनार में नेत्र रोगों एवं उनके उपचार एवं आधुनिक सर्जिकल उपचार पद्धति एवं नेत्र रोगों से सम्बन्धित नया आधुनिक इलाज एवं बेहतर उपचार गहन मंथन किया गया। साथ ही पूरे भारत के अलग-अलग केंद्रों पर मरीजों की आंखों की हो रही सर्जरी चिकित्सकों ने ऑनलाइन भी देखा।

इस दौरान डॉ. पार्था विश्वास, डॉ. मनोज चन्द्र माथुर, डॉ. नम्रता शर्मा, डॉ. सुरेश कुमार, सोसायटी के अध्यक्ष राजेश तिवारी, सचिव डॉ. सतांशु माथुर, सेमीनार के अध्यक्ष डॉ. मंयक पांगती, आयोजन सचिव डॉ. अशोक गर्ग, वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष डॉ. सौरव लूथरा, लाइव सर्जरी व पुरस्कार समिति अध्यक्ष डॉ. गौरव लूथरा मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

किसान मेले में मुक्त विवि ने बांटी पुस्तकें

हल्द्वानी : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 118वें अखिल भारतीय किसान मेले में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से स्टॉल लगाई गई। इस मौके पर विवि के बारे में छात्रों और अन्य लोगों को जानकारी दी गई। मुक्त विवि की ओर से पुस्तक वितरण मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें विवि की पुस्तकों का निशुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर लगभग 160 छात्रों और अन्य लोगों को 300 से अधिक पुस्तकों का वितरण किया गया। तमाम छात्रों और अन्य लोगों ने विवि की ओर से आयोजित किए गए पुस्तक वितरण कार्यक्रम और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर मुक्त विवि से डॉ. कमल देवलाल, डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. कमलेश बिष्ट, डॉ. विनोद बिरखानी, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. सुमित सिंह, सहायक क्षेत्रीय निदेशक रेखा बिष्ट, मधु डोगरा, देवेंद्र, मनीष, मनोज आदि उपस्थित रहे।

बागजाला वासियों का धरना रहा जारी

हल्द्वानी : बागजाला के ग्रामीणों का आठ सूत्रीय मांगों को लेकर धरना शनिवार को 55वें दिन भी जारी रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अनशन को मजबूर होंगे। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार जानबूझकर बागजाला गांव की उपेक्षा कर रही है। यदि समय रहते मांगें नहीं मानी गईं तो सामूहिक अनशन से भी पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान विमला देवी, वेद प्रकाश, प्रेम सिंह नयाल, मीना आर्य, डॉ. कैलाश पांडेय, रमेश चंद्र, फरजाना, हामिद, नूर आलम, गणेश राम, नसीम, हीरा देवी रहे।

रेलवे क्रॉसिंग पर नहीं डाल सकेंगे कूड़ा

हल्द्वानी : नगर निगम के अभियान चलाने के बावजूद बनभूलपुरा रेलवे क्रॉसिंग के पास लोग कूड़ा डालना बंद नहीं कर रहे थे। इससे निपटने के लिए नगर निगम ने शनिवार को इस स्थान पर सीसीटीवी कैमरा लगा दिया है। अब इस क्षेत्र में कूड़ा डालते हुए पाए जाने वाले लोगों की पहचान कर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और स्वच्छ हल्द्वानी की मुहिम में सहयोग करें। इधर, निगम की ओर से त्यौहारी सीजन पर फुटपाथ पर लगातार किए जा रहे अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध सहायक नगर आयुक्त के नेतृत्व में अतिक्रमण विरोधी टीम ने अभियान चलाया।

ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में 32वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 32वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट व उत्तराखंड ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शेखर त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया। विशेष अतिथि के रूप में वीरेंद्र सिंह परिहार व महेंद्र अधिकारी मौजूद रहे। पहले दिन सब-जूनियर और जूनियर वर्ग के सभी भार वर्गों की मुकाबले कराए गए।

प्रतियोगिता का आयोजन शुभम सिंह डसीला व संचालन ज्योति दुर्गापाल ने किया। आयोजन में उत्तराखंड ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव कमलेश तिवारी कोषाध्यक्ष कौशल किशोर, चंद्र विजय बिष्ट, सुनील सिंह थापा व चीफ टेक्निकल ऑफीसर शशिकांत भी उपस्थित रहे। साथ ही कोच गोकुल खेतवाल, ममता पलड़िया, गिरधर बिष्ट, पूनम, अभिषेक जोशी, कमलेश व शुभम साह आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ने उत्साह से भाग लिया और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

विजेता ट्रॉफी के साथ ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

बीएलएम को 3-0 से हराकर महात्मा गांधी स्कूल बना चैंपियन

हल्द्वानी, अमृत विचार : स्वर्गीय जगदीश चंद्र बल्यूटिया की स्मृति में आयोजित दसवां बिठौरिया कप नैनीताल जिला इंटर स्कूल 11 ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का फाइनल मुकाबला शनिवार को महात्मा गांधी इंटर स्कूल और बीएलएम स्कूल के बीच खेला गया। मुकाबले में महात्मा गांधी इंटर स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीएलएम को 3-0 से हराकर यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में निर्णायकों की भूमिका में मैच कमिश्नर किशोर पाल के साथ त्रिभुवन नितवाल, आनंद देव भोपाल सिंह, सूरज गोस्वामी और मोहित नौटियाल मौजूद रहे। आयोजन के सफल संचालन में रजत चौहान और भूपेश ने वालंटियर्स के रूप में कार्य किया। मुख्य अतिथि के रूप में चेतन बल्यूटिया, डॉ. जोगिंदर सिंह खुराना, रमेश शर्मा, लोकेश गुणवांत, प्रकाश रैकुनी, निर्मला पंत, वरुण बेलवाल, शेखर त्रिपाठी, प्रेम थापा, शंकर आर्य, पारस शाह, प्रकाश चंद आर्य व अमित गौड़ उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरण कर प्रोत्साहित किया। निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। आयोजन अध्यक्ष चेतन बल्यूटिया व आयोजन प्रमुख वीरू कालाकोटी ने बताया कि अगले वर्ष इस टूर्नामेंट को और बड़े स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय ट्रायल संपन्न, 141 प्रतिभागी राज्य स्तर के लिए चयनित

हल्द्वानी, अमृत विचार : अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज प्रतियोगिताओं के लिए हल्द्वानी के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय ट्रायल शनिवार को संपन्न हुए। जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत के नेतृत्व में हुए ट्रायल में विभिन्न सरकारी विभागों के पुरुष व महिला कर्मचारियों ने उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस ट्रायल के लिए कुल 157 कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया था, जहां एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कैरम, वॉलीबॉल और तैराकी समेत विभिन्न खेलों में उनका परीक्षण हुआ। चयन समिति ने प्रतिभागियों के शारीरिक कौशल और तकनीकी दक्षता का मूल्यांकन निर्धारित बैटरी टेस्ट मानक के आधार पर किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, मेरिट के आधार पर कुल 141 खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। चयनित प्रतिभागियों में 103 पुरुष और 38 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों की सूची जिलाधिकारी के नामित अपर जिलाधिकारी से अनुमोदन के बाद खेल निदेशालय, देहरादून और संबंधित जनपदों को भेजा गया है। तैराकी और हॉकी की राज्य स्तरीय सिविल सेवा ट्रायल प्रतियोगिता 13 व 14 अक्टूबर को गोलापार स्टेडियम में की जाएगी।

नैनीताल दुग्ध संघ ने मनाई डायमंड जुबली

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल दुग्ध संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर डायमंड जुबली समारोह मनाया गया। इसमें दूध का मूल्य 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने, मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग पर जोर देने आदि पर मंथन हुआ।

शनिवार को लाल डांट रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हुए समारोह का शुभारंभ दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा, मेयर गजराज बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अध्यक्ष बोरा ने दुग्ध संघ का वार्षिक बजट पेश किया। उन्होंने बताया कि नैनीताल दुग्ध संघ से जुड़े लगभग 29 हजार दुग्ध उत्पादक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर पशुपालकों व दुग्ध उत्पादकों को फायदा पहुंचाने के लिए दूध का दाम फरवरी से 2 प्रति लीटर बढ़ाने, प्रोत्साहन राशि देने के भी निर्णय लिए गए। साथ ही यह भी तय हुआ कि दूध से बनने वाले घी, दही, मक्खन, पनीर, मिठाई और अन्य उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मेयर गजराज बिष्ट ने दुग्ध संघ की सराहना करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जब उत्पादक आर्थिक संपन्न होंगे तो अर्थव्यवस्था खुद ब खुद सशक्त होगी। उन्होंने दुग्ध संघ को पारदर्शी और गुणवत्ता बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर सभी सदस्यों ने संघ को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाने और दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा। ● अमृत विचार

ससुर का शव देखने पहुंची बहू, भाई व वृद्धा को पीटा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- पति से हो चुका था तलाक, पति की भी हो चुकी है मौत
- चचिया सास व तीन अन्य पर आरोप, दर्ज हुआ मुकदमा

अमृत विचार : पति से तलाक और उसकी मौत के बाद ससुर के देहांत पर ससुर के अंतिम दर्शन को पहुंची बहू को ससुरालियों ने बुरी तरह पीट दिया। बचाव में आए उसके मौसेरे भाई और एक वृद्धा को भी आरोपियों ने घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर बनभूलपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वार्ड 24 बनभूलपुरा निवासी आरफी ने पुलिस को बताया कि उसका पति से तलाक हो चुका है और उसका देहांत भी हो चुका है। बीती 7 अक्टूबर को उसके ससुर मस्तान साबरी का देहांत हो गया था, जिनको देखने के लिये अगले दिन दोपहर वह अपनी बेटी फातिमा के साथ ससुराल पहुंची। आरोप है कि यहां चचिया सास खैरून्निशा उर्फ गुड्डो ससुर को देखने के लिए मना करने लगी। आरफी ने विरोध किया तो अली नवाज समद, शाहनवाज और शाहनेजर ने मारपीट शुरू कर दी। आरफी की मौसी का बेटा जॉनी बीच-बचाव में आया तो लाठी मारकर उसका सिर फोड़ दिया। आरफी की 95 वर्षीय नानी चन्दा को पीटा। जॉनी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

हल्द्वानी, अमृत विचारः 14वें अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्ली बमौरी में जनजागरूकता रैली और गोष्ठी का आयोजन किया गया।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, समाज को प्रगतिशील बनाओ, बेटी माता-पिता की पहचान है, देश का स्वाभिमान है जैसे नारों के साथ छात्राओं ने स्कूल से चंबलपुल और वापस स्कूल तक रैली निकाली। जिसमें छात्राओं और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के बाद स्कूल में साथी संगठन की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें आनंद सिंह ठठोला, लीलाधर पांडे, विजय तिवारी, क्रियाशाला के अध्यक्ष नंदा बल्लभ गुणवंत, पार्षद मुकुल बल्यूटिया और चंदन सिंह मेहता ने छात्राओं को बालिका दिवस का महत्व बताया।

विधायक भगत का जताया आभार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 47 स्थित कालिका कॉलोनी में विगत दो वर्षों से चली आ रही लो-वोल्टेज की जटिल समस्या का अंततः समाधान हो गया। इस उपलब्धि के लिए स्थानीय निवासियों ने विधायक बंशीधर भगत के आवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। कालिका कॉलोनी के फेज 1, फेज 2 एवं फेज 3 के लोगों ने विधायक भगत की सक्रियता की सराहना की।

विधायक भगत ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कालिका कॉलोनी में कई वर्षों से लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई थी। दो वर्ष पूर्व विधायक भगत के अथक प्रयासों से कॉलोनी में एक नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराया गया था। हालांकि, ट्रांसफॉर्मर लगने के बावजूद, कुछ स्थानीय परिवारों द्वारा तार बिछाने का विरोध करने के कारण लगभग 72 परिवारों को लो-वोल्टेज की मार झेलनी पड़ी। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ट्रांसफॉर्मर का उपयोग ही न हो सका। विगत दिनों सूचना मिलने पर विधायक ने विद्युत विभाग को कड़ी फटकार लगाई। विधायक भगत की सख्ती के बाद विद्युत विभाग हरकत में आया । पुलिस बल की मौजूदगी में तारों की बिछावट का कार्य तेजी से पूरा किया गया । जिससे मोहल्ले के सभी निवासियों को अब पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो गई है। इस दौरान पार्षद दीपक बिष्ट, गोपाल सिंह डसीला , भुवन चंद्र सती , दुर्गा दत्त मिश्रा , प्रकाश चन्द्र कांडपाल, महेश चंद्र भट्ट, दीपक भट्ट, नंदन सिंह बिष्ट, धर्मेंद्र सिंह बिष्ट, अजीत सिंह भंडारी, हीरा सिंह बिष्ट, पूरन सिंह मेहरा, जानकी मेहरा रहे।

विधायक बंशीधर भगत का आभार जताते कालिका कॉलोनी के लोग। ● अमृत विचार

जाति ही पूछो साधु की नाटक का मंचन

हल्द्वानी, अमृत विचार : काफल ट्री फाउंडेशन और यथार्थ कास्टिंग एजेंसी की ओर से नाटक जाति ही पूछो साधु की का सफल मंचन किया गया। मंचन से पूर्व वरिष्ठ साहित्यकार स्व. जुगल किशोर पेटशाली, वरिष्ठ रंगकर्मी, स्व. अरविंद अग्रवाल एवं स्व. जितेंद्र सम्मल को श्रद्धांजलि दी गई।

शनिवार को सरस बाजार स्थित रमोलिया हाउस में हुए मंचन में दर्शकों ने नाटक को खूब सराहा। प्रख्यात रंगकर्मी विजय तेंदुलकर के लिखे इस नाटक का निर्देशन चारू तिवाड़ी ने किया। इसमें मुख्य किरदार में आकाश नेगी, आकांशा बोरा और अंकित चौधरी थे। इसके अलावा वरिष्ठ रंगकर्मी घनश्याम भट्ट, हरीश पांडे एवं अनिल कार्की के अभिनय को भी दर्शकों ने खूब सराहा। अन्य किरदारों में आशा नेगी, अथर्व, आरव, मुकुल रहे।

शिविर को संबोधित करते पीएलवी बाला दत्त। ● अमृत विचार

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

हल्द्वानी, अमृत विचार : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के थीम सॉन्ग (एक मुट्ठी आसमान) के सम्बन्ध में जागरूकता के उद्देश्य से शनिवार को बरेली रोड स्थित टीआरवी पब्लिक स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पीएलवी बाला दत्त ने जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए शिविर में प्रतिभाग करने पहुंचे 50 से ज्यादा प्रतिभागियों को विधिक जानकारी दी। इसके साथ ही, नालसा थीम सॉन्ग का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया गया।

कुमाऊं महोत्सव का भव्य शुभारंभ

हल्द्वानी : एमबी इंटर कॉलेज मैदान में शनिवार को कुमाऊं महोत्सव का भव्य शुभारंभ सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व राज्यपाल व पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने किया।

कार्यक्रम में मेयर गजराज सिंह बिष्ट और कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक कलाकारों फौजी ललित मोहन जोशी, दीवान कनवाल, स्वामी भट्ट, सतेंद्र गंगोला और कमल मेहरा ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। जन जागृति सेवा समिति की ओर से प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया।

कैंप में बच्ची की आंख की जांच करतीं चिकित्सक। ● अमृत विचार

शिविर में 45 बच्चों के आंखों की हुई जांच

हल्द्वानी, अमृत विचार : इनरव्हील क्लब हल्द्वानी द्वारा शनिवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय बमोरी नगर में आई कैंप लगाया गया, जिसमें 45 बच्चों की आंखों की जांच की गई। यह जांच डॉ. विमलेश शर्मा द्वारा कराई गई। जांच के बाद आठ बच्चों को चश्मे दिए जाएंगे, जो इनरव्हील क्लब द्वारा बच्चों को दिए जाएंगे। कुछ बच्चों की मांसपेशियां कमजोर पाई गईं जिसके लिए डाक्टर द्वारा उन्हें आंखों का व्यायाम बताया गया। बच्चों को दवाइयां एवं आई ड्रॉप्स भी दी गईं। इस दौरान क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, सचिव निवेदिता पांडे, शशि खंडेलवाल, आशा दरम्वाल, रितु त्यागी, कल्पना बंसल, रेखा एवं राशि उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस के चुनाव को नामांकन 24 से

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

स्वराज आश्रम में प्रेस वार्ता करते युवा कांग्रेस के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : युवा कांग्रेस ने संगठनात्मक चुनाव की तिथियां घोषित कर दी हैं। चुनाव की प्रक्रिया ऑनलाइन संपन्न की जाएगी।

शनिवार को स्वराज आश्रम में हुई प्रेस वार्ता में जिला चुनाव प्रभारी भावेश प्रताप पाठक ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव पारदर्शी और लोकतांत्रिक ढंग से संपन्न कराए जाएंगे। संगठनात्मक चुनावों में ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर के पदाधिकारियों का चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस में सिर्फ 18 से 35 वर्ष के कार्यकर्ता इन चुनावों में हिस्सा ले सकते हैं। 6 अक्टूबर को सदस्यता अभियान, आठ से 14 तक प्रचार, 24 से 30 अक्टूबर तक सुबह नौ से शाम 5 बजे तक नामांकन होगा। 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आपत्तियों का निस्तारण होगा। प्रत्याशियों की अंतिम घोषणा 5 नवंबर को होगी।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

सतर्कता

नकली खाद्य पदार्थों तथा मिलावट खोरी रोकने को खाद्य सुरक्षा विभाग ने की बाहर से आने वाले वाहनों की चेकिंग

वाहनों की जांच में दो क्विंटल लावारिस मिठाई मिली

यातायात और सुरक्षा को लेकर दिए सुझाव

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बस की चेकिंग करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में आने वाले वाहनों की चेकिंग की। कई वाहनों से खाद्यों के नमूने लिए और जांच के लिए भेजे गए।

उपायुक्त डॉ. राजेन्द्र सिंह कठायत के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने शनिवार को कालाढूंगी के नयागांव टी प्वाइंट चेकपोस्ट पर वाहनों की चेकिंग की। वाहनों से खोया, पनीर, दूध आदि खाद्यों की जांच की गई। टीम ने संदेह पर खोया का एक, दूध के दो, पनीर का एक नमूना लिया जिन्हें जांच के लिए लैब में भेजा जा रहा है। इसके अलावा टीम ने वाहनों से लगभग दो क्विंटल लावारिस मिठाई मिली जिसे टीम ने जब्त कर लिया।

इधर, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय सिंह ने हल्द्वानी में 12 दुकानों का निरीक्षण किया और मिठाई-बताशा बनाने वाले कारखानों व गोदामों का निरीक्षण कर चार नमूने इकट्ठे किए। उन्होंने कारोबारियों से गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की बिक्री, बिना बिल के खरीद नहीं करने, स्टॉक का उचित विवरण रखने के निर्देश दिए।

बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी स्थिति में मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय नहीं होने दिया जाएगा और ऐसा करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिलमिश्रा, नंद किशोर रहे।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दीपावली को लेकर बाजारों में बढ़ती भीड़ और अराजकता की आशंका को देखते हुए प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी को ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से जनहित में सुझावों को अमल में लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का आग्रह किया है।

जिलाध्यक्ष कुंदन बिष्ट और जिला महामंत्री प्रज्ञान भारद्वाज ने दीपावली पर सड़कों पर अवैध ढंग से लगे फड़ व ठेले हटवाने, असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए जगह-जगह पुलिस तैनाती व चेकिंग, किसी अनहोनी की स्थिति में फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की पूर्व तैयारी करने की मांग की गई है। ज्ञापन भेजने वालों में सह-संयोजक देवेश अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र फर्स्वाण, प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, प्रदेश सचिव राकेश गुप्ता, गौरव अग्रवाल, ऋषभ पाठक, कुंदन रावत, धर्मेन्द्र बोस, राजीव शर्मा, अस्मित गुजराल, नुसरत सिद्दीकी, नितेश थुवाल, अमित जोशी आदि शामिल रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार,12 अक्टूबर 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

कनिष्का का बीएएमएस कोर्स के लिए चयन

खटीमा : राजीव गांधी नवोदय विद्यालय से अकादमिक सत्र 2023-24 में 12वीं की टॉपर छात्रा कनिष्का ठाकुर का चयन बीएएमएस कोर्स के लिए गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में हुआ है। प्रथम काउंसलिंग में ही इसी सप्ताह गुरुकुल में प्रवेश ले लिया है। कनिष्का की माता मालती ठाकुर और पिता नरेंद्र ठाकुर गदरपुर में रहते हैं। शिक्षक निर्मल कुमार न्योलिया के मार्गदर्शन में कनिष्का ने 11वीं से ही पाठ्य पुस्तकों, एक्जाम्पलर तथा दीक्षा पोर्टल को आधार बना कर परीक्षा की तैयारी शुरू की थी। कोविड के दौरान कनिष्का ने बाल विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रबंध भी प्रस्तुत किया था। वह स्वाध्याय के साथ साथ हॉस्टल के सहपाठियों से विज्ञान विषयों में चर्चा करती रही हैं। कनिष्का की इस उपलब्धि पर खंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप, प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडे सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

टुक टुक नाली में गिरा चालक की मौत

खटीमा : वार्ड नंबर 7 इस्लामनगर खटीमा निवासी जायद खां (48) पुत्र आबिद खां का टुक-टुक अचानक नाली में गिरने से लगी चोट के कारण उसकी मौत हो गई। वहीं नागरिक चिकित्सालय us डेथ मेमो के माध्यम से पुलिस को सूचित किया गया। वहीं सूचना पर उप निरीक्षक विजय बोरा नागरिक चिकित्सालय पहुंचे। जहां उन्होंने मृतक के परिजनों से जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि जायद खां काफी नशे की हालत में था। जो कंजाबाग प्राइमरी स्कूल के पास इस्लामनगर को जाने वाली सड़क पर टुकटुक से घर आ रहा था। इसी दौरान टुकटुक के अचानक नाली में गिरने के कारण जायद खां घायल हो गया। जिसको 108 के माध्यम से नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं शव का पंचायत नामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

ब्लाक स्तरीय कला उत्सव का आयोजन 13 को

बाजपुर : बाजपुर ब्लाक में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्लाक स्तरीय कला उत्सव का आयोजन 13 अक्टूबर को आदर्श कन्या इंटर कालेज बाजपुर में किया जाएगा। इस आयोजन में क्षेत्र के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र चौहान ने बताया कि विद्यालयों को चाहिए कि वे अधिक से अधिक छात्रों को इस उत्सव में प्रतिभाग कराएं। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रत्येक विद्यालय से प्रतिभाग हेतु रजिस्ट्रेशन शुल्क 300 रुपये निर्धारित किया गया है। चित्रकला, नृत्य, संगीत, नाटक, भाषण, और हस्तकला जैसी विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9532374039 8077909468

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, JC-676630L नायक सूबेदार/ एसकेटी गोपाल सिंह भदौरिया, वर्तमान निवासी ग्राम मुर्चा, डाकघर अर्जुनपुर, तहसील सवायजपुर, जिला हरदोई (उत्तर प्रदेश) हूँ, मैंने अपना नाम गोपाल सिंह भदुरिया से बदलकर गोपाल सिंह भदौरिया कर लिया है, क्योंकि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा गलत नाम दर्ज हो गया था। गोपाल सिंह भदुरिया और गोपाल सिंह भदौरिया दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अब से आगे सभी रिकॉर्ड, दस्तावेज, लेखन और लेन-देन, चाहे वे निजी हों या सरकारी, सभी में मुझे केवल गोपाल सिंह भदौरिया के नाम से जाना जाएगा।

सूचना

मेरा हाईस्कूल मुख्य/पूरक परीक्षा वर्ष 1992, अनुक्रमांक 0326821 की अंकतालिका प्रमाण पत्र एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 1994, अनुक्रमांक 150340 की अंकतालिका प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। जो कि काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिल पाये हैं। उक्त सूचना सही एवं सत्य है मैंने इन्हें न तो इन्हें किसी को दिया है औ न ही कहीं जमा किया है। उक्त परीक्षा मैंने संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में राजकीय इण्टर कॉलेज आठगाँवशिलिंग, पिथौरागढ़ से उत्तीर्ण की हैं। **इन्द्रा देवी पुत्री श्री राय सिंह, माता श्रीमती भागीरथी देवी, निवासी ग्राम मर्सोली, पोस्ट शिलिंग, तह. व जिला पिथौरागढ़।**

सूचना

मेरे सैन्य दस्तावेजों में त्रुटिवश मेरी पुत्री का नाम विशाखा कार्की के स्थान पर विशाखा और उसकी जन्मतिथि 20.08.2005 के स्थान पर 20.07.2003 दर्ज हो गयी है । जिसे सही किया जाय। **आर्मी संख्या 4192382A ओनरी नाईब सुबेदार शमशेर सिंह पुत्र श्री दीवान सिंह निवासी ग्राम कल्याणपुर पोस्ट सितारगंज तहसील सितारगंज जिला ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड।**

बालिकाओं को दी कानून की जानकारी

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर हेल्पलाइन पब्लिक स्कूल खटीमा में हुआ विधिक शिविर का आयोजन

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में आयोजित विधिक शिविर में बालिकाओं को जागरूक करतीं अधिवक्ता।

बाजपुर में छात्राओं को संबोधित करतीं प्रधानाचार्या डॉ. प्रीति रस्तोगी एवं मंचासीन अतिथि।

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ज्ञानेंद्र कुमार सागर के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर हेल्पलाइन पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य मोहन सिंह की अध्यक्षता में विधिक कैंप आयोजित किया गया। कैंप में बालिका दिवस पर लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों और भेदभाव के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान पीएलवी आरबी सिंह राणा, पैनल अधिवक्ता सहाना बेगम, कमान सिंह धामी, अब्दुल माजिद, पिंकी राणा, माया देवी आदि मौजूद रहे।

इधर राम स्वरूप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुड़ेली में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह पोखरिया की अध्यक्षता में आयोजित विधिक शिविर किया गया। डॉ. इलियास सिद्दीकी पैनल अधिवक्ता ने बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी के साथ ही बालिकाओं के हित में बने कानूनों की जानकारी दी। प्रभु दयाल द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीएलएसए बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। बताया कि डीएलएसए बालिकाओं को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। जैसे कि कानूनी परामर्श और अदालत में प्रतिनिधित्व। डीएलएसए सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों का आयोजन करके बालिकाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता फैला रहा है। डीएलएसए बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शिविर में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह पोखरिया, प्रभु दयाल, मंजू बिष्ट, ठगो देवी, भगवती देवी आदि मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर निशुल्क चिकित्सा शिविर

खटीमा : अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शुक्रवार को फकीर चंद पोखरिया सरकारी विद्यालय चकरपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलजा पांडे के नेतृत्व में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ ही बच्चों को साफ सफाई, बालिकाओं को पोषण आहार व एनीमिया टोमेटो फ्लू के लक्षण के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर आरकेएसके काउंसलर विजेता पांडे, फार्मासिस्ट अनीता, प्रधानाचार्य शरीफ अली, रघु सिंह, प्रीति कापड़ी, जयवर्धन आदि उपस्थित रहे।

बाजपुर में भी लगा चिकित्सा शिविर, दिया परामर्श

बाजपुर : अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आदर्श कन्या इंटर कालेज में शनिवार को जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के तत्वावधान में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रीति रस्तोगी ने की। इस मौके पर पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निशुल्क विधिक सेवाओं एवं नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी दी। प्रधानाचार्या डॉ. प्रीति रस्तोगी ने छात्राओं को शिक्षा और खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए इंटरनेट मीडिया के दुरुपयोग से बचने की सलाह दी। वहीं डॉ. आकांक्षा चौहान ने छात्राओं को गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय बताए, जबकि डॉ. अशोक सिंह तोमर ने बालिकाओं को संतुलित आहार व बाहरी खानपान से बचने की जानकारी दी। कार्यक्रम में डलविंदर कौर, श्वेता शर्मा, रश्मि यादव, रेखा आदि मौजूद रहीं।

दबंगों ने बस चालक को पीटकर किया अधमरा

- चालक के मुंह में तमंचा ठूंसकर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: रुद्रपुर-किच्छा मार्ग पर ओवरटेक करने के दौरान बस से कार पर खरोंच लगने की मामूली बात पर कार सवार दबंगों ने बस चालक को अवैध तमंचे के बल पर लाठी डंडों से पीटकर अधमरा कर दिया। मामले की सूचना पर पहुंचे दोनों बस स्वामियों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की गई। आरोपियों ने बस चालक के मुंह में तमंचा डालकर कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना में बस चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में धामपुर, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश तथा वर्तमान में रिलायंस कॉलोनी, रुद्रपुर निवासी पीयूष शर्मा पुत्र धर्मेश शर्मा ने बताया कि वह बस पर बतौर चालक नौकरी करता है। पीड़ित के अनुसार विगत 5 अक्टूबर की रात्रि करीब 10 बजे वह बस लेकर किच्छा से रुद्रपुर की तरफ जा रहा था।

इसी दौरान बिना नंबर प्लेट लगी काले रंग की कार के चालक ने बस के पीछे से तेज गति व लापरवाही से ओवरटेक किया। कार चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने के चलते उसकी कार मामूली रूप से खरोच लगाती हुई गुजर गई।

पीड़ित पीयूष शर्मा ने बताया कि घटना के बाद बिना नंबर प्लेट काले रंग की कार पर सवार लालपुर निवासी अंकित तिवारी, शिमला पिस्तौर निवासी दिवाकर भारद्वाज, अंकित ठाकुर, बंटी ठाकुर, सिद्धार्थ सिंह आदि धारदार हथियार तथा अवैध तमंचे लेकर कार से उतरे और बस के अंदर घुसकर उसके साथ गाली गलौच कर मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित के मुंह में तमंचा डालकर बस मालिक को बुलाने की मांग की। बताया कि पीड़ित ने बस स्वामी वसुंधरा कॉलोनी, लालपुर निवासी मयंक अरोड़ा एवं किच्छा निवासी गर्वित अरोड़ा को फोन पर सूचना दी। बताया कि कुछ देर बाद मयंक अरोरा व गर्वित अरोड़ा के मौके पर पहुंचने पर आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना में घायलों का गंभीर अवस्था में इलाज जारी है।

विधायक अरोरा ने किया महतोष मानुनगर सड़क का शिलान्यास

- चार किलोमीटर की लागत है 11 करोड़-सांसद व विधायक ने किया शिलान्यास

संवाददाता, रुद्रपुर

फीता काटकर सड़क का शिलान्यास करते विधायक शिव अरोरा व अन्य।

अमृत विचार: आखिरकार अब महतोष से मानू नगर पसियापुर को जाने वाली मुख्य सड़क का जीर्णोद्धार होने के बाद लोगों को राहत मिलने जा रहे है, क्योकि जल्द ही करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ विधायक शिव अरोरा ने किया ।

शनिवार की शाम को विधायक शिव अरोरा अपनी टीम के साथ महतोष पहुंचे। जहां उन्होंने 11 करोड़ की लागत से बनने वाली महतोष-मानु नगर पसियापुर की सड़क का शिलान्यास किया और पूजा अर्चना के बाद विकास कार्य को प्रारंभ कराया । सांसद अजय भट्ट ने टेलीफोन के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पिछले लंबे अर्से से महतोष-मानुनगर पसियापुर की चार किलोमीटर सड़क बनाने का मुद्दा उठ रहा था, क्योंकि जर्जर हालत होने के कारण आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। बताया कि सीआईआर निधि से सड़क का निर्माण होगा। सड़क बनाने के लिए विधायक शिव अरोरा ने भी अहम भूमिका निभाई।

सपनों की उड़ान कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में राकंपूमावि चकरपुर में शनिवार को सपनों की उड़ान प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथि।

अमृत विचार: राजकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय चकरपुर में शनिवार को ब्लाक स्तरीय सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बीआरसी समन्वयक पंकज रस्तोगी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

प्राथमिक वर्ग में आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। नींबू दौड़ में पटौटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोकनृत्य में बहादुरगंज प्रथम रहा। रैंप वाक में चकरपुर अव्वल रहा। टीएलएम प्रदर्शनी में जोगीपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोकगायन में हरिपुरा विजेता रहा। नुक्कड़ नाटक में रामनगर की टीम ने बाजी मारी। उत्कृष्ट एसएमसी का खिताब बाजपुर-प्रथम ने जीता। उच्च प्राथमिक वर्ग में रम्पुरा शाकर का दबदबा रहा। उच्च प्राथमिक स्तर पर कुर्सी दौड़ में खंबारी प्रथम रही। लोकनृत्य और रैंप वाक रम्पुरा शाकर ने प्रथम स्थान हासिल किया। लोकगायन तथा नुक्कड़ नाटक में चकरपुर की टीम प्रथम रही। टीएलएम विज्ञान प्रदर्शनी में रम्पुरा शाकर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट एसएमसी श्रेणी में चकरपुर प्रथम रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रभुदयाल मंमगई ने किया। इस मौके पर सीआरसी समन्वयक राजेंद्र सक्सेना, नवनियुक्त बीआरपी आरती रावत, सीआरपी चकरपुर शिवानी यादव तथा सीआरपी सरकड़ी विजेंद्र कुमार, वीरेंद्र कंबोज, पवन राणा, दीपक शर्मा, जीवन सिंह बिष्ट, दिनेश कुमार, दिनेश नेगी, मोहम्मद अहमद, संजीव गुप्ता, भरत रावत, मोहम्मद यमीन, राजेश चंद्रवंशी, रमेश कुमार, हरिशंकर, शिवांकित लोचक, सुंदर आर्या, नीरज मेहरा, कमल नारायण, जलीश सिद्दकी, धर्मेंद्र कुमार, अशोक आदि रहे।

श्री सुखमनी सेवा समिति ने कराया सुखमनी का पाठ

- शबद कीर्तन और गुरु का अटूट लंगर चला
- लंगर में बड़ी संख्या में संगत ने प्रसाद ग्रहण किया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: श्री सुखमनी सेवा सोसायटी हल्द्वानी के तत्वावधान में गुरु नानक सत्संग सभा में पहली बार सुखमनी साहिब के पाठ का आयोजन किया गया। श्री सतगुरु रामदास के प्रकाश पर्व को समर्पित कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू हुआ।

कार्यक्रम में समिति के संत समाज द्वारा श्री सुखमनी साहिब का पाठ, शब्द, कीर्तन एवं कथा विचार किया गया। गुरुद्वारे के प्रधान हरभजन सिंह खिंडा, मंत्री जगजीत सिंह मल्ली, कोषाध्यक्ष रमनदीप सिंह शेट्टी की देखरेख में गुरुद्वारे में श्री सुखमनी पाठ संपन्न हुआ। शबद, कीर्तन, अरदास तथा प्रसाद वितरण के साथ ही गुरु का अटूट लंगर चला। जिसमें सैंकड़ों की संगत ने प्रसाद चखा। गुरुद्वारा प्रधान खिंडा सचिव मल्ली एवं कोषाध्यक्ष शेट्टी ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में अंगपाल सिंह चड्ढा, सुरेंद्र सिंह गुजराल, इकबाल सिंह नरूला, रविंद्र पाल सिंह साहनी, प्रीतपाल सिंह, आनंद सिंह, जसपाल सिंह, रणजीत सिंह, रघुवीर सिंह मल्ली, उपेंद्र सिंह खिंडा, डॉ बलजीत सिंह, रेशम सिंह खिंडा, हरदीप सिंह, राम सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में मेले की तैयारियां शुरू

नानकमत्ता: गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में लगने वाले दीपावली मेले की तैयारियां जोरों पर है। कमेटी ने बाहर के प्रांतों से आने वाले दुकानदारों का पंजीकरण शुरू कर दिया है।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जोगिंद्र सिंह ने बताया कि दीपावली बन्दी छोड़ दिवस के मौके पर गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में हर वर्ष लगने वाला दीपावली मेले का भव्य स्वरूप में आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार 20 अक्टूबर से मेला प्रारम्भ होगा। मेले में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित अनेकों प्रान्तों से अनेकों समुदाय के हजारों श्रद्धालु गुरुद्वारा श्री हरमंदिर साहिब में पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की रहने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पूरी तैयारी कर ली है।

मनोनीत पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

संवाददाता, सितारगंज

सितारगंज में बैठक को संबोधित करतीं प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज में शनिवार को छात्र संघ चुनाव 2025-26 के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व मनोनीत कार्यकारिणी सदस्यों के साथ महाविद्यालय प्रशासन की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य छूटे हुए मनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाना और प्रशासन व छात्र संघ के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना था। इस दौरान छात्र संघ प्रभारी डॉ. विमला सिंह ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्र संघ और प्रशासन के सामूहिक प्रयासों से ही महाविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है। वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. जगदीपक जोशी ने पदाधिकारियों से पक्षपात रहित और संगठित होकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्र संगठन महज विरोध का मंच नहीं, बल्कि रचनात्मक भागीदारी का माध्यम होना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रो. रेनू रानी बंसल ने सभी छूटे हुए मनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें बधाई दी। कहा कि छात्र हितों को सर्वोपरि रखते हुए अनुशासन और एकजुटता के साथ कार्य करना ही सफलता का मूलमंत्र है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने महाविद्यालय की प्रमुख समस्याओं पुस्तकालय विस्तार, परिसर की स्वच्छता, लैब संसाधनों की कमी और छात्र सुविधाओं के सुधार पर चर्चा की। प्रशासन ने सभी मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। गौरव फर्त्याल, कुसुम आर्या, मनीषा कुमारी, मनोज, चरनजीत सिंह, अजीत कुमार यादव, नेहा राणा, नंदनी हालदार, शीला कुमारी रहे।

वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र बिष्ट को पितृ शोक

रुद्रपुर: अमृत विचार के रुद्रपुर ब्यूरो प्रभारी वीरेंद्र बिष्ट के पिता 86 वर्षीय कृष्ण सिंह बिष्ट का निधन हो गया। वह इन दिनों लखनऊ में अपनी पत्नी व छोटे बेटे के साथ रहते थे। पुलिस विभाग से रेडियो स्टेशन अधिकारी के पद से सेवानिवृत कृष्ण सिंह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। शुक्रवार की देर रात उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पत्रकार जगत में शोक की लहर है। क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने लखनऊ स्थित उनके घर जाकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। ऊधमसिंह नगर जनपद के तमाम पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने भी शोक जताया है।

कृष्ण सिंह बिष्ट।

कार्यक्रम | कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने वाइब्रेंट विलेज विकसित भारत के तहत गांवों का किया भ्रमण

सिटी कॉन्वेंट में 8 दिवसीय एनसीसी डे कैंप का समापन

- अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

संवाददाता, खटीमा

खटीमा के सिटी कान्वेंट स्कूल में आठ दिवसीय एनसीसी कैंप के समापन अवसर पर कैडेट्स और अधिकारी और प्रबंधन।

अमृत विचार: 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी के तत्वावधान में सिटी कॉन्वेंट स्कूल में आठ दिवसीय वाइब्रेंट विलेज विकसित भारत डे कैंप का समापन कमान अधिकारी कर्नल पुनीत लेहल और एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिलाषा जोशी ने किया। एनसीसी के डे कैंप में 80 कैडेट्स ने प्रतिदिन गोद लिए गए गांवों में जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

कैडेट्स ने समाज सेवा से संबंधित जागरूकता अभियान चलाए धित जागरुकता अभियान चलाए। जिसमें आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता, रक्त दान, आपदा प्रबंधन तथा पुनीत सागर अभियान शामिल रहें। कैंप की मेजबानी सिटी कॉन्वेंट स्कूल द्वारा की गई जबकि संचालन लेफ्टिनेंट प्रकाश सिंह बिष्ट के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट देव भट्ट, थर्ड ऑफिसर नीता उपाध्याय, सूबेदार मेजर झब्बर सिंह, नायब सूबेदार बालम सिंह, देवेंद्र, विक्रम, गोकुलानंद तथा हरीश चंद की सक्रिय भागीदारी रही। कर्नल लेहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। यह कैंप उन्हें न केवल नेतृत्व व सेवा भाव सिखाएगा, बल्कि ग्रामीणों को जागरूक कर विकसित भारत के लक्ष्य की ओर भी अग्रसर करेगा। कार्यक्रम की समाप्ति पर संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय, प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना ने सभी अधिकारियों को स्मृति चिह्न तथा पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

खटीमा में मिठाई खिलाकर करवा चौथ का व्रत खुलवाता पति। ● अमृत विचार

हर्षोल्लास से मनाया गया करवा चौथ का पर्व

खटीमा : पति के दीर्घायु की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला करवा चौथ का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। शुक्रवार को सुहागिन महिलाएं सज-धजकर पहले तो चांद दिखने की बाट जोहती रही और जैसे ही देर रात चांद नजर आया पारंपरिक रीति रिवाजों साथ विधिवत पूजा अर्चना कर करवा चौथ के पर्व को मनाया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने चांद के दीदार के साथ ही पति का चेहरा देखा और पति ने जल पिलाकर व मिष्ठान खिलाकर पत्नियों का व्रत खुलवाया।

ब्रीफ न्यूज

गोली मारकर घायल करने के दो आरोपी दबोचे

नानकमत्ता : नानकसागर बांध में लकड़ी लेने गये युवक को गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल करने के दो आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया गत दिवस थाना क्षेत्र के बरकी डांडी निवासी संदीप सिंह नानकसागर बांध से लकड़ी लेने गया था। उसे दो आरोपी चन्दन कुमार पुत्र काशीनाथ तथा सरवन कुमार पुत्र मोहन निवासी डोराडाम, अजीमाबाद थाना किच्छा को घटना में प्रयुक्त 12 बोर के अवैध तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

सामान लेने गई किशोरी लापता, रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : घर से सामान लेने गई एक 12 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। दादी की तहरीर पर पुलिस ने किशोरी की रिपोर्ट दर्ज की है। बांसफोड़ान चौकी क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 10 अक्टूबर 2025 को उसकी 12 वर्षीय पोती घर के पास से सामान लेने गई थी, जो वापस नहीं लौटी। हर संभव जगह तलाश करने पर भी उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

मारपीट के आरोप में मामला दर्ज

खटीमा : झनकट निवासी ताक्षी अधिकारी ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि वह पशुओं की सेवा करती है। कहा है कि वह और उसका भाई योगेश 9 अक्टूबर की रात्रि करीब 10 बजे दो कुत्ते के बच्चों को डॉग सैलटर अमाऊं में पहुंचाने गई थी। उसी समय बाहर मनोज सिंह बसेड़ा निवासी तिगरी चकरपुर गायों के झुंड को मार कर भगा रहा था। रोकने पर वह गाली गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी दी। यह भी कहा है कि जब वह कोतवाली आए तो वह वहां भी आ गया और उसके भाई के साथ मारपीट की। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

चोरों ने दो बाइकें उड़ाईं

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत ग्राम राघव नगर निवासी महेश यादव पुत्र स्व. राजनारायण यादव ने बताया कि 1 अक्टूबर की सुबह उसने अपनी बाइक आनंदपुर मोड़ पर बाइक सर्विस की दुकान के सामने खड़ी की थी। शाम को जब वह ड्यूटी लौटा तो उसकी बाइक गायब थी। वहीं दूसरी घटना में ग्राम गिद्धपुरी, थाना किच्छा निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र श्याम लाल ने बताया कि 2 अक्टूबर की शाम वह दशहरा मेला देखने किच्छा आया था। इस दौरान उसने नई मंडी गेट के सामने लॉक लगाकर बाइक खड़ी कर वह मेला देखने चला गया। करीब एक घंटे बाद जब वह लौटा तो बाइक गायब थी। पुलिस ने पीड़ित बाइक स्वामियों की शिकायत पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

फ्रॉड: उच्च शिक्षा वीजा के नाम पर हड़पे दस लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक बार फिर दो युवक कबूतरबाजों के जाल में फंस गए और दस लाख रुपये की रकम को गवां बैठे। आरोप था कि कबूतरबाज ने उच्च शिक्षा वीजा के नाम पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव पिपलिया थाना सितारगंज निवासी गुरप्रीत सिंह और मनवीर सिंह ने बताया कि वह इंग्लैंड जाकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई करना चाहते थे और इसके लिए गांव चिचौली राजपुरा, मिलक, रामपुर यूपी निवासी गुरमुख सिंह से संपर्क किया। जो कि आवास विकास स्थित कार्यालय में बैठता है। बताया कि अभियुक्त ने अपने

- कबूतरबाज के जाल में फंसे दो युवक, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

सहायक पवनदीप सिंह से बातचीत की और 17.80 लाख रुपये का खर्च बताया। चार अक्टूबर 2023 तक 15 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया। जब वीजा नहीं बना और पैसा वापस मांगा का दबाव बनाया। तो अभियुक्त ने फर्जी चेक थमा दिया और अभियुक्त की पत्नी सिमरनजीत कौर ने वास्तविक दस्तावेज भी नहीं दिए। दबाव बनाने पर कुछ धनराशि वापस भी की लेकिन अभी भी दस लाख की धनराशि बकाया है। ज्यादा तगादा करने पर धमकी व अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किच्छा में चोरी की सात बाइकों के साथ दो गिरफ्तार

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मिली सफलता, किच्छा, बहेड़ी व रुद्रपुर में देते थे घटना को अंजाम

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने नगर क्षेत्र में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को सात चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के दो अन्य साथी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। हाल के दिनों में किच्छा क्षेत्र में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी के दिशा-निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया।

टीम ने चोरी की घटनाओं से जुड़े स्थानों के आसपास लगे करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, साथ ही घटनास्थलों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए भौतिक साक्ष्य एकत्र किए। गहन जांच-पड़ताल के बाद पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम राघव नगर निवासी एक पीड़ित की बाइक बरामद करने की दिशा में सुराग मिला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना पंतनगर निवासी 22 वर्षीय सुरेश उरांव तथा झा कॉलोनी, थाना पंतनगर निवासी अजय कुमार साहनी को एक चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे किच्छा, भोजीपुरा, बहेड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों में बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने छह अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल दो अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश सरगर्मी से की जा रही है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

किच्छा पुलिस की गिरफ्त में आरोपी और बरामद की गई चोरी की मोटरसाइकिलें।

पुलिस टीम रही सक्रिय

बाइक चोरी की घटनाओं का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, दरऊ चौकी प्रभारी हेमचंद तिवारी, लालपुर चौकी प्रभारी बसंत कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक महेश चंद, पुलिसकर्मी कुलदीप आर्य, दीपक बोरा, ब्रजमोहन सिंह और मदन नाथ शामिल रहे।

नशे की लत और शौक पूरा करने के लिए बने बाइक चोर

किच्छा : पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी नशे की लत और अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। 20 से 22 वर्ष की आयु वाले इन युवकों ने चोरी की गई बाइकें औने-पौने दामों में बेचकर नशे के लिए पैसे जुटाए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं और कुछ अन्य संदिग्धों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस ने इनकी गोपनीय जांच शुरू कर दी है और संभावना है कि जल्द ही अन्य आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

धान की प्रजाति 26 को नहीं तौलने से आक्रोशित किसानों का प्रदर्शन

किसानों ने धान में आग लगाकर जताया विरोध, कहा-किसानों के साथ हो रही नाइंसाफी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: क्रय केंद्रों पर धान की प्रजाति 26 को नहीं तौलने से आक्रोशित किसान अनाज मंडी समिति परिसर में संचालित एसएमआई के क्रय केंद्र पर जमकर हंगामा किया। आक्रोशित किसानों ने धान में आग लगाकर विरोध जताया। मामले की जानकारी के बाद पहुंची आरएफसी प्रभारी लता मिश्रा एवं व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग से घंटों वार्ता के बाद तय हुआ कि कच्चा आढ़ती चार किलो प्रति क्विंटल की कटौती पर किसानों से इस किस्म का धान खरीदेंगे और 10 से 15 दिन में भुगतान किया जाएगा।

क्रय केंद्रों पर 26 किस्म के धान की खरीद पर प्रतिबंध लगा होने से इस प्रजाति की उपज को किसान बेच नहीं पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। वहीं शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा की अगुवाई में बड़ी संख्या में किसान कृषि उत्पादन मंडी समिति परिसर में स्थापित एसएमआई के धान क्रय पर पहुंचे और वहां ट्राली में भरे खड़े 26 प्रजाति के धान की तौल करने की मांग करने लगे। लेकिन मार्केटिंग इंस्पेक्टर बलवंत नाथ एवं केंद्र प्रभारी ने उच्चाधिकारियों के दिशा-निर्देशों के बाद ही धान की तौल कर पाने की बात कही। इसी बीच मौके पर पहुंचे व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग ने किसानों से हुई वार्ता के दौरान कहा कि चार किलो प्रति क्विंटल की कटौती का जो नियम काशीपुर में लागू हुआ है, उसी के हिसाब से बाजपुर के कच्चा आढ़ती 26 किस्म के धान को लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन जब इस संबंध में किसानों ने उच्चाधिकारियों से फोन पर वार्ता की तो उन्होंने इस प्रजाति के धान को खरीद पाने में असमर्थता जता दी, जिससे किसान आक्रोशित हो उठे और उन्होंने नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इतना ही नहीं किसानों ने अपना धान जलाकर आक्रोश व्यक्त किया।

उनका कहना था कि जब कच्चा आढ़ती निर्धारित कटौती पर इस किस्म का धान लेने के लिए तैयार है तो अधिकारियों को क्या दिक्कत है। उन्होंने इसे किसानों के साथ नाइंसाफी व उत्पीड़न करार दिया। वहीं किसानों के हंगामे की जानकारी मिलने पर दोपहर बाद करीब तीन बजे आरएफसी प्रभारी लता मिश्रा भी बाजपुर पहुंच गईं और काफी देर तक किसानों से वार्ता कर तय किया गया कि सूखा धान चार किलो की कटौती पर खरीदा जाएगा, यदि धान निर्धारित माउश्चर से अधिक का पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार अतिरिक्त कटौती की जाएगी। भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा ने बताया कि आरएफसी प्रभारी लता मिश्रा से वार्ता में यह तय किया गया है कि कच्चा आढ़ती इस प्रजाति की उपज को चार किलो प्रति क्विंटल की कटौती पर खरीदंगे, जिसमें 10 से 15 दिन के अंदर किसान को भुगतान किया जाएगा। पड्डा ने अतिरिक्त कटौती से बचने के लिए किसानों से अपना धान सुखाकर ही ले जाने की बात कही है। इस मौके पर भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह रंधावा, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा, प्रताप सिंह संधू, हरप्रीत सिंह निज्जर, विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नवदीप सिंह कंग, उपकार सिंह, राजेंद्र सिंह गिल, समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बाजपुर अनाज मंडी में 26 प्रजाति के धान को जलाकर आक्रोश व्यक्त करते किसान।

चोरों ने हजारों की नगदी व लाखों के जेवर चुराए

किच्छा: गृह स्वामी की गैर मौजूदगी में अज्ञात चोरों ने कोतवाली अंतर्गत वार्ड में घर के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया।

नगर के वार्ड नंबर 4, निकट गन्ना समिति, किच्छा निवासी नीरजा चौधरी पुत्री यशपाल सिंह चौधरी ने बताया कि विगत 4 अक्टूबर की सुबह वह काशीपुर स्थित दूसरे आवास पर चली गई थी। बताया कि 8 अक्टूबर को जब वह काशीपुर से किच्छा आई तो सीधे विद्यालय चली गई और ड्यूटी करने के पश्चात जब वह वार्ड चार स्थित आवास पर पहुंची तो मुख्य द्वार पर ताला लगा हुआ था जबकि घर के अंदर सभी ताले टूटे हुए थे। बताया कि घर के निकट पड़ोसी शर्मा जी के घर में निर्माण कार्य चल रहा है तथा इस निर्माण कार्य में कार्यरत राजमिस्त्री का सामान हथोड़ा, सरिया, छैनी सहित अन्य सामान पीड़िता के घर में पड़ा हुआ था, जिसे राजमिस्त्री द्वारा पहचान कर अपना सामान बताया गया है। पीड़िता के अनुसार अज्ञात चोरों ने घर में रखी 65 हजार रुपए की नगदी सहित चांदी की तगड़ी, चांदी का गुच्छा, करीब 500 ग्राम वजन की चांदी की बॉल, चांदी का लॉकेट, सोने के दो जोड़ी कुंडल एवं कान की बाली, दो जोड़ी चांदी की पायल आदि सामान चुरा लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

हादसे में घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना क्षेत्र में पत्नी एवं दो बच्चों के साथ सड़क किनारे खड़े परिवार को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। घटना में युवक सहित उसकी पत्नी एवं दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में घायल चारों लोगों को इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां हल्द्वानी में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। जबकि घटना में घायल महिला एवं दो बच्चों का गंभीर अवस्था में इलाज जारी है। घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी है।

ग्राम मनकरी, थाना फतेहगंज पश्चिमी, जिला बरेली निवासी परमेश्वरी लाल पुत्र ताराचंद ने बताया उसका भाई हरिओम विगत 5 अक्टूबर को पूर्णागिरि धाम जाने के लिए अपनी पत्नी सुनीता एवं दो बच्चे शिवम व गुड़िया के साथ बाइक पर घर से निकला था। बताया कि पुलभट्टा थाना क्षेत्र में बाइक को राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क किनारे खड़ा करने के बाद भाई हरिओम अपनी पत्नी एवं दोनों बच्चों के साथ सड़क किनारे किसी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान सितारगंज की तरफ से आ रही कार के चालक ने उसके भाई के परिवार को टक्कर मार दी। घटना में हरिओम, पत्नी सुनीता एवं दोनों बच्चे शिवम व गुड़िया गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सकों ने गंभीर हालत में हरिओम को हल्द्वानी रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुनीता, शिवम एवं गुड़िया का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है।

सड़क हादसों में चार लोग घायल

बाजपुर : सड़क हादसों में चार लोग घायल हो गए। ग्राम लखीमपुर खीरी निवासी महेश पुत्र सोहन एवं उनकी पत्नी शीतला देवी ई-रिक्शा में जा रहे थे। इसी बीच रेलवे क्रासिंग रोड मंडी गेट के निकट कार सवार ने ई-रिक्शा को चपेट में ले लिया जिसमें पति-पत्नी घायल हो गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया है। इसी प्रकार रामराज रोड पर बाइक में पैर आ जाने के कारण वार्ड-9 मझरा बक्श निवासी हमजा पुत्र सलमान घायल हो गया जिसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा एक अन्य सड़क हादसे में ग्राम महेशपुरा निवासी सुनील पुत्र शिवचरन घायल हो गया।

रिहाई: तरसेम हत्याकांड की साजिश के आरोपी बाबा अनूप को मिली जमानत

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार: नानकमत्ता गुरुद्वारा के कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड में साजिश के आरोप में घिरे बाबा अनूप सिंह जमानत पर रिहा हो गए और दो दिन पहले हुई रिहाई के बाद रुद्रपुर पहुंचने पर बाबा का समर्थकों ने स्वागत भी किया।

बताते चले कि 28 मार्च 2024 को नानकमत्ता साहिब के डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की सुबह सवा छह बजे उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिस वक्त वह बाहर बैठे हुए थे। सनसनीखेज हत्याकांड में बाइक

- दो दिन पहले हुई रिहाई, रुद्रपुर में हुआ स्वागत
- 28 मार्च 2024 को हुई थी बाबा तरसेम की हत्या

सवार तरनतारन पंजाब निवासी अमरजीत सिंह और सर्वजीत सिंह का नाम सामने आया। मामले में दर्जनों अभियुक्तों की गिरफ्तारियां भी हुईं। हत्याकांड के शूटर अमरजीत व सर्वजीत की लंबी फरारी के बाद पुलिस ने दो लाख का इनाम घोषित कर दिया और अप्रैल 2024 को एसटीएफ ने शूटर अमरजीत सिंह को हरिद्वार पुलिस की मदद से मार गिराया, जबकि दूसरे शूटर को कई दिनों बाद गिरफ्तार किया गया। हत्याकांड में नवाबगंज यूपी गुरुद्वारे के डेरा प्रमुख बाबा अनूप सिंह का नाम भी सामने आया, क्योंकि बाबा तरसेम सिंह और बाबा अनूप के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी और पुलिस ने बाबा अनूप सिंह को 27 मार्च 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामला हाईकोर्ट पहुंचा। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही बाबा अनूप को जमानत पर रिहा कर दिया गया। शनिवार को रुद्रपुर आने पर दशमेश चौक पर बाबा अनूप का समर्थकों ने स्वागत किया। जो कि चर्चा का विषय बना हुआ है।

काशीपुर में बाइक में लगी आग, मची अफरातफरी

काशीपुर: एक बाइक में अचानक आग लग गई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन टीम ने आग को बुझाया। शुक्रवार रात फायर स्टेशन को सूचना मिली कि प्राइम हॉस्पिटल के पीछे एक दुकान के बाहर एक बाइक में आग लगी है। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आग को पूर्ण रूप से बुझाया। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि जब टीम पहुंची तो वहां लोगों की भीड़ लगी हुई थी, लेकिन बाइक स्वामी वहां मौजूद नहीं था। प्रतीत हो रहा था कि किसी ने आपसी मतभेद के कारण बाइक पर जानबूझ कर आग लगाई थी। आग से कोई जनहानि नहीं हुई। टीम में चालक दीपक राठौर, महिला फायरमैन नमिता व भावना रहे।

फरार चल रहे कचूरा के घर नोटिस चस्पा

- खुद को बताता है लॉरेंस का शार्प शूटर, पुलिस ने ढोल-नगाड़े बजाकर इलाके में की मुनादी

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार: 24 सितंबर को नैनीताल-रामपुर हाईवे पर दिनदहाड़े छात्र संघ चुनाव प्रक्रिया में हुई गोलीबारी की वारदात के बाद कोतवाली पुलिस ताबड़तोड़ धरपकड़ की कार्रवाई कर रही है। वहीं कुर्की का आदेश मिलने के बाद पुलिस ने फरार अभियुक्तों पर भी अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है और खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का शार्प शूटर बता कर रौब गांठने वाले फरार अभियुक्त के घर भी नोटिस चस्पा कर मुनादी कर दी गई है।

अभियुक्त कचूरा के घर नोटिस चस्पा करती पुलिस। ● अमृत विचार

बताते चलें कि 24 सितंबर को छात्र संघ नामांकन के दौरान छात्र संघ अध्यक्ष नागेंद्र व रजत गुटों में गोलीबारी की घटना हुई थी और कोतवाली पुलिस ने तत्काल 15 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा भी पंजीकृत कर लिया था। जहां नामजद गगन रतनपुरिया मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हो गया था। वहीं शुक्रवार को कुर्की की कार्रवाई से भयभीत भदईपुरा के निर्दलीय पार्षद जॉनी भाटिया ने कोतवाली जाकर विवेचना अधिकारी होशियार सिंह के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। गोलीकांड में अभी भी छह अभियुक्त फरार चल रहे है। शनिवार को जांच अधिकारी होशियार सिंह पुलिस बल के साथ नामजद फरार जस्सी कचूरा के गांव अर्जुनपुर पहुंचे और घर पर 82 का नोटिस चस्पा करते हुए नगाड़े बजाकर मुनादी भी किया। हिदायत दी कि यदि निर्धारित समय में अभियुक्त ने सरेंडर नहीं किया तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि अभियुक्त कचूरा खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का शार्प शूटर बता कर इलाके में रौब दिखाता है और जाफरपुर में हुई भीषण गोलीबारी का अभियुक्त भी रहा है। पुलिस ने अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी खंगालना शुरू कर दिया है।

मनमानी

प्रशासन की नाक तले धड़ल्ले से काटी जा रही हैं अवैध कालोनियां

कृषि एवं पट्टे की जमीनों पर भू-माफियाओं की नजर

मुकेश कुमार, शक्तिफार्म

अमृत विचार: शक्तिफार्म क्षेत्र में स्थित पट्टे की कृषि भूमि पर अब भू माफियाओं की नजर पड़ चुकी है। प्रशासन के नाक तले क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनी काटे जाने का धंधा चरम पर है।

60 के दशक में शक्तिफार्म क्षेत्र की बसावत हुई। पूरा क्षेत्र लगभग कृषि पर ही निर्भर है। अधिकांश लोगों के पास पट्टे की भूमि है। वर्ष 2012 में औद्योगिक अस्थान सिडकुल फेज-टू की घोषणा की गई। संपूर्णानंद शिविर खुली जेल की 1700 एकड़ में भूमि पर उद्योग स्थापित किया गया। जब से सिडकुल की स्थापना हुई, तभी से शक्तिफार्म क्षेत्र के कृषि एवं पट्टे की भूमि पर भूमाफियाओं की नजर पड़ना शुरू हो गया। पहले तो गुपचुप तरीके से पट्टे की कृषि भूमि पर, अवैध रूप से कालोनियां काटी जा रही थी, परंतु विगत कुछ वर्षों से क्षेत्र में प्रशासन के नाक तले जमकर कालोनियां काटी जा रही हैं जो कि पूर्ण रूप से अवैध है। यह कालोनियां न तो रेरा अप्रूवल है और न ही अधिकांश भूमि को अकृषि में परिवर्तित किया गया है, और न ही इन कॉलोनियो में कोई मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि भूमि पर कॉलोनी विकसित करना पूरी तरह से अवैध है, बावजूद भी यहां खेल खुलेआम जारी है।

क्षेत्र में जगह-जगह काटी जा रही है पट्टे एवं कृषि भूमि पर कॉलोनी। ● अमृत विचार

कई गांव में अवैध कॉलोनियों की भरमार

शक्तिफार्म : कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी काटे जाने का खेल, सबसे ज्यादा नगर पंचायत क्षेत्र के आसपास, सुरेंद्रनगर, टैगोर नगर, रुदपुर, देवनगर, बैकुंठपुर, गोविंद नगर, कुशमौठ, सिडकुल मार्ग पर किया जा रहा है। बावजूद भी इन अवैध कॉलोनी पर आज तक प्रशासन की नजर तक नहीं पड़ी।

दिखाया जाता है सब्जबाग

शक्तिफार्म : कृषि भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले भूमाफिया प्लॉट बेचते समय तमाम सब्जबाग दिखाते हैं। कॉलोनी में नाला, सड़क निर्माण के साथ-साथ विद्युत लाइन बिछाए जाने का वादा किया जाता है। परंतु प्लॉट बिक्री के पश्चात भू-माफिया कॉलोनी के तरफ पलट कर देखते भी नहीं। ऐसे में प्लॉट खरीदने बालों के समक्ष जल निकासी, विद्युत लाइन, सड़क आदि जैसे मूलभूत सुविधाओं की समस्या खड़ी हो जाती है।

बोले तहसीलदार कराएंगे सर्वे

शक्तिफार्म : तहसीलदार हिमांशु जोशी ने कहा कि पट्टे एवं कृषि भूमि पर कॉलोनी काटना गैरकानूनी है, सितारगंज क्षेत्र में कई अवैध कॉलोनियों को चिह्नित किया गया है। शक्तिफार्म क्षेत्र में भी शीघ्र सर्वे कराया जाएगा। पट्टे एवं कृषि भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई होगी।

मां-बेटे पर हमला कर किया घायल

काशीपुर: पड़ोसियों ने घर में घुसकर मां-बेटे पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आईटीआई थाना क्षेत्र के मुकंदपुर, दभौरा मुस्तकम निवासी बाबूराम ने पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि 9 अक्टूबर की रात उसके पड़ोसी वीर सिंह, राजेश कुमार, विनीत, विशाल व दारा अपने परिजनों के साथ धारदार हथियारों के साथ जबरन उसके घर में घुस आये और गाली-गलौच करने लगे। घर पर उसका पुत्र कन्हैया और उसकी माता मिथलेश थी। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी तथा धारदार हथियारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। कहा कि हमले में कन्हैया के सिर में चोट आने से उसे एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

हादसे में मौत के मामले में कार चालक पर केस

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना अंतर्गत क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर सड़क पार कर रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस में कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में थाना पुलभट्टा निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र मनजीत सिंह ने बताया कि 2 अक्टूबर को उसका भाई ग्राम बरी, थाना पुलभट्टा निवासी सतविंदर सिंह अपने मित्र ग्राम फरदिया, तहसील बहेड़ी निवासी हरपाल सिंह पुत्र पूरन सिंह के साथ ग्राम बरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग कट पर बाइक मोड़ रहा था इसी दौरान सितारगंज से किच्छा की तरफ जा रही तेज रफ्तार सफारी कार के अज्ञात चालक में बाइक को टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रूप से घायल सतविंदर सिंह को सरकारी अस्पताल सितारगंज से चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। उसे जिला अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि घटना में घायल हरपाल सिंह का रुद्रपुर के निजी अस्पताल में गंभीर अवस्था में इलाज जारी है। पीड़ित के अनुसार भाई की मौत के बाद अंतिम संस्कार तथा पारिवारिक दिक्कतों के चलते वह समय पर सूचना दर्ज नहीं कर सका।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार, 12 अक्टूबर 2025

सिटी ब्रीफ

नोमान रजा ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई

काशीपुर : उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज के 10वीं कक्षा के छात्र नोमान ने स्कूल्स गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में हल्द्वानी (नैनीताल) में आयोजित राज्य स्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में अपने भार वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त कर विद्यालय व जनपद का नाम रोशन किया। छात्र की इस उपलब्धि पर जहां परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी धीरेन्द्र कुमार साहू, प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता और क्रीडा अधिकारी चौ. नवनीत सिंह, कोच मुकेश बेलवाल, सिकंदर पटेल ने छात्र को बधाई दी है।

छात्रा की गुमशुदगी दर्ज

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत लालपुर क्षेत्र में इण्टर मीडिएट की छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पीड़ित पिता ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पुत्री को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस ने लापता नाबालिग की तलाश प्रारंभ कर दी है।

35 लीटर शराब के साथ तस्कर दबोचा

किच्छा : लालपुर पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक बसंत प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चौकी अंतर्गत क्षेत्र में शमशान घाट के निकट से ग्राम खुरपिया, देवरिया, थाना किच्छा निवासी आनंद गोपाल को करीब 35 लीटर अवैध कच्ची शराब गिरफ्तार कर लिया है।

चिह्नित स्थानों पर ही लगें आतिशबाजी की दुकानें, सुरक्षा के हों पुख्ता इंतजाम

एसडीएम अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

- आतिशबाजी की दुकानों के लिए स्थान चयन व सुरक्षा को लेकर हुआ मंथन

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में शनिवार को उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में मौजूद अधिकारी व व्यापारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दीपावली पर्व में आतिशबाजी की दुकानों के स्थल के चयन करने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई।

उपजिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में दीपावली के दौरान आतिशबाजी की दुकानों में अग्निकांड की संभावनाओं को लेकर सुरक्षा उपाय समेत विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

दीपावली के त्योहार पर आतिशबाजी की दुकानें लगाये जाने को लेकर विभिन्न विभागों व व्यापारियों के साथ हुई बैठक में उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह ने सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिलाधिकारी ने आतिशबाजी की दुकानें चिह्नित स्थलों पर ही पटाखे बिक्री किए जाने के निर्देश दिए। जिससे सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित हो सके। कहा गया कि दुकानदार शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

बैठक में उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह ने अग्निशमन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आतिशबाजी के सामान का विक्रय करने वाली दुकानों के पास अग्निशमन वाहनों की तैनाती सुनिश्चित करें। साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से अग्निशमन वाहनों का आवागमन सुनिश्चित कर लिया जाये। कहा कि आतिशबाजी की दुकानें स्थापित करने के लिए संबंधित विभागों की विधिवत अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा एवं बिना अनुमति किसी भी स्थल पर पटाखे विक्रय न किये जायें। वर्तमान तक महुआखेड़ागंज, कुण्डेश्वरी, मुख्य बाजार, उदयराज फील्ड में पटाखों की बिक्री की जाती थी। इस संबंध में अन्यत्र पटाखों के विक्रय किये जाने के संबंध में व्यापार मंडल के अध्यक्ष द्वारा एक दिन का समय मांगा गया।

व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रभात साहनी ने चैती मेला परिसर में पटाखे बिक्री के लिये दुकानों का संचालन किये जाने का सुझाव दिया गया। बैठक में पुलिस, अग्निशमन, नगर निगम, व्यापार मंडल आदि के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मुर्गी पालन के लिए नौ महिलाओं को बांटा 13 लाख रुपये का ऋण

- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता, बाजपुर

पात्र महिलाओं को चेक प्रदान करते भाजपा नेता राजेश कुमार व दर्जा राज्यमंत्री मंजीत सिंह।

अमृत विचार: प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति द्वारा रीप परियोजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। समिति की ओर से 9 महिलाओं को मुर्गी पालन के लिए कुल 13 लाख 62 हजार 375 रुपये का ऋण वितरित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख भाजपा नेता राजेश कुमार व दर्जा राज्यमंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू ने संयुक्त रूप से पात्र महिलाओं को ऋण चेक सौंपे। इस मौके पर प्रमुख भाजपा नेता राजेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं दर्जा राज्यमंत्री गन्ना मंजीत सिंह 'राजू' ने कहा कि मोदी और धामी सरकार का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाना है। सरकार महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, कौशल विकास और आजीविका सहायता के माध्यम से उद्यमिता की दिशा में अग्रसर कर रही है।

समिति के प्रबंध निदेशक हेम चंद्र कांडपाल ने बताया कि रीप परियोजना के तहत कुल 17 महिलाओं को मुर्गी पालन के लिए 25 लाख 73 हजार 375 रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। इनमें से नौ महिलाओं को चेक वितरित कर दिए गए हैं, जबकि शेष महिलाओं को जल्द ऋण वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक महिला को एक लाख 51 हजार 375 रुपये का ऋण दिया जा रहा है, जिसमें से 45 हजार रुपये की सब्सिडी सरकार द्वारा दी जाएगी। शेष राशि शून्य ब्याज दर पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा समिति द्वारा 11 पात्रों को एमटी ऋण भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में भाजपा नेता दीपक श्रीवास्तव, विश्वास सीएलएफ की बिजनेस प्रमोटर गुलनाज, ग्रुप मोबिलाइजर ज्योति, बैंक शाखा प्रबंधक ललित मोहन लोहनी, समिति आंकिक फूलचंद सैनी, लिपिक ललित कुमार, दीपांशु रावत, नवीन चंद्र नैनवाल, दान सिंह, रिंकू सिंह, नूरजहां, अफसरी, फरजाना, शहनाज, नसीब जहां, अफसर जहां, गुलचमन, मुस्कान, मेहराज आदि मौजूद रहे।

बालिकाएं हर क्षेत्र में आगे: डॉ. कौर

संवाददाता, दिनेशपुर

न्यू एरा पब्लिक स्कूल में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करतीं डॉ. पवनप्रीत कौर।

अमृत विचार: न्यू एरा पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं किशोरावस्था पर अपने स्वास्थ्य का रखरखाव संबंधी जानकारियां दी गईं।

शनिवार को न्यू एरा पब्लिक स्कूल में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमृत अस्पताल की महिला स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पवनप्रीत कौर ने कहा कि देश व प्रदेश की बालिकाएं हर क्षेत्र में आगे है। सरकार द्वारा बालिकाओं के शिक्षण के लिए संचालित कई योजनाएं है। जिसका सभी छात्राओं ने लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता व भावनात्मक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए किशोरावस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए मार्गदर्शन किया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रूपाली अरोरा व संचालन बबीता ओझा ने किया। इस मौके पर अति विशिष्ट अतिथि एक्शनएड संस्था की ओर से हीरा जंगपांगी रौतेला, शिक्षिका पिंकी रानी, कोमल लोहनी, प्रीति सिंह, रेनू बहुगुणा, प्रमिला राय, भावना बिष्ट, पुष्पा जोशी, प्रियंका कार्की, हेमा मेहरा, गायत्री देवी, यशोदा पुरोहित आदि मौजूद रहीं।

भौतिक विज्ञान परिषद के आशुतोष बने अध्यक्ष

काशीपुर: राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान परिषद का गठन किया गया।

कॉलेज में सत्र 2025-26 के लिए परिषद का गठन किया गया। एमएससी प्रथम सेमेस्टर के आशुतोष अध्यक्ष और नवनीत कौर उपाध्यक्ष चुने गए। साथ ही, बीएससी पंचम सेमेस्टर की दिव्या आर्या सचिव, बीएससी तृतीय सेमेस्टर की मोनिका सैनी संयुक्त सचिव, बीएससी प्रथम सेमेस्टर की आयुष सागर कोषाध्यक्ष मनोनीत किए गए। वहीं रूवेन बेदी बीएससी प्रथम सेमेस्टर, अंशिका बीएससी तृतीय सेमेस्टर, महिमा पांडे बीएससी पंचम सेमेस्टर, श्वेता चौधरी एमएससी प्रथम सेमेस्टर, अतुल भदौला एमएससी तृतीय सेमेस्टर कक्षा प्रतिनिधि चुने गए। चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र जोशी रहे।

काशीपुर में पिंकी रहीं रॉयल पंजाबी करवा क्वीन

- पंजाबी रॉयल ग्रुप द्वारा करवा चौथ का किया आयोजन

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में करवा चौथ कार्यक्रम के दौरान मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पंजाबी रॉयल ग्रुप द्वारा आयोजित करवा चौथ का पर्व पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने मां पार्वती और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर अपने पतियों की लंबी आयु की कामना की।

शुक्रवार की रात एक निजी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डी बाली ग्रुप की डायरेक्ट उर्वशी दत्त बाली की ओर से, करवा चौथ स्पेशल 11 पुरस्कार प्रदान किए गए। जिनका उद्देश्य महिलाओं की सुंदरता, साज-सज्जा और परंपरा के प्रति प्रेम को सम्मानित करना था। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में करवा चौथ की पूजा की और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में 11 श्रेणियों में अवार्ड प्रदान किए गए, जिनकी जज सुषमा चिकारा, मोनालिसा ब्यूटी पार्लर की ऑनर रही। रॉयल पंजाबी करवा क्वीन पिंकी अरोरा रही, जबकि बेस्ट ड्रेस क्वीन पूनम जोशी रही, स्टाइल विद एटीट्यूट क्वीन विनीता कुमारी, बेस्ट मेकअप लुक वर्तिका अग्रवाल, एलिगेंट वूमेन ऑफ इवनिंग मलक चीमा, मोस्ट एनर्जेटिक लेडी विमी सेठी, मोस्ट स्टूनिंग हेयर स्टाइल मनमीत सेठी, बेस्ट मेहंदी डिसीजन शिल्पी, बेस्ट ज्वेलरी स्टाइल करिश्मा बत्रा, मोस्ट ब्यूटीफुल थाली खुशी डाबर, और स्टूनिंग स्टाइल आइकन का खिताब मन्नू ढिल्लन ने जीता।

देव सिंह मेमोरियल तृतीय फुटबॉल मेमोरियल टूर्नामेंट

संवाददाता, खटीमा

- पहला सेमीफाइनल डायमंड एफसी ने 4-1 से जीता

अमृत विचार: स्व. देव सिंह मेमोरियल तृतीय फुटबॉल मेमोरियल टूर्नामेंट का पहला सेमी फाइनल मैच खेला गया। जिसमें केएफसी खटीमा और डायमंड क्लब खटीमा के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

इस मैच में डायमंड क्लब ने 4-1 से जीत दर्ज की। केएफसी की ओर से एक मात्र गोल कार्तिक माल ने किया। जबकि डायमंड क्लब की ओर से मन्नत चंद्र, रूनी, भरत और दीपेश ने किया। रेफरी सुजीत, विशाल बत्रा और शुभम कन्याल, मैच का आंखों देखा हाल रंजीत मेहरा ने सुनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुरुकुल एकेडमी के रमेश चंद्र जोशी, विशिष्ठ अतिथि सिद्धांत सिंह, भूतपूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अतिथि रहे। डीके भट्ट और भूपाल सिंह नगरकोटी रहे। इस अवसर प्रवीण भंडारी, कमल सामंत, आशु बिष्ट, पीयूष बोरा, प्रेम सिंह पोखरिया, गणेश धामी, रमेश खनका, राहुल भंडारी, चंद्रशेखर भट्ट, सुरेश चंद आदि मौजूद थे। टूर्नामेंट का अगला दूसरा सेमीफाइनल रविवार को कार्बेट एफसी रामनगर और टनकपुर एफसी के बीच खेला जाएगा।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में 25 खिलाड़ियों का राज्य स्तर के लिये चयन

काशीपुर : शिक्षा विभाग की ओर से जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान 25 बालक-बालिकाओं को राज्य स्तर के लिए चयन किया गया है शनिवार को स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में जिले से करीब 40 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंडर-14 बालक वर्ग में अनय श्रीवास्तव, तनुज कोरंगा, मोहित, सुमित, अभय, बालिका वर्ग में हिताक्षी, हंसिका, अंकिता, शकीना, योगिता ने अगले पड़ाव के लिए जगह पक्की कर ली है। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में देव बरगली, उदय प्रताप, आरिफ, रजत गंगोला, लवकुश, बालिका वर्ग में मानसी, तनुजा पांडे, कृतिका, अनुष्का बिश्नोई, विधि यादव और अंडर-19 बालक वर्ग में गौरव प्रथम, प्रियांशु द्वितीय, आदित्य तृतीय, मुकुल चतुर्थ, तनुज ने पंचम स्थान पर रहते हुए राज्य स्तर के लिए जगह पक्की कर ली है।

खेल में स्कॉलर्स वैली के छात्रों का जलवा

संवाददाता, सितारगंज

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित छात्रों को सम्मानित करते स्कूल के प्रबंधक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्कॉलर्स वैली इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शक्तिफार्म में आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया और प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में प्रसन्नता की लहर है।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में अनुशासन, लगन और टीम भावना का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण के चलते विद्यालय के चार विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। चयनित विद्यार्थियों में फुटबॉल वर्ग से दिव्यांश दास, दिव्यांश सेन तथा सार्थक सिंह का चयन हुआ है। जबकि वॉलीबॉल वर्ग से आहना चौधरी ने चयनित होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के प्रबंधक पलविंदर सिंह औलख ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि स्कॉलर्स वैली न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि खेलों में भी उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह सफलता विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। प्रधानाचार्या कमलजीत कौर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी हमारे बच्चे अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

सूर्या फैक्ट्री ने पुलिस को भेंट किये 45 रिफ्लैक्टर बैरियर

काशीपुर: सूर्या रोशनी लिमिटेड काशीपुर ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 45 रिफ्लेक्टर युक्त बैरियर तैयार कर पुलिस अधीक्षक अभय प्रताप सिंह को भेंट किए। ये बैरियर विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में कोहरे के दौरान दृश्यता बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहायक हैं। वरिष्ठ महाप्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए 45 बैरियर की मांग की गई थी, जिसे शीघ्रता से पूरा किया गया। यहां प्लांट हेड शुभम चमोली, टेक्निकल हेड मनीष, डिप्टी यातायात निरीक्षक, सूर्या चौकी इंचार्ज, सीपीयू टीम मौजूद रही।

खेल-खिलाड़ी | 23वीं उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता, समर स्टडी हॉल स्कूल में आयोजित किया जा रही

नैनीताल, देहरादून, हरिद्वार व यूएस नगर अगले चक्र में पहुंचे

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में शनिवार को खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करते विधायक त्रिलोक सिंह चीना व मेयर दीपक बाली। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों की टीमों ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

समर स्टडी हॉल विद्यालय कुंडेश्वरी के प्रांगण में 23वीं उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता (बालक बालिका वर्ग) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पहले दिन बालिका वर्ग में पहला मैच नैनीताल व पौड़ी के बीच खेला गया, जिसमें नैनीताल की टीम 30-16 से जीती। दूसरा मैच देहरादून व पिथौरागढ़ के बीच खेला गया, जिसमें देहरादून 31-15 से जीती, तीसरा मैच ऊधमसिंह नगर व हरिद्वार के बीच खेला गया। जिसमें हरिद्वार 39-22 से विजय रही। बालक वर्ग में पहला मैच देहरादून टिहरी के बीच खेला गया जिसमें देहरादून 33-20 से जीती। दूसरा मैच ऊधमसिंह नगर व उत्तरकाशी के बीच खेला गया, जिसमें ऊधमसिंह नगर 44-11 से जीती। तीसरा मैच बागेश्वर व पिथौरागढ़ के बीच खेला गया, जिसमें बागेश्वर 32-24 से विजयी रहा। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच व फाइनल मैच रविवार को खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड प्रदेश के 12 जिलों की बालक व बालिका वर्ग की लगभग 20 टीम प्रतिभाग कर रही है। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक त्रिलोक सिंह चीमा व महापौर दीपक बाली ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान प्रतियोगिता से खेल प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर व उनके अभिभावको को शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं में सक्षम प्रताप सिंह, (एथलीट), पूजा रावत (एथलीट), प्रखर सक्सेना (चेस), ललित सिंह (एथलीट), नैंसी रावत (एथलीट), कवलोन कौर (क्रिकेट), दीपांशी भारद्वाज (फेंसिंग और एथलीट) को सम्मानित किया गया। वहां पर विजेंद्र चौधरी, अध्यक्ष उत्तराखंड फेडरेशन कबड्डी ऑफ इंडिया महेश जोशी, मेजर सिंह, मुक्ता सिंह, चेतन जोशी, महेंद्र सिंह, राहुल पैगिया, दिलबाग सिंह, अनुराग कुमार सिंह, बृजेश दुबे, अनुज भाटिया आदि मौजूद रहे।

आवारा पशु दे रहे दुर्घटना को दावत

संवाददाता, शक्तिफार्म

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के मुख्य मार्गों पर शाम होते ही विचरण करने वाले आवारा पशु लोगों के लिए समस्या बने हुए हैं। आवारा पशुओं से निजात दिलाए जाने एवं नगर के होटलों एवं ढाबों में खुलेआम बिकने वाली अवैध कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील महर को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य के नेतृत्व में ईओ को सौंपे ज्ञापन में कहा कि नगर क्षेत्र में आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिससे कई लोग गंभीर रूप से चोटिल भी हुए है। साथ ही नगर पंचायत क्षेत्र में अनेक ऐसे होटल एवं ढाबे हैं जिसमें खुलेआम अवैध कच्ची शराब परोसने के साथ-साथ अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री भी की जा रही है, जिससे युवा नशे के आदी होते जा रहे हैं। कांग्रेसियों ने अधिशासी अधिकारी से मांग की है कि, सड़क पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं को तत्काल गोशाला में भेजा जाए, साथ ही नशे के विरुद्ध होटल एवं ढाबों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। कांग्रेसियों ने शीघ्र कार्रवाई न होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वालों में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य, अभिषेक साहनी, सुकुमार चक्रवर्ती, सुमिंदर यादव, विनय विश्वास, श्रीकांत मिस्त्री, अमित सरकार, प्रदीप साहनी, विश्वनाथ सरकार, दीपक मंडल आदि शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

जिए पहाड़ समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

बनबसा : जिए पहाड़ समिति द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वार्ड नंबर 5 आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चियों से काटकर मनाया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक अनिल चौधरी पिंकी ने बताया हमारा उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाते हुए बेटियों को सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प है। इस अवसर पर भजन गायक कपिल भार्गव, देवेन्दर बोहरा, दरबार मेहरा, गोविन्द सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती जानकी चंद, ज्योति सिंह, हिमानी पोखरिया, सुनीता आदि उपस्थित रहे।

हूटर बजाकर उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

अल्मोड़ा : कांग्रेस नगर मंत्री व पार्षद वैभव पांडे ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी वाहनों में हूटर बजाकर नियमों की खुलाआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। वहीं, प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी के द्वारा गाड़ी में हूटर लगाकर उसे बजाना उच्चतम न्यायालय, केंद्र सरकार एवं उच्च न्यायालय के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाना है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे लोगों पर कार्रवाई की मांग उठाई।

वैभव पांडे।

गांजा तस्करी के दो आरोपियों को पांच पांच साल की सजा

अल्मोड़ा : गांजा तस्करी के एक मामले में विशेष न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है। न्यायालय ने दो आरोपियों को पांच-पांच साल की सजा के साथ ही दस-दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जिला शासकीय अधिवक्ता पूरन सिंह कैड़ा ने बताया कि वर्ष नवंबर 2019 में भतरौंजखान पुलिस ने मोहान सहायता केंद्र के पास चेकिंग अभियान के दौरान एक कार में सवार आरोपी मोहम्मद आकिल, निवासी महुआखेड़ा काशीपुर और संजय कुमार निवासी स्वार रामपुर यूपी के कब्जे से 18 किलो से अधिक गांजा बरामद की। मौके पर पुलिस ने आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा। वहीं, पुलिस ने विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। पत्रावली में मौजूद साक्ष्य वह गवाहों का परिसीलन कर न्यायालय ने आरोपियों पर दोष सिद्ध करते हुए पांच-पांच साल का सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

संप्रभुता पर खतरा बर्दाश्त नहीं: सीडीएस

सीडीएस जनरल अनिल चौहान और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पूर्व सैनिक रैली को संबोधित किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

देहरादून में देवभूमि मेगा पूर्व सैनिक रैली में वीर नारी को सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह व सीडीएस जनरल अनिल चौहान।

अमृत विचार : चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि, उत्तराखंड ने हर युद्ध और संकट में अपनी वीरता से राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। भारतीय सशस्त्र सेनाएं आज तेजी से आधुनिक युद्ध प्रणाली और तकनीक की ओर बढ़ रही हैं। हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं लेकिन अपनी संप्रभुता पर किसी भी प्रकार का खतरा बर्दाश्त नहीं करेंगे।

शनिवार को गढ़ी कैंट के जसवंत सिंह ग्राउंड में उत्तराखंड सब एरिया द्वारा आयोजित देवभूमि मेगा पूर्व सैनिक रैली को संबोधित करते हुए

जनरल चौहान ने पूर्व सैनिकों की सराहना करते हुए कहा कि वे राष्ट्र की सीमा पर वो आंखें हैं, जो राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों की निस्वार्थ सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सराहना की और युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कहा कि देहरादून सैन्य स्टेशन में इंटीग्रेटेड वेटरन्स वेलनेस एंड सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र पूर्ण रूप से तकनीक आधारित और पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए समर्पित होगा।

उन्होंने मुख्यालय उत्तराखंड सब एरिया पर इस परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का विश्वास जताया। इस अवसर पर सीडीएस जनरल चौहान, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और सैन्य कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने 14 दिव्यांग पूर्व सैनिकों को स्कूटर प्रदान करने के साथ ही 20 वीर नारियों तथा उत्कृष्ट कार्य कर रहे भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। उत्तराखंड सब एरिया को उपनल द्वारा वित्त पोषित गोल्फ कार्ट प्रदान किए।

इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने देवभूमि मेगा पूर्व सैनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि, पूर्व सैनिकों का त्याग, अनुशासन और देशप्रेम हमारे समाज के लिए अमूल्य प्रेरणा है। जो संस्कार और अनुशासन आप सभी ने अपने जीवन में स्थापित किए हैं, वे आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम आपके योगदान को सदैव स्मरण रखें और समाज के हर वर्ग को यह प्रेरणा दें कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से ही भारत विश्व गुरु बनेगा। राज्यपाल ने वीर नारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आर्थिकी को सशक्त करें और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों का आह्वान किया कि वे अपनी नेतृत्व क्षमता, अनुभव, अनुशासन और दृष्टिकोण को समाज के साथ साझा करें, जिससे युवा पीढ़ी को दिशा और प्रेरणा मिले।

राज्यपाल सिंह ने कहा कि राजभवन में पूर्व सैनिकों की शिकायतों के समाधान हेतु एक शिकायत निवारण अधिकारी की तैनाती की गई है, जो उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्यरत हैं। पूर्व सैनिकों के लिए राजभवन के दरवाजे सदैव खुले हैं। इस अवसर पर सैन्य कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार सेवारत और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर है। इस महारैली में भारतीय सेना की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेन गुप्ता, जीओसी उत्तर भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा, जीओसी उत्तराखंड सब एरिया मेजर जनरल एमपीएस गिल, वॉर वूंडेड फाउंडेशन के अध्यक्ष ले. जनरल असित मिस्त्री (सेवानिवृत्त) और ब्रिगेडियर हरचरण सिंह (सेवानिवृत्त) सहित अनेक गणमान्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। रैली में 21 कंपनियों द्वारा बैंकिंग सुविधाएं, राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित स्टॉल और निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए गए।

जलागम कार्यों को तेजी से पूरा करें: जावलकर

अल्मोड़ा में समीक्षा बैठक लेते सचिव जावलकर। ● अमृत विचार

- जलागम के कार्यों को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में भी शामिल करने के दिए निर्देश
- सभी योजनाओं को समय के साथ पूर्ण करें: सचिव जावलकर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : उत्तराखंड शासन सचिव दिलीप जावलकर ने शनिवार को जलागम के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जलागम के कार्यों को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में भी शामिल करने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सचिव जावलकर ने आपदा प्रबंधन, सिंचाई, जलागम विकास, राजस्व एवं अन्य विभागों की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों को सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने जलागम के कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने और तेजी से पूरा करने, जलागम के सभी कार्यों में वनीकरण का प्रावधान करने के निर्देश दिए। यहां बैठक में डीएम आलोक कुमार पांडेय, सीडीओ रामजी शरण शर्मा, डीडीएमओ विनीत पाल, उप निदेशक जलागम अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

किसानों ने देखा धन धान्य कृषि योजना के शुभारंभ का प्रसारण

टनकपुर/लोहाघाट : टनकपुर के गांव आमबाग स्थित कृषि मंडी समिति में और कृषि विज्ञान केंद्र सुंई लोहाघाट में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के शुभारंभ का दिल्ली से सीधा प्रसारण दिखाया गया। योजना का उद्देश्य आगामी छह वर्षों में देश के 100 कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों की उत्पादकता में वृद्धि कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अविकल कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी ने किया। इस अवसर पर डॉ. वसुंधरा गर्ब्याल, हरीश कोहली, नारायण सिंह, गायत्री देवी, डॉ. लीमा, आशीष खर्कवाल आदि मौजूद रहे।

संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं को जानकारी देते जिला सह प्रभारी हिमांशु।

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : विकसित भारत संकल्प के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे आत्मनिर्भर संकल्प अभियान की के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यशाला का आयोजन।

मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट अध्यक्षता मे हुई कार्यशाला मे मुख्य अतिथि के रूप मे जिला सह प्रभारी हिमांशु व मुख्य वक्ता जिला महामंत्र मुकेश कलखुड़िया व पूर्व प्रदेश मंत्री हेमा जोशी ने आत्मनिर्भर भारत विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने समाज में स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग पर बल दिया और इसके लिए समाज में प्रत्येक बूथ में वातावरण तैयार करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर मोनू राजपूत, दीपक सक्सेना, रेखा देवी, सरोज चंद, हरीश पांडे आदि थे।

2325 छात्रों ने दी मेधावी प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा

टनकपुर : कक्षा नौ व छह के बच्चों के लिए आयोजित मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं। परीक्षा के लिए बाराकोट में दो, चम्पावत में पांच, लोहाघाट में तीन एवं पाटी में चार केंद्रों सहित कुल 14 केंद्र बनाए गए थे। कक्षा नौवीं के लिए पहली पाली में हुई मानसिक योग्यता परीक्षा में कुल 1527 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 1295 ने परीक्षा दी। इस पाली में उपस्थिति 84.54 प्रतिशत रही। कक्षा छह के लिए हुई मानसिक योग्यता परीक्षा में कुल 1248 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 1030 ने परीक्षा दी। पहली पाली में उपस्थिति 82.53 प्रतिशत रही।

उच्च हिमालयी क्षेत्र का दौरा कर लौटा युवाओं का दल

- छह सदस्यीय दल ने 270 किमी दुर्गम क्षेत्र की यात्रा बाइक से की पूरी
- दल मिलम ग्लेशियर तक बाइक द्वारा भ्रमण करने वाला पहला ग्रुप बना

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा का छह सदस्यीय युवाओं का दल मुनस्यारी के बिर्थी फॉल पहुंचा।

अमृत विचार : सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा का छह सदस्यीय युवाओं का दल 270 किमी बाइक यात्रा कर वापस लौट आया है। इस दल के सदस्यों के यहां पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। युवाओं ने अपनी यात्रा को बाइक से अंतिम पड़ाव मिलम ग्लेशियर तक पूरा किया।

युवाओं का छह सदस्यीय दल बीते 27 सितंबर को अल्मोड़ा से बाइक से रवाना हुआ था। दल में ग्रुप लीडर वीरेंद्र सिंह बिष्ट, दीपक मेहता, प्रकाश सिंह, अखिल मेहता, अमित मेहता और पारस शामिल रहे। 28 सितंबर को यह दल मुनस्यारी के बिर्थी फॉल पहुंचा। एक दिन विश्राम के बाद अगले दिन दल सदस्य मिलम तक बाइक से रवाना हुआ। दल 28 सितंबर को मिलम गांव पहुंचा। जहां उन्होंने गोरी नदी के उद्गम स्थल का भ्रमण कर हिमालय रक्षा का पवित्र संकल्प लिया। दल के सभी सदस्य एक अक्टूबर को अल्मोड़ा पहुंचने पर मिलम ग्लेशियर के बाइक द्वारा भ्रमण करने वाला पहला ग्रुप बन गया है। युवाओं ने यात्रा के दौरान सभी पड़ावों में लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अपर सहायक अभियंता और एई के साथ अभद्रता का आरोप

- डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने सीओ को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने सीओ को ज्ञापन सौंपा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने अराजक तत्वों पर अपर सहायक अभियंता और सहायक अभियंता के साथ अभद्रता का आरोप लगाया हैं। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर सीओ को ज्ञापर सौंपा। जल्द आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

ज्ञापन में डिप्लोमा इंजीनियर्स ने कहा कि बीते गुरुवार को लोनिवि प्रांतीय खंड में कार्यरत अपर सहायक अभियंता अंकित सिंह व सहायक अभियंता पूरन सिंह फर्त्याल से हवालबाग बसोली सड़क में पाखुड़ा नामक स्थान पर कुछ अराजक व्यक्तियों की ओर से अभद्रता, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई।

आरोप लगाया कि आरोपियों ने अपर सहायक अभियंता के साथ छीना-झपटी व धक्का-मुक्की कर उनका मोबाइल फोन तोड़ दिया। कहा कि इस संबंध में सोमेश्वर थाने में सूचना दी गई है। चेतावनी दी कि यदि जल्द आरोपियों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ आंदोलन को बाध्य होगा।

यहां प्रदीप जोशी, अंकित सिंह, रवि दानी, आलोक ओली, सुरेश पौडियाल, मुकेश मिश्रा, हितांशी, रवि रावत, मनोज नाथ, दीपक जोशी, वरूण पंत, रिनी पांडेय, फैजान मलिक आदि मौजूद रहे।

बनबसा में धनुष तोड़ने का प्रयास करता रावण। ● अमृत विचार

श्री पूर्णागिरी रामलीला में धनुष यज्ञ, राम-सीता विवाह और भावुक विदाई का भव्य मंचन

बनबसा : श्री पूर्णागिरी आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में आयोजित रामलीला मंचन के तृतीय दिवस धनुष यज्ञ, रावण बाणासुर संवाद, लक्ष्मण परशुराम संवाद, राम सीता विवाह एवम बिदाई तक की लीला का मंचन किया गया। तृतीय दिवस की रामलीला मंचन का शुभारंभ मुख्य अतिथि नीरज जोशी, पूर्व सैनिक समाज सेवी पंकज गुरुंग के द्वारा किया गया। रामलीला मंचन में बाणासुर रावण संवाद में "जरा देखो घमंडी का हाल सिया को व्याहेगा आज, धनुष को तोड़ेगा आज जरा देखो घमंडी का हाल"। रामलीला मंचन में राम के पात्र की भूमिका अमित कापड़ी, लक्ष्मण ध्रुव पाल, सीता रोशन भट्ट, रावण जसवंत बसेड़ा, बाणासुर देवराज देऊपा, परशुराम जनार्दन पाटनी, सुनैना कुमारी सुहानी, विश्वामित्र के पात्र के रूप में विनय चंद द्वारा जानदार शानदार अभिनय किया गया। व्यास की भूमिका में आचार्य सुमित कृष्ण तिवारी ने लीला का सुंदर वर्णन सुनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ो राम भक्तों ने लीला का आनंद उठाया।

पॉलीहाउस के सदुपयोग और ठोस फेंसिंग निर्माण पर डीएम का जोर

संवाददाता, चम्पावत

चम्पावत में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यान, जल संस्थान, लघु सिंचाई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सारा, घेरबाड़, आलू उत्पादन, एकीकृत खेती, सिंचाई एवं लघु सिंचाई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

डीएम ने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यों की डीपीआर शीघ्र तैयार कर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

डीएम ने उद्यान विभाग को निर्देशित किया कि पॉलीहाउस का पूर्ण सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इससे लाभान्वित हो सकें। अधिकारियों को डीएम ने निर्देश दिए कि योजनाओं के लक्ष्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, मुख्य कृषि अधिकारी धनपत कुमार, जिला उद्यान अधिकारी हरीश कोहली आदि मौजूद रहे।

अंतराग्नि महोत्सव दोनों अभिनेताओं ने युवाओं के साथ साधा सीधा संवाद, डायलॉग भी सुनाए

बनराकस और बेवड़ा आए, आईआईटियंस खिलखिलाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : आईआईटी कानपुर में शनिवार को देशभर से आए युवाओं ने अंतराग्नि में प्रतिभा का जलवा बिखेरा। अक्षर के आयोजन में वेबसीरीज पंचायत' फेम बनराकस और छिछोरे फिल्म के किरदार बेवड़ा ने धूम मचा दी। दोनों किरदारों ने युवाओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

दोनों ने युवाओं को जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए। खासतौर पर 'यथार्थ या मनोरंजन-आज के दौर में सिनेमा के प्रयोजन' विषय पर विचार भी रखे। संवाद में दोनों के अंदाज ने युवाओं को खूब हंसाया। संगीत, नाटक, नृत्य सहित अन्य आयोजन भी हुए। अमृत विचार अखबार इस युवा महोत्सव का मीडिया पार्टनर है।

आईआईटी कानपुर में 'अक्षर' आयोजन के दौरान वेबसीरीज पंचायत बनराकस फेम दुर्गेश कुमार व छिछोरे फिल्म के बेवड़ा सहर्ष शुक्ला शामिल हुए। दोनो अभिनेताओं ने अपने जीवन परिचय से अवगत कराते हुए युवाओं को अभिनय के क्षेत्र में प्रवेश के किस्से भी बताए। इसके अलावा फिल्म व ओटीटी की तुलना की। दोनों अभिनेताओं ने अपने फेमस संवाद दोहराए। एस्टाम्पी फाइनल और सिंक्रोनिसिटी प्रतियोगिताओं में गीत, संगीत व नृत्य ने सभी को आकर्षित किया। रॉक बैंड प्रतियोगिता में देशभर से आई टीमों ने वेस्टर्न म्यूजिक को बॉलीवुड गीतों में पिरोया।

आईआईटी में आयोजित अंतराग्नि में ईडीएम नाइट में डांस करतीं टैरी मिको।

कल्पना से करुणा तक

आईआईटी परिसर में हुए विभिन्न कार्यक्रमों में एक 'कल्पना से करुणा तक' नामक साहित्यिक और बौद्धिक चर्चा में डॉ. आलोक बाजपेयी, डॉ. मधु सहगल और आनंद कक्कड़ शामिल हुए। उन्होंने गंभीर संवाद से युवाओं के दिलों के छुआ। इसके बाद कवि सम्मेलन और मुशायरा, काव्यांजलि और पोएट्री स्लैम जैसे इवेंट में भी धूम रही। कवि सम्मेलन में नरेश सक्सेना, बालमोहन पांडे, अज़हर इक़बाल, अमृतांशु शर्मा, सान्या राय, व्योमेश शुक्ल, विश्वनाथ तिवारी जैसे दिग्गज शामिल हुए।

फैशन का बिखरा जलवा

अंतराग्नि में शाम का शानदार आकर्षण ऋतंभरा फाइनल रहा। जहां ऋतंभरा प्रारंभिक राउंड से चुनी गई पांच टीमों ने प्रतिष्ठित फैशन कार्निवल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा की। आयोजन के दौरान विभिन्न थीम पर टीमों की ओर से की गई प्रस्तुतियों ने माहौल में आकर्षण भर दिया। पांच फाइनलिस्ट टीमों की ओर से की गई प्रस्तुतियों को निर्णायक मंडल की ओर से परखा गया। देर रात तक मिस्टर और मिस ऋतंभरा के खिताब के लिए प्रतिभागी टीमों से चयन किया जाता रहा।

न्याय पंचायतों में जन चौपालों का आयोजन

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन की योजनाओं को जनता तक सीधे पहुँचाने के उद्देश्य से जनपद चम्पावत में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रमों के तहत विभिन्न न्याय पंचायतों में जनचौपालों का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशन में न्याय पंचायत मोहनपुर के राजस्व ग्राम ज्ञानखेड़ा एवं न्याय पंचायत रौशाल में जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए विशेष चौपालों का आयोजन किया गया। ज्ञानखेड़ा में आयोजित चौपाल में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, ज्येष्ठ उप प्रमुख भुवन चन्द्र पांडे, ग्राम प्रधान, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा बाल शोध मेले में बच्चों ने दिखाया हुनर

- राप्रावि सिराड़ में आयोजित हुआ बाल शोध मेला
- सृजन, खोज और सीखने की नई उड़ान का दिखा उत्साह

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : राप्रावि सिराड़ में शनिवार को बाल शोध मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान 'हमारा परिवेश, हमारी खोज' थीम पर आयोजित मेले में बच्चों ने अपना हुनर दिखाया। वहीं, बच्चों में सृजन, खोज और सीखने की नई उड़ान का सुंदर संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाल प्रहरी के संपादक उदय किरौला, राष्ट्रपति पुस्कार से सम्मानित शिक्षक कल्याण मनकोटी, किरन सिराड़ी, ममता पाठक और डॉ. रमेश दानू ने संयुक्त रूप से किया। शिक्षक मनकोटी ने बच्चों को रंगों और चित्रों के माध्यम से सोच को व्यक्त करने की प्रेरणा दी। उदय किरौला ने बच्चों को प्रहसन और खेल के माध्यम से सीखने की गतिविधियों में शामिल करना आदि के बारे में बताया। वहीं, मेले में विज्ञान और गणित की रोचक प्रयोगशालाएं, मानचित्र प्रदर्शनी, गणित का जादू, स्थानीय त्योहारों व पारंपरिक ज्ञान पर आधारित स्टॉल सभी बच्चों की मौलिक रचनात्मकता का उजला प्रमाण बने। यहां हेमलता पाण्डेय, संदीप कुमार, जगदीश भंडारी, प्रकाश पंत, सोनी मेहता, सीता, भूमिका पंत आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

रविवार, 12 अक्टूबर 2025

उत्साहो बलवानार्य नास्त्युत्साहात्परं बलम्।
सोत्साहस्य हि लोकेषु न किञ्चिदपि दुर्लभम्॥

महर्षि वाल्मीकि जी कहते हैं, उत्साह श्रेष्ठ पुरुषों का बल है, उत्साह से बढ़कर और कोई बल नहीं है। उत्साहित व्यक्ति के लिए इस लोक में कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

चीफ जस्टिस मामला: गहन चोट से शब्दों का अभाव

राष्ट्र स्तब्ध है। देश की सर्वोच्च न्यायपीठ के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंके जाने की घटना से जन-गण-मन आहत है, हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने तब घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब उन्होंने कहा है, "जो कुछ हुआ उससे बहुत स्तब्ध था।" मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उनके सहयोगी न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने इससे भिन्न राय प्रकट की है। यह अच्छी बात है कि मुख्य न्यायाधीश ने इसे एक भुला दिया गया अध्याय बताया है, लेकिन देश में इस घटना पर अच्छी खासी बहस है।

> भुइयां ने कहा है, "इस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है।" राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक् है।

भुइयां ने कहा है, "इस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है।" राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक् है।

भारतीय राजव्यवस्था की तीन प्रमुख संस्थाएं हैं। विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के मध्य शक्ति के पृथक्करण प्रत्यक्ष हैं। भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा विश्वस्तरीय है। न्यायपालिका विधि की व्याख्या करती है। इसका खूबसूरत इतिहास है। खेदजनक है कि इसी गौरवशाली इतिहास में यह एक आत्महीन अध्याय जुड़ गया है। आगे आने वाली पीढ़ियां इस घटना के विवरण पढ़ेंगीं। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है और यह अधिकार संवैधानिक भी है। इस घटना के आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर को ऐसी विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। यहां प्रश्न अभिव्यक्ति की आजादी का है भी नहीं। यह सीधे आपराधिक कृत्य है।

आदर्श समाज में परस्पर सम्मान की प्रकृति स्वाभाविक आवश्यकता होती है। प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा और निजता के सम्मान से समाज मजबूत होते हैं। भारतीय समाज में ऊंचे आदर्श और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा का सम्मान हजारों वर्षों की प्राचीन परंपरा है। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में पक्ष और विपक्ष के संवाद आदर से भरे पूरे हैं। इस घटना से भारत के मन में एक गहन पीड़ा उठी है।

हम अपने बच्चों को सिखाते हैं। उन्हें सभ्यता के संस्कार देते हैं। करणीय-अकरणीय की सूची बताते हैं। युवा मन 15-20 वर्ष से प्रारंभ होता है। परिवार और समाज में इस बात का प्रशिक्षण मिलता है कि अपशब्द से बचना चाहिए। अपशब्द उचित नहीं होते। विद्यालय और कॉलेज जैसी शिक्षण संस्थाएं संस्कारवान पीढ़ी तैयार करते हैं। समाज के सभी रिश्ते-नाते प्रेमपूर्ण व्यवहार का ही प्रतिपादन करते हैं। अधिवक्ता की डिग्री सामान्य कागज का टुकड़ा नहीं है। यह किसी भी व्यक्ति को किसी भी अन्य व्यक्ति की तरफ से बोलने का अधिकार देती है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

न्यायालय औपचारिक रूप में ही नहीं आदर के योग्य हैं, वे वास्तव में न्याय के मंडप, मंदिर हैं, इसलिए न्यायालय में अधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले अधिवक्ता, न्यायमूर्ति आदर के पात्र होते हैं। सभी पद और दायित्व उत्तरदायित्व भी देते हैं। कर्तव्य पालन से समाज सुदृढ़ होते हैं। राष्ट्र जीवन का अधिष्ठान कर्तव्यवाची है। यहां जूता फेंकने वाले अधिवक्ता के बारे में कहा जा सकता है कि उनकी पढ़ाई और योग्यता के बावजूद कोई कमी है। ऐसी योग्यता के बावजूद उनके द्वारा यह कृत्य किया जाना घोर निंदा का विषय है। ऐसे अपराध की निंदा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

अनेक सवाल हैं। समाज अपने बिगड़े सदस्य को ठीक करने के लिए निंदा, आलोचना का प्रयोग करता है। राष्ट्र राज्य अपने बिगड़ैल सदस्यों को दंड भी देते हैं। दंड व्यवस्था का उद्देश्य स्वतंत्र व स्वाभिमानी नागरिक तैयार करना होता है। कानून और समाज अपने साथ राष्ट्र का यश भी बढ़ाते हैं। यशस्वी राष्ट्र का जन-गण-मन वैभव से भरा रहता है।

भारत भी वैभवशाली राष्ट्र है। सारी दुनिया भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र मानती है। निंदा और आलोचना में कुछ निश्चित शब्दों द्वारा असहमति प्रकट की जाती है, लेकिन यह घटना बड़ी है। गहन आहत राष्ट्र के मन में निंदा और आलोचना के शब्द जल्दी-जल्दी नहीं आते। इस चोट ने शब्दों का अभाव पैदा किया है। मूलभूत प्रश्न है कि इन्हें किन शब्दों में निंदित करें? किन शब्दों से आलोचना करें?

आखिरकार भारत के राष्ट्र जीवन में कहां पर खोट है, जिसके कारण भाईचारा, परस्पर सम्मान, संस्थाओं का सम्मान और संवैधानिक संस्थाओं का भी सम्मान नहीं हो रहा है। क्या हमारे पास ऐसी नैतिक शक्ति है कि लोग ऐसे अपराधों के बारे में सोचना बंद कर दें। समाज बहुत कुछ देता है। उसके बदले में कुछ लेता भी है। अपने नागरिकों को नैतिकता और परस्पर आत्मीयता सिखाने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के उत्कृष्ट आदर्श का पालन करते रहना हम सबका कर्तव्य है।

भारत का संविधान अनेक अधिकार देता है। संविधान के प्रति आस्था एक बड़ा मुद्दा है। शासन व्यवस्था संविधान से ही पैदा होती है। अपनी बात कहने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया जा सकता। दबी जुबान कहा जा सकता है कि समाज में असंतोष है। परस्पर अविश्वास का वातावरण है। लोगों में निराशा है।

कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसकी सही बात भी कोई नहीं सुनता। उसे लगता है कि उसे अपमानित किया जा रहा है, लेकिन इन सब का अर्थ कदापि यह नहीं है कि अधिवक्ता जैसे दायित्वों पर होने के बावजूद कोई हिंसक रास्ता अपनाए। असहमति का आदर देश की प्राचीन परंपरा है। असहमत लोग बड़ी-बड़ी क्रांतियां करते हैं, लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ लागू नहीं होता।

समाज का सतत् विकास हुआ है। एक समय अराजकता थी। लोग एक-दूसरे को हरा देने या खत्म करने के लिए आमादा थे। लोकतंत्र की पहली किरण के बारे में अथर्ववेद के ऋषि बताते हैं कि सबसे पहले परिवार संस्था बनी, फिर लगातार विकास करते हुए निर्णय की शक्ति सभा और समितियों के हाथ आई। सभा और समिति के लिए कहा गया है कि वे नरिष्टा हैं और समाज का कष्ट दूर करती हैं।

न्यायपालिका की आलोचना स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में कम थी। अब न्यायपालिका की आलोचना होती है। मैंने स्वयं कई आलेखों में न्यायपालिका की आलोचना की है। आलोचना से सुधार का रास्ता भी निकलता है। असहमति, आलोचना, निंदा और भर्त्सना समाज को शक्ति देते हैं। संप्रति न्यायपालिका का कार्य पूरी निष्ठा के साथ चल रहा है। बीच-बीच में असहमतियां भी आती हैं, लेकिन हर नागरिक को अपनी असहमति संवैधानिक दायरे में ही प्रकट करनी चाहिए। ताजा घटना केवल घटना ही नहीं है, यह घटना हमारे जीवन मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों पर गहरी चोट है। विद्वान अधिवक्ता भी विधिक रास्ता छोड़कर असंवैधानिक रास्ते पर चलेंगे, तो देश का क्या होगा?

लोकतंत्र की रक्षक मचाडो को शांति का नोबेल

अपने कार्यकाल में 'सात युद्ध खत्म' कराने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों और प्रचार को प्रहसन साबित करते हुए इस बरस शांति का नोबेल वेनेजुएला की अयरन लेडी मरिया कोरीना मचाडो को दिया गया, जो अपने ही देश में छिपकर रह रही हैं।

संजय श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

उन्हें नोबल दिए जाने का एलान करते हुए नोबेल समिति का यह कहना कि आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तानाशाही बढ़ रही है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, ऐसे में मारिया मचाडो जैसे लोगों की हिम्मत उम्मीद जगाती है, सर्वथा उचित है। देश में विपक्षी नेता मचाडो का सुमाते नामक संगठन वहां लोकतंत्र की बेहतरी तथा मुक्त और निष्पक्ष चुनावों के लिए प्रभावी आंदोलन छेड़े हुए है। जनता, जनमत उनके साथ दिखता है, पर सरकार ने तंत्र पर मजबूत कब्जा कर रखा है, इसलिए फिलहाल वेनेजुएला में वे सरकार उखाड़ फेंकने की स्थिति में हों ऐसा नहीं है।

मचाडो का जुझारू और बेखौफ तेवर डेढ़ दशक पहले से ही वेनेजुएला में पहचाना जा रहा था। 2012 में उन्होंने साहसी विपक्षी नेता के बतौर अपने को स्थापित करते हुए, वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति को भरी संसद में चोर कहा और उनका भाषण बंद करा दिया था। उस वक्त दुनिया भर में उनकी चर्चा हुई थी। उन्होंने लोगों की लूटी संपत्ति वापस करने को कहा, तो 9 घंटे 45 मिनट भाषण दे चुके राष्ट्रपति को कोई जवाब नहीं सूझा था। पिछले साल विपक्षी नेता मचाडो के बारे में देश के ओपीनियन पोल्स बता रहे थे कि उनकी जीत तय है, पर राष्ट्रपति चुनावों में उन्हें खड़ा नहीं होने दिया गया था। दुनिया भर में इसकी निंदा हुई थी और कहा गया कि यह चुनाव निष्पक्ष नहीं है। मीडिया और कई बाहरी पर्यवेक्षकों ने चुनावी अनियमितताओं को उजागर भी किया था, लेकिन निकोलस मादूरो ने आखिरकार तीसरी बार चुनाव जीत लिया।

> मरिया कोरीना मचाडो का जुझारू और बेखौफ तेवर डेढ़ दशक पहले से ही वेनेजुएला में पहचाना जा रहा था। 2012 में उन्होंने साहसी विपक्षी नेता के बतौर अपने को स्थापित करते हुए, वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति को भरी संसद में चोर कहा और उनका भाषण बंद करा दिया था।

बीते एक दशक में उन्होंने अपने देश के विपक्ष को एकजुट किया। सैन्यीकरण के खिलाफ लगातार डटे रह कर लोकतंत्र मजबूत करने की जो कोशिशें जारी रखीं, उससे वेनेजुएला में ऐसे भविष्य की उम्मीद जगी कि वहां नागरिकों के मूल अधिकार बचे रहेंगे और उनकी आवाज सुनी जाएगी, जिससे लोग सुकून के साथ आजादी से रह सकेंगे।

बेशक मौजूदा समय में दक्षिणी अमेरिका के कुछ देशों में जनाधिकारों के लिए जो संघर्ष चल रहा है, उसमें मचाडो का साहसी प्रयास अलग से उल्लेखनीय है। मारिया मचाडो ने वाकई अपने को 'शांति की बहादुर और प्रतिबद्ध समर्थक' साबित करते हुए अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की लौ को बुझने से बचाने के प्रयास जारी रखे। मचाडो को नोबेल से पहले इस साल करेज अवार्ड, बीते साल लोकतंत्र की रक्षा के लिए सखारोव पुरस्कार, वाच्लाव हावेल मानवाधिकार पुरस्कार मिल चुका है। 2018 में वह बीबीसी द्वारा जारी दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल थीं।

'ए स्पेस ओडिसी' जैसे न बनें हालात

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न एप्लीकेशन्स मानव मेधा को रिप्लेस करेंगे? अभी इनकी विविधता दस से अधिक हो चुकी है। ऐसा तो शायद न होगा, लेकिन मानव-मेधा से उत्पन्न मौलिक कौशल के गुण को इससे शायद खतरा हो जाए? बहुत से इंटेलिजेंट फंक्शन्स अब मशीन मेधा पर शिफ्ट हो रहे हैं। इनसे मानव में प्रॉब्लम्स सॉल्व करने की शक्ति का निश्चित रूप से ह्रास होगा। हो सकता है कि भावी पीढ़ियों में यह जिज्ञासा को कुछ हद तक घटा दे, या क्रमिक रूप से धीरे-धीरे निचले स्तरों पर ले आए। मैथमेटिक्स एक नेचुरल विज्ञान है और मनुष्य में इसकी तीन बेसिक विधाओं और संबद्ध शाखाओं में जिस प्रकार से इसका विकास किया है, उसके अनेक प्रक्रियाओं को मशीन मेधा हस्तगत कर लें। उदाहरण के लिए अत्यंत काम्प्लेक्स अथवा जटिल प्रॉब्लम्स जोकि किसी भी क्षेत्र यथा एस्ट्रोफिजिक्स, स्पेस ट्रेवल के लिए कोआर्डिनेट्स निर्धारित करने, जटिल अवस्थाओं में समुद्र की गहराई में नेविगेशन अथवा न्यूक्लियर सेफ्टी ड्रिल या एटमोस्फियरिक गणनाएं हों, सभी एआई पर शिफ्ट हो जाएं।

रनबीर सिंह
हरियाणा

समस्या इन्हें एआई पर शिफ्ट करने से नहीं, वरन एआई सर्वर्स और इन्हें लगातार एनर्जी देने से सम्बंधित भी हो सकती हैं। हो सकता है, जब पूरा विश्व एआई की गिरफ्त में आ जाए और सिस्टम के स्टैंडबाय भी काम न करें, तब तो मानव फंस कर खड़ा हो जाएगा! ऐसा सिनेरियो अभी से मानव कल्पना के दायरे में है तो, लेकिन इसमें बड़े आईडियाज का सृजन अभी सिर्फ साइंस फिक्शन राइटर्स के दिमाग में ही हो पाया है। अभी कोई ऐसा सस्ता, कारगर सलूशन या पद्धति विकसित नहीं हुई है, जो एआई सर्वर्स को इंडिपेंडेंट और बैकअप एनर्जी दे सके।

मनुष्य जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी और मशीन मेधा को लेकर प्रगतिशील है, इसे लेकर ह्यूमैनिटी का मैनेजमेंट करने वाली व्यवस्थाओं में एक 'टेक्नोलॉजिकल एंग्जायटी' देखने को मिलती है। इसे देखने समझने के लिए पिछले दस साल में एआई में क्रमिक विकास के स्तर को लेकर प्रकाशित हुई जानकारी या रिसर्च पेपर्स को देखने से मालूम होता है कि मशीन मेधा 'डेस्ट्रक्टिबल' या नश्वर है। इसकी ग्लोबल नेटवर्किंग अगर मल्टिपल सर्वर्स से न हुई और समस्त पृथ्वी के लिए एकीकृत एआई सर्वर बना लिया गया तो यह भयंकर होगा। हो सकता है आतंकवादी संगठन इस केंद्रीय सर्वर पर कब्जा कर ले। देखना यह है कि मनुष्य इन्हें खुद-मेधावी बनाने के लिए किस हद तक जा सकता है।

ऐसी गुप्त 'की' या चाबी मनुष्य खुद के लिए जरूर निर्मित करना चाहेगा, जब मशीन मेधा विद्रोही तेवर दिखाने लगेगी और सब कुछ जो इससे नियंत्रित होता को तहस-नहस कर देगी, तब क्या मनुष्य फिर से इसमें से मेधा निकाल लेगा। ठीक उसी तरीके से जैसे स्टेनली क्यूब्रिक ने '2001- ए स्पेस ओडिसी' फिल्म में आज से 50 वर्ष पहले दिखाया था, जब इंटर-गैलेक्टिक यात्रा पर निकले हुए स्पेस-शिप में इंस्टाल किया हुए 'हाल' नामक इंटेलीजेंट कंप्यूटर ने स्पेस शिप के यात्रियों को भी नियंत्रित करना शुरू किया था?

आजम व मायावती फैक्टर में फंसी सपा

आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। आजम खान की सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं, लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते हैं, तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

> आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। सपा से अगर आजम खान किनारा करते हैं, तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए अखिलेश को आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

सबसे अहम सवाल उठता है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है? हालांकि यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमान में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक हैं। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा, हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। इसकी वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं, हालांकि यह भी सच है कि मुसलमान भाजपा को भी पड़े पैमाने पर वोटिंग करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी अपना परचम लहरा चुकी है।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुसलमानों का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने यहां कुल 82 सीटों में 62 पर विजय हासिल की थी। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था। मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल हैं। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि मुस्लिम समाज नाराज होकर भी कहां जाएगा, लेकिन पूरा मुसलमान सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ है, ऐसा कहना भी मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है।

उत्तर प्रदेश में इधर एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती को जन्म दिया है। लखनऊ में कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर, चंद्रशेखर आजाद रावण भी उलझन में हैं, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं, तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि मायावती में दलित पूरी तरह आस्था रखता है। बसपा कैडर बेस पार्टी है। बगैर प्रचार के इतनी भारी भीड़ ने सब की नींद उड़ा दी है।

मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा की, वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा और उनकी सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फार्मूले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखी, हालांकि जमीनी सच्चाई यही है कि इस भीड़ से बसपा और दलित भले खुश हों, लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकतीं, क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है। केंद्र और राज्य में उसकी सत्ता होने से इसका सीधा लाभ मिल रहा है। छोटे दल भाजपा की सत्ता में सहभागी बनकर मलाई काट रहे हैं।

मूर्तियों से नहीं अंतर्तम से प्रकट होते हैं भगवान

भगवान के प्रति आस्था रखने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं के मन में यह आकांक्षा होती है कि पूजा-पाठ करते समय भगवान साक्षात प्रकट हो जाएं, ताकि उनके स्वरूप का दर्शन हो सके और अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति की प्रार्थना वह सीधे प्रकट हुए भगवान से कर सके। धर्म ग्रंथों की अनेक कथाओं में ऐसा उल्लेख किया गया है कि जब किसी श्रद्धालु पर दयार्द्र होकर भगवान प्रकट हो गए और उसे वरदान भी दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इसके लिए श्रद्धालु घर के निजी पूजा स्थल पर स्थापित भगवान से लेकर मंदिरों तथा तीर्थ स्थलों तक में जब भगवान का दर्शन करता है, तो यही चाहता है कि मूर्ति से कोई शक्ति दिव्य रूप में प्रकट होगी। ऐसा होने पर उसे महसूस होगा कि उसकी पूजा एवं अराधना सही चल रही है।

अब प्रश्न उठता है कि क्या मूर्ति से कभी कोई मनुष्य रूप में प्रकट हुआ है? वैसे भी मूर्ति से किसी शरीरधारी के प्रकट होने की आकांक्षा अवैज्ञानिक तो है ही, साथ में इसे अंधविश्वास भी कहा जा सकता है। कहीं कुछ प्रकट होने का तथ्य जानना हो तो प्रकृति पर नजर डालनी चाहिए। सूरज दिन में प्रकट होता है जबकि चांद-सितारे रात में। सूरज, चांद और सितारों का प्रकट होना, यह दर्शाता है कि उनका अस्तित्व पहले से विद्यमान है। ग्रहों की चाल से ये लुप्त और प्रकट होते हैं। प्रकृति में प्रकटीकरण के लिए खेतों पर भी ध्यान देना चाहिए।

किसान खेतों में बीज और खाद डालता है तथा पानी से सिंचाई करता है। ऐसी स्थिति में बीज डालने के पहले जिस कृषि भूमि में सिर्फ मिट्टी दिखाई पड़ती थी, उसमें फसल लहलहाने लगती है। यानी फसलों का प्राकट्य हो गया है। इसी तरह किसी वृक्ष के प्राकट्य की आकांक्षा है तो किसी दूसरे वृक्ष के पास ध्यान लगाकर यह प्रार्थना नहीं की जाती, 'हे वृक्ष, मेरी इच्छा के अनुसार एक दूसरा वृक्ष उत्पन्न हो जाए।' इसके लिए जिस तरह के वृक्ष की इच्छा है, उसका बीज लाकर तथा उचित भूमि चयनित कर उसका रोपण करना पड़ेगा और समय-समय पर उसे सिंचित भी करते रहना पड़ेगा। कुछ इसी तरह भगवान के प्राकट्य की प्रक्रिया है। भगवान बाहर की किसी मूर्ति में नहीं, बल्कि शरीर की भूमि के अंतर्तम में विद्यमान पहले से ही रहते हैं।

देश में कम हुई हैं दहेज उत्पीड़न की घटनाएं

मोदी सरकार के दौरान संप्रग सरकार की तुलना में भारत अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। हत्या, दुष्कर्म, दहेज हत्या और दंगे जैसे संगीन अपराधों में 2004 से 2014 के बीच संप्रग सरकार के दौरान 22 फीसद की बढ़ोतरी हुई, जबकि उसके बाद मोदी सरकार के दौरान इसमें 29 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। एनसीआरबी की 'भारत में अपराध 2023' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में दहेज निषेध अधिनियम के तहत 15,489 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशः 13,479 और 13,568 थी। आंकड़ों के अनुसार हत्या, दुष्कर्म, दहेज हत्या और दंगे के 1.45 लाख केस 2014 में दर्ज किए गए थे, जबकि 2023 में इनमें केवल 1.02 लाख केस ही दर्ज किए गए, जो 2004 में दर्ज 1.18 लाख केस से भी कम है।

डॉ. ओपी त्रिपाठी
अंबेडकर नगर

इसी हफ्ते एनसीआरबी ने भारत में अपराधों का 2023 की रिपोर्ट जारी की है। 2004 में देश में दुष्कर्म के 18,233 मामले दर्ज किए गए, जो 2014 में दोगुना बढ़कर 36,735 हो गए, जबकि एनडीए सरकार के दौरान अगले नौ सालों में इसमें 19 फीसद की गिरावट आई और 2023 में कुल 29,670 मामले दर्ज किए गए। दहेज हत्या में भी संप्रग सरकार के दौरान 2004 में 7026 की तुलना में 2014 में 8455 मामले दर्ज किए गए, जो 20 फीसद अधिक हैं। वहीं मोदी सरकार के दौरान इसमें 27 फीसद की गिरावट आई और 2023 में दहेज हत्या के कुल 6,156 मामले दर्ज किए गए।

21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। समाज में दहेज के लिए उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य हैं। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिए हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तिकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी।

हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है, जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिए सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं? समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है।

भारत का संविधान समानता के अधिकार की गारंटी देता है और महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने तथा उनके समग्र सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए राज्य द्वारा सकारात्मक हस्तक्षेप का भी प्रावधान करता है। संवैधानिक प्रावधानों में व्यक्त दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, भारतीय दंड संहिता, 1860, दहेज निषेध अधिनियम, 1961, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 जैसे विभिन्न कानून बनाए गए हैं, जो महिलाओं के समक्ष लैंगिक असमानता, भेदभाव और हिंसा के मुद्दों को संबोधित करते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवन यापन कर सकें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

न हार मानने और न थकने वाले का नाम है

शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा के आधुनिक इतिहास में शाहरुख खान एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने अपने अभिनय के शौक को करियर बनाने के लिए इतनी मेहनत की है कि उनकी सच्ची मेहनत और लगन को न केवल उनको भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का किंग खान बनाया, बल्कि आज वह दुनिया के अरबपतियों की जमात में शामिल होकर उन करोड़ों युवाओं के लिए आदर्श बने हुए हैं, जो यह सपना देखते हैं कि बड़ा कैसे बना जाए किंग कैसे बना जाए।

अरविंद रावल
झबुआ, मध्य प्रदेश

शाहरुख का एक वक्त ऐसा था जब खाने को पैसे नहीं, रहने को घर नहीं था, लेकिन धुन के पक्के दिल्ली के इस लड़के ने अपने अभिनय के लक्ष्य को ही सर्वोपरी मानकर जमीन पर, जो संघर्ष किया है वह पूरी दुनिया ने देखा। यह शाहरुख की मेहनत और उसकी जीवटता का परिणाम था कि वह कभी भी किसी भी परिस्तिथि में अपने लक्ष्य को नहीं भूला और अपनी मेहनत के बूते केस्मत को इस कदर संवारा की सफलता शाहरुख के कदमों से कभी दूर हटी नहीं और देखते ही देखते शाहरुख खान ने आज जो मुकाम हासिल किया है, ह मुकाम हासिल करने के लिए अच्छे-अच्छे सफल सितारे भी एसते हैं। शाहरुख खान आज सिफर से शिखर तक पहुंच गए हैं तो निश्चित ही उनकी इस सफलता में पत्नी गौरी खान के अलावा कई ऐसे लोगों का भी सहयोग है, जिन्होंने शाहरुख के कठिन दौर में हिम्मत बनकर साथ निभाया था। यह शाहरुख का बड़प्पन है कि वह शिखर पर पहुंचकर भी सफर में साथ निभाने वालों को भूले नहीं हैं, बल्कि आज भी शाहरुख का फ्री वक्त सफर के साथियों में ही बीतता है। भारतीय जनमानस शाहरुख खान का इसलिए भी आदर करता है कि अपार सफलता पाने के बाद, उन्होंने अन्य सितारों की तरह अपना परिवार कभी बदलने का विचार नहीं किया है। किंग खान शाहरुख के अरबपति बनने का सफर वाकई नई पीढ़ी के युवाओं के लिए आदर्श है।

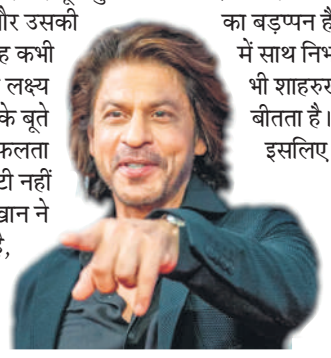

बरेली के जतिन फिल्म की शूटिंग के लिए जाएंगे पेरिस

बरेली शहर के कई युवा अभिनय की दुनिया में अपने नाम के साथ-साथ शहर का नाम भी रोशन कर रहें है। प्रियंका चौपड़ा, दिशा पाटनी के बाद शहर का एक और अभिनेता टीवी दुनिया में मजूबत जगह बना चुका है, जिस सितारे की हम बात कर रहे है, वह हैं जतिन सूरी। बरेली में ही पैदा हुए और बरेली से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद अभिनेता के रूप में अपनी जगह बनाने वाले जतिन बेहद सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। जतिन बताते हैं कि उन्होंने अभिनय के बारे कभी सोचा ही नहीं था, उन्हें खेल में ज्यादा रूचि थी, जिसके बाद वह अपने पिता के व्यापार में साथ देने लगे। 2015 में व्यापार की वजह से दिल्ली गए थे, वहां पर उन्होंने ऑडिशन देते हुए लोगों को देखा तो उन्होंने सोचा क्यों न अभिनय में लक आजमाया जाए। यहीं से उनके जीवन में मोड़ आया और उन्होंने अभिनेता बनने के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। शुरुआत में जतिन के पापा ने उन्हें रोका, लेकिन उनकी मां और चाची ने उन्हें ऑडिशन के लिए बाहर भेज दिया, जिसके बाद उनके पिता ने भी साथ देना शुरू कर दिया। जतिन को 'बजना चाहिए गाना' से पहला काम 2016 में मिला, जिसके बाद वे अभिनय की दुनिया में आगे बढ़ते गए। जतिन ने छोटे पर्दे पर निमकी मुखिया सीरियल में डायमंड सिंह का अभिनय किया। निमकी मुखिया में काम करने के बाद, उन्हें फेम मिलनी शुरू हो गई। जतिन सोनाक्षी सिन्हा के साथ अकीरा मूवी में भी काम कर चुके हैं। जतिन ने बताया की अनुपमा हर घर में देखने वाला सीरियल है। वह बताते हैं कि कोरोना काल में वह घर पर ही थे, उनकी मां अनुपमा टीवी पर देखती रहती थीं और उनसे बोलतीं कि वह भी इसमें काम कर लें, तब उन्होनें यह कह दिया, जो होगा देखा जाएगा। उसके बाद जनवरी 2025 में अनुपमा में काम करने की बात होती है। अगले ही दिन वे मुंबई चले गए और सीरियल में काम करना शुरू कर दिया। अनुपमा हर घर में देखा जाने वाला सीरियल होने के कारण वह और लोकप्रिय हो गए। जतिन ने बताया कि वह एक फिल्म के प्रोजक्ट पर काम कर रहे हैं। वह जल्द ही मुंबई में आठ दिन की शूटिंग खत्म करके, फिल्म की शूटिंग के लिए पेरिस रवाना होंगे। इसी महीने पेरिस में फिल्म की शूटिंग के साथ दो गानों की शूटिंग भी पेरिस में पूरी करेंगें। सूरी बरेली के युवाओं को संदेश देते हुए कहते हैं कि "आपका कोई भी लक्ष्य है चाहे अभिनय की दुनिया का या कोई भी तो, उस पर दृढ़ निश्चय होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़े सफलता जरूर मिलेगी।"

प्रस्तुति-अभिषेक मिश्रा

किस दुनिया की मोनिका!

मोनिका बेलुची इटैलियन अभिनेत्री हैं। भारत से भी उनका नाता है। रजनीकांत की हाल में रिलीज फिल्म 'कूली' में एक गाना है मोनिका बेलुची... यह गाना दरअसल इसी इटैलियन अभिनेत्री से जुड़ा हुआ है। यूट्यूब पर तमिल गाने की व्यूवरशिप 30 मिलियन पहुंच गई है। मोनिका ने यह गाना देखकर पूजा हेगड़े की तारीफ भी की है। फिल्म में यह गाना पूजा पर ही पिक्चराइज किया गया है। मोनिका बेलुची को कभी सोनिया गांधी की बायोपिक के लिए भी कांटेक्ट किया गया था। बताते हैं कि उन्होंने फिल्म को यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिया था कि स्क्रिप्ट अच्छी मिलेगी तो वह जरूर इस फिल्म में काम करेंगी। बहरहाल मोनिका वर्ल्ड सिनेमा में छाई हुई हैं। अपनी मनमोहक अदाओं, बहुमुखी प्रतिभा और शाश्वत आकर्षण के लिए जानी जाने वाली मोनिका ने मॉडलिंग की दुनिया से लेकर सिनेमा जगत तक अमिट छाप छोड़ी है। उनकी यात्रा एक छोटे इतालवी गांव से शुरू होकर वैश्विक मंच तक पहुंची, जहां उन्होंने खुद को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया। *-फीचर डेस्क*

मोनिका अन्ना मारिया बलूची का जन्म 30 सितंबर 1964 को इटली के छोटे से गांव सिट्टा डी कास्टेलो में हुआ था। उन्होंने एक वकील बनने का सपना देखा था और पेरुगिया विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई शुरू की, लेकिन अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए, उन्होंने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया, जिसने उनके जीवन को एक नया मोड़ दिया। 1988 में वह मॉडलिंग करियर में आगे बढ़ने के लिए यूरोप के फैशन सेंटर मिलान चली गईं और एलीट मॉडल मैनेजमेंट से जुड़ गईं। अपनी आकर्षक सुंदरता के कारण, उन्होंने जल्द ही डोल्से एंड गब्बाना और डायर जैसे बड़े ब्रांडों के लिए मॉडलिंग की।

मॉडलिंग में शानदार सफलता के बाद, मोनिका ने 1990 के दशक की शुरुआत में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने पहले इतालवी टीवी और फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाईं। उनकी हॉलीवुड में पहली पहचान तब बनी जब उन्होंने फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की फिल्म ब्रैम स्टोकर्स ड्रैकुला (1992) में एक मोहक वैम्पायर दुल्हन की भूमिका निभाई। उनकी अभिनय क्षमता को 2000 की फिल्म मालेना से वैश्विक पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक खूबसूरत विधवा की संवेदनशील भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली। यह फिल्म उनकी करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक मानी जाती है, जिसने यह साबित कर दिया कि उनकी प्रतिभा सिर्फ उनकी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। उनकी अन्य उल्लेखनीय यूरोपीय फिल्मों में द अपार्टमेंट (1996) और विवादित, लेकिन कलात्मक रूप से प्रशंसित इर्रिवर्सिबल (2002) शामिल हैं। मोनिका ने हॉलीवुड में भी कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। द मैट्रिक्स रीलोडेड (2003) और द मैट्रिक्स रिवोल्यूशन्स (2003): इन साइंस-फिक्शन फिल्मों में उन्होंने पर्सेफोन का किरदार निभाया, जिसने उन्हें एक बड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्टार बना दिया। स्पेक्ट्र (2015): जेम्स बॉन्ड श्रृंखला की इस फिल्म में, वह सबसे उम्रदराज 'बॉन्ड गर्ल' बनीं। यह उनकी स्थायी सुंदरता और अभिनय क्षमता का प्रमाण था।

जिंदगी का सफर

आशा पारेख: 70 के दशक की चुलबुली सी अभिनेयी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता आशा पारेख का जन्म 2 अक्टूबर 1942 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम प्राणलाल पारेख और मां का नाम सुधा पारेख था। अपनी मां के प्रोत्साहन से, उन्होंने कम उम्र में ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य की शिक्षा लेना शुरू कर दिया था और उन्होंने भरतनाट्यम में महारत हासिल की। 1952 में मशहूर निर्देशक बिमल रॉय ने उन्हें एक स्टेज शो में नाचते हुए देखा और उन्हें अपनी फिल्म 'मां' में बाल कलाकार के रूप में काम दिया। इसके बाद, उन्होंने फिल्म 'बाप बेटी' (1954) में भी अभिनय किया।

16 साल की उम्र में, उन्होंने फिल्म 'दिल देके देखो' (1959) में शम्मी कपूर के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई और उनके करियर को एक नई दिशा दी। 1960 और 1970 के दशक में उन्होंने कई सफल फिल्में दीं, जिसके कारण उन्हें 'द हिट गर्ल' के नाम से जाना जाने लगा। उनकी प्रमुख फिल्में हैं, 'दिल देके देखो' (1959), 'तीसरी मंजिल' (1966), 'कटी पतंग' (1970), 'कारवां' (1971), 'मेरा गांव मेरा देश' (1971) और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978)। फिल्म 'कटी पतंग' (1970) में अपनी भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

आशा पारेख ने कभी शादी नहीं की। उन्होंने एक बार खुलासा किया था कि वह निर्देशक नासिर हुसैन से प्यार करती थीं, लेकिन चूंकि वह पहले से शादीशुदा थे, इसलिए वह किसी का घर नहीं तोड़ना चाहती थीं। अभिनय के अलावा, आशा पारेख ने टेलीविजन में भी काम किया। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस 'आकृति' शुरू किया, जिसके तहत उन्होंने टीवी धारावाहिकों का निर्माण किया। उन्होंने एक गुजराती टीवी सीरियल 'ज्योति' का निर्देशन भी किया था। उन्हें भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1992 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2020 में सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2002) उन्हें उनके उत्कृष्ट करियर के लिए दिया गया। वह समाजसेवी भी हैं और उन्होंने मुंबई में एक धर्मार्थ अस्पताल की स्थापना की है, जिसका नाम 'द आशा पारेख अस्पताल' है।

एनआरआई निवेश को आसान बनाना सेबी का मुख्य लक्ष्य

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय बाजारों में निवेश को सुविधाजनक बनाना पूंजी बाजार नियामक का एक प्रमुख लक्ष्य है। नियामक ऐसे उपायों पर विचार कर रहा है, जिससे अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) को केवाईसी आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए अपने देश की यात्रा न करनी पड़े।

अमृत विचार
हल्द्वानी, रविवार, 12 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

दिल्ली में एनीमेशन नीति पर काम जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक्स क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीति तैयार कर रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस नीति का उद्देश्य शहर की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना है। अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर तक नीति के मसौदे को अंतिम रूप देने की योजना है और उसे प्रतिक्रिया के लिए सार्वजनिक कर दिया जाए। इसके बाद नीति को मंजूरी के लिए दिल्ली मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग ने स्ट्रीमिंग मंच नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एनिमेटेड श्रृंखला 'कुरुक्षेत्र' की स्क्रीनिंग का आयोजन किया था।

बीपीसीएल, आरबीएमएल के बीच बिक्री को करार

मुंबई। सरकारी क्षेत्र की पेट्रोलियम एवं गैस कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) और कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) बिक्री क्षेत्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड (आरबीएमएल) के साथ एक रणनीतिक गठबंधन किया है। शनिवार को जारी एक बयान में इसे एक अभिनव पहल बताते हुए कहा गया है कि इसे भविष्य के विकास को बढ़ावा देने और भारत के लिए एक स्थायी ऊर्जा ढांचा स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस करार पर बीपीसीएल के मुख्य महाप्रबंधक और आरबीएमएल के गैसीय ईंधन प्रभाग के प्रमुख संजय पंडिता ने हस्ताक्षर किए।

दिल्ली-हनोई उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने शनिवार को दिल्ली से हनोई के लिए नई उड़ान शुरू करने की घोषणा की। एयरलाइंस ने बताया कि दिल्ली से वियतनाम की राजधानी हनोई के लिए वह 20 दिसंबर से दैनिक उड़ान शुरू करेगी। इस मार्ग पर वह एयरबस के ए320 विमान का परिचालन करेगी। फिलहाल वियतनाम के लिए कोलकाता से इंडिगो हर सप्ताह 14 उड़ानों का परिचालन कर रही है।

आर्थिक नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम

पुणे में आयोजित काले स्मारक व्याख्यानमाला में बोले आरबीआई के पूर्व गवर्नर दास

पुणे, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मजबूत घरेलू मांग और सतर्क व्यापक आर्थिक तथा वित्तीय नीतियों के दम पर वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि इन नीतियों की वजह से भारत ने बाहरी आर्थिक संकटों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में भारत की अंतर्निहित प्राथमिकता

शक्तिकांत दास।

भारतीय लोगों के सर्वोत्तम हित में निष्पक्ष और संतुलित समझौते सुनिश्चित करना है।

दास ने कहा कि अनिश्चित वैश्विक परिवेश के बीच भारत उल्लेखनीय गतिशीलता और लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है। दास ने पुणे स्थित गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स के दीक्षांत समारोह के दौरान 'बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर 85वें काले स्मारक व्याख्यान के दौरान यह बात कही। दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व अनिश्चितता और बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रही है।

उन्होंने कहा कि आठ दशकों से अधिक समय से वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने वाला नियम-आधारित व्यापार ढांचा चुनौती का सामना कर रहा है। दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के संदर्भ में पहले यह माना जाता था कि दुनिया समतल है और इसे एक बाजार बनाना चाहिए, लेकिन अब यह स्थिति बदल चुकी है।

उन्होंने कहा कि हालात बुनियादी रूप से बदल गए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार व्यवस्था काफी हद तक खंडित हो चुकी है। स्थापित नियमों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, जबकि नए मानदंड अभी तक दृढ़ता से स्थापित नहीं हुए हैं। कोविड महामारी और यूक्रेन-रूस संघर्ष ने आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी लाई है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी के कारण कई राष्ट्रों को अपनी बाहरी निर्भरता पर पुनर्विचार करना पड़ा है तथा लागत दक्षता की तुलना में आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को अधिक महत्व देना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता अब एक शीर्ष प्राथमिकता है। यह परिवर्तन क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के बढ़ते प्रभाव में भी स्पष्ट है, जो अधिक खंडित फिर भी व्यावहारिक व्यापार गठबंधनों की ओर बदलाव को दर्शाता है।

देश ने कई वैश्विक चुनौतियों का किया सामना

दास ने कहा कि एक दशक के संरचनात्मक सुधारों और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत रणनीतिक वैश्विक स्थिति के बीच देश ने कई वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत घरेलू मांग और विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक एवं वित्तीय नीतियों ने देश को कई बाहरी झटकों का सामना करने में सक्षम बनाया है। भारत अब वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान करने के लिए तैयार है।

दूरसंचार नेटवर्क को खुद ही ठीक करने में सहायक होगा एआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बोले दूरसंचार सचिव मित्तल

दूरसंचार विभाग के सचिव नीरज मित्तल ने शनिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) दूरसंचार नेटवर्क को अपने आप ठीक करने में सहायक होगी और ग्राहक सेवाओं में सुधार लाएगी। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में मित्तल ने कहा कि सरकार तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के साथ तालमेल बनाए रखने और आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के साथ मिलकर एक संगठित प्रतिक्रिया देने की कोशिश कर रही है, ताकि यह देखा जा सके कि एआई और दूरसंचार विकास को कैसे सकारात्मक रूप से समन्वित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम 5जी से 6जी की तरफ बढ़ रहे हैं, कृत्रिम मेधा (एआई) का बहुत बड़ा काम होगा।

यह नेटवर्क में बुद्धिमता को बेहतर बनाएगी, अपने आप ठीक होने में मदद करेगी, और एआई के पुराने तरीके से नए और बेहतर तरीके पर ले जाएगी।

एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज बना विजेता : बेंगलुरु की डीपटेक कंपनी एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज ने स्टार्टअप वर्ल्ड कप इंडिया के पहले संस्करण में जीत हासिल की है। दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में चार दिवसीय इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अंतिम दिन आयोजकों ने इसकी घोषणा की। डॉ. नेहा साटक और डॉ. प्रसाद एचएल भट द्वारा स्थापित एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज 5जी रोलआउट और ग्रामीण कनेक्टिविटी से जुड़े बुनियादी ढांचे में बदलाव ला रही है। कंपनी को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के अलावा सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होने वाले वैश्विक समापन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी मिलेगा। गत 08 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के नौवें संस्करण का उद्घाटन किया था।

उपयोग में सतर्कता जरूरी

नेटवर्क के हर हिस्से में एआई कई काम खुद करेगी और इससे ग्राहक सेवा भी बेहतर होगी। दूरसंचार उद्योग के जानकारों के अनुसार, 6जी परीक्षण के 2028 में शुरू होने की उम्मीद है और इसका व्यावसायिक उपयोग शुरू होने में कुछ और समय लगेगा। मित्तल ने कहा कि जहां एआई का उपयोग अच्छे कामों के लिए हो रहा है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल का भी खतरा है। इसलिए, तकनीक के सही उपयोग के लिए सतर्क रहना जरूरी है।

नीरज मित्तल।

नौ वैश्विक निकायों ने दिल्ली घोषणापत्र पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

- हस्ताक्षर करने वालों में भारत 6जी गठबंधन भी शामिल

सरकार समर्थित भारत 6जी गठबंधन ने नौ अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ मिलकर दिल्ली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो 6जी पारिस्थितिकी तंत्र के सिद्धांतों का समर्थन करता है। इसमें 6जी प्रौद्योगिकी को सुरक्षित, खुला, लचीला, समावेशी और टिकाऊ बनाने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

दिल्ली घोषणापत्र को 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भारत 6जी संगोष्ठी 2025 में जारी किया गया। भारत 6जी गठबंधन के महानिदेशक आरके पाठक ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया भर में 6जी अनुसंधान में तेजी आ रही है, यह घोषणापत्र विश्वसनीय तकनीकों, खुले मानकों और टिकाऊ नेटवर्क विकसित करने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। भारत 6जी गठबंधन को इन साझा सिद्धांतों में वैश्विक 6जी गठबंधनों के साथ होने पर गर्व है।

नेक्स्टजी एलायंस, 6जी स्मार्ट नेटवर्क्स एंड सर्विसेज, फिनलैंड की ओउलू यूनिवर्सिटी का 6जी फ्लैगशिप, दक्षिण कोरिया स्थित 6जी फोरम, 6जी ब्रासिल, एनजीएमएन, जर्मनी स्थित 5जी एलायंस फॉर कनेक्टेड इंडस्ट्रीज एंड ऑटोमेशन, यूके इंडिया फ्यूचर नेटवर्क्स इनिशिएटिव, यूकेटीआईएन, जापान का एक्सजी मोबाइल, ईएसए यूरोप और भारत के टीएसडीएसआई तथा नैसकॉम घोषणापत्र का हिस्सा हैं।

समुद्री कृषि उत्पादन बढ़ाने की जरूरत : ग्रिंसन जॉर्ज

कोच्चि। देश की तेजी से बढ़ती समुद्री खाद्य मांग को पूरा करने के लिए समुद्री कृषि उत्पादन को मौजूदा 1.5 लाख टन से बढ़ाकर 2047 तक 25 लाख टन करने की आवश्यकता है। केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) के निदेशक ग्रिंसन जॉर्ज ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में समुद्री कृषि अगली बड़ी घटना है।

सीएमएफआरआई ने जॉर्ज के हवाले से कहा कि समुद्री मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए केज कल्चर और एकीकृत बहुपोषी जलीय कृषि जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। वह सीएमएफआरआई में मत्स्य किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के अवसर पर आयोजित किया गया। जॉर्ज ने कहा कि भारत वर्तमान में समुद्री मत्स्य पालन से सालाना औसतन 35 लाख टन का उत्पादन करता है।

मोदी ने क्वालकॉम के सीईओ से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

- दोनों में एआई और नवाचार पर हुआ विचार-विमर्श

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की चिप विनिर्माता कंपनी क्वालकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टियानो आर. अमोन से मुलाकात की और कृत्रिम मेधा (एआई) और नवाचार में भारत की प्रगति पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टियानो आर. अमोन के साथ यह एक बेहतरीन बैठक थी। इसमें एआई, नवाचार और कौशल विकास में भारत की प्रगति पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत के सेमीकंडक्टर और एआई मिशनों के प्रति क्वालकॉम की प्रतिबद्धता देखकर बहुत अच्छा लगा।

भारत ऐसी प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए बेजोड़ प्रतिभा और व्यापकता प्रदान करता है, जो हमारे सामूहिक भविष्य को आकार देंगी।

अमोन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत एआई और भारत सेमीकंडक्टर मिशनों के समर्थन में क्वालकॉम और भारत के बीच व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ 6जी में बदलाव पर शानदार बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद। अमोन ने कहा कि हम एआई स्मार्टफोन, पीसी, स्मार्ट ग्लास, वाहन, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के अवसरों से उत्साहित हैं।

नई दिल्ली में क्वालकॉम के सीईओ और अध्यक्ष क्रिस्टियानो अमोन से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

लड़कियों को न केवल बचे रहना चाहिए बल्कि उनको फलना-फूलना भी चाहिए

सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा-कुछ राज्यों में बिगड़ते लिंगानुपात चिंताजनक

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने कुछ राज्यों में कथित कन्या भ्रूण हत्या के कारण बिगड़ते लिंगानुपात पर शनिवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि लड़कियों को न केवल बचे रहना चाहिए बल्कि उन्हें फलना-फूलना भी चाहिए।

वह 'यूनिसेफ इंडिया' के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) द्वारा आयोजित ''बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण की ओर विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। न्यायमूर्ति नागरत्ना भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की मौजूदगी में

न्यायमूर्ति नागरत्ना।

कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर जेजेसी के सदस्य न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और शीर्ष न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भारत में एक युवा लड़की को केवल तभी वास्तविक रूप से समान नागरिक माना जा सकता है, जब वह अपने पुरुष समकक्षों की तरह स्वतंत्र रूप से कुछ भी हासिल करने की आकांक्षा रख सके। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो, उसके पैदा होने की संभावना, सही पोषण, देखभाल, शिक्षा और भौतिक संसाधनों तक उसकी पहुंच, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण, स्वयं के बारे में एक अलग भावना का विकास और वह जो कुछ भी हासिल करने का मन बनाती है।

उसे हासिल करने में सक्षम होना, इस देश में पैदा हुए एक लड़के के बराबर है। लड़कियों को न केवल बचे रहना चाहिए बल्कि उन्हें फलना-फूलना भी चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि हालांकि, कई अन्य राज्यों में लिंगानुपात में सुधार देखा गया है। पोषण देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उचित पोषण के बिना, बालिकाओं के उत्थान के सभी प्रयास निरर्थक हो सकते हैं। अक्सर बालिकाओं को भाइयों की तुलना में कम गुणवत्ता वाला भोजन दिया जाता है।

बालिका जन्म लेना ही उसके सामने पहली बाधा

चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि भारत में बालिकाओं के सामने सबसे पहली बाधा उनका जन्म लेना ही है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि कई परिवारों को यह सुनकर निराशा या हताशा महसूस हो सकती है कि बच्चा लड़का नहीं बल्कि लड़की है। उन्होंने कहा कि भारत में बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) में मामूली सुधार ही हुआ है, जो 2011 की जनगणना में प्रति 1000 लड़कों पर 914 लड़कियों से घटकर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में प्रति 1000 लड़कों पर 929 लड़कियों पर आ गया है। हाल में कुछ राज्यों में कथित कन्या भ्रूण हत्या की के कारण बिगड़ते लिंगानुपात की चिंताजनक रिपोर्टें भी आई हैं।

आईपीएस खुदकुशी के मामले में एसपी रोहतक का तबादला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने शनिवार को रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारनिया को हटा दिया। बिजारनिया उन पुलिसकर्मियों में से एक हैं जिनके खिलाफ आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की पत्नी ने कथित तौर पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कार्रवाई की मांग की थी। वहीं विपक्ष ने कहा कि कुमार के परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है।

आईपीएस 2001 बैच के अधिकारी वाई पूरण कुमार (52) ने मंगलवार को यहां सेक्टर 11 में स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। कुमार ने सुसाइड नोट में कुछ अधिकारियों का नाम लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। नोट में बिजारनिया और हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर सहित आठ वरिष्ठ पुलिसकर्मियों पर जाति-आधारित भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और अत्याचार का आरोप लगाया गया था।

आओ रोशन करें जहां...

प्रकाश पर्व दिवाली से पहले जम्मू के बाजार में बिक्री के लिए मिट्टी के दीये सजाती कारीगर।

महिला पत्रकारों का अपमान नारी शक्ति के नारों का खोखलापन

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका गांधी ने कहा-जवाब दें प्रधानमंत्री मोदी
- अफगान विदेशमंत्री मुत्तकी की प्रेसवार्ता से महिला पत्रकारों को बाहर रखने का मामला

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की शुक्रवार को महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर रखने पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए उनके नारी शक्ति के नारों को खोखला बताते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को इजाजत नहीं देने को लेकर कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि इस मुद्दे पर सरकार को जवाब देना चाहिए। गांधी ने एक्स पर शनिवार को कहा कि मोदी जी, जब आपके शासन में महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंचों से बाहर रखने की अनुमति दी जाती है, तो आप देश की हर महिला को यह बता रहे होते हैं कि आप उनके साथ खड़े होने के लिए बहुत कमज़ोर इंसान हैं। हमारे देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है। इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों के खोखलेपन को उजागर करती है।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि : रेलमंत्री वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर किया यात्री सुविधा केंद्र का उद्घाटन

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारतीय रेलवे निम्न और मध्यम आय वर्ग के लिए परिवहन का प्राथमिक साधन है, इसलिए सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके लिए सुविधाएं बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वैष्णव ने यह बात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए नवनिर्मित स्थायी प्रतीक्षास्थल का निरीक्षण करने के बाद कही। यात्री सुविधा केंद्र नामक इस स्थायी प्रतीक्षास्थल को किसी भी समय लगभग 7,000 यात्रियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा और सुविधाएं भारतीय रेलवे के लिए सर्वोपरि हैं, यही वजह है कि इस तरह की कई पहलों को लागू किया जा रहा है। पंद्रह फरवरी, 2025 को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 यात्रियों की मौत के बाद, रेल मंत्रालय ने देश भर के पांच रेलवे स्टेशनों पर स्थायी प्रतीक्षास्थल बनाने का आदेश दिया था। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलावा, अन्य चार स्टेशन आनंद विहार, गाजियाबाद, वाराणसी और अयोध्या हैं।

रेलमंत्री अश्विनी

दिल्ली में कोल्ड्रिफ की बिक्री पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

- कफ सिरप मौत मामला: सरकार ने जारी किया शासनादेश

दिल्ली सरकार ने मानक गुणवत्ता के नहीं होने के कारण कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, खरीद और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार श्रीसन फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर, तमिलनाडु द्वारा मई 2025 में निर्मित कोल्ड्रिफ सिरप (पैरासिटामोल, फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड, क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट सिरप) में 'डाइएथिलीन ग्लाइकॉल' की मिलावट पाई गई, जो एक जहरीला रसायन है और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। सभी हितधारकों को निर्देश दिया जाता है कि वे सिरप की बिक्री, खरीद या वितरण तुरंत बंद कर दें।

मप्र में चिकित्सक की गिरफ्तारी का विरोध : भोपाल। मध्यप्रदेश के हजारों सरकारी चिकित्सकों ने दूषित कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' से 22 बच्चों की मौत के मामले में एक चिकित्सक की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए विरोध दर्ज कराया। चिकित्सकों ने कहा कि डॉ. प्रवीण सोनी को बलि का बकरा बनाया गया है और असली दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। चिकित्सकों ने आरोप लगाया कि विवादित कफ सिरप में जहरीला औद्योगिक विलायक था। उन्होंने मिलावटी दवाओं के निर्माताओं को मृत्युदंड देने की मांग की। विभिन्न संगठनों से जुड़े इन चिकित्साकर्मियों ने अपनी बाहों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया।

जांच में औषधि विभाग की चूक सामने आई

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कांचीपुरम स्थित विनिर्माता के खिलाफ की गई जांच में तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि विभाग (टीएनएफडीए) द्वारा बुनियादी नियामक मानदंडों को लागू करने में चूक सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन (टीएनएफडीए) द्वारा 2011 में लाइसेंस प्राप्त श्रीसन फार्मा ने अपने खराब बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघनों के बावजूद एक दशक से अधिक समय तक बिना किसी रोक-टोक के संचालन जारी रखा।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल: राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल अस्पताल में भर्ती

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को शनिवार को अचानक स्वास्थ्य समस्याएं उभरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल सामान्य है। राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर 80 वर्षीय पौडेल को काठमांडू के मनमोहन 'कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर ट्रांसप्लांट सेंटर' में भर्ती कराया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति ने अचानक तेज सिरदर्द और उल्टी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत एमसीवीटीसी ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक पौडेल की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रहे हैं और फिलहाल उनकी हालत सामान्य है। पौडेल को शनिवार सुबह जेन जी समूह के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करनी थी, जिनमें से लगभग 20 बातचीत के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंच चुके थे।

कनाडा की विदेश मंत्री आज से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की रविवार से शुरू होने वाली भारत यात्रा के दौरान दोनों देश व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा के क्षेत्रों में 'रणनीतिक' सहयोग की रूपरेखा तय करने पर विचार करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि आनंद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ व्यापक चर्चा करेंगी। इस चर्चा में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आनंद की तीन देशों की यात्रा में भारत उनका पहला पड़ाव होगा। इस यात्रा के दौरान वह सिंगापुर और चीन भी जाएंगी। कनाडा ने एक बयान में बताया कि आनंद नई दिल्ली में जयशंकर और गोयल से मुलाकात करेंगी।

सूडान : अर्धसैनिक बल के हमले में 53 की मौत

काहिरा। सूडानी अर्धसैनिक बलों द्वारा दारफुर शहर में एक आश्रय स्थल पर किए गए हमले में 14 बच्चों सहित कम से कम 53 लोग मारे गए। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि अल-फशर शहर पर हुए हमले में पांच बच्चों और सात महिलाओं सहित 21 अन्य लोग घायल हो गए। उसने बताया कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज द्वारा किया गया हमला अल-अरकम शिविर पर हुआ, जहां उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-फशर में विस्थापित परिवारों को आश्रय दिया गया था।

अमेरिका : फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में 4 लोग मारे गए

हिडेलबर्ग, एजेंसी

● मिसिसिपी के स्कूल ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित किया था मैच

अमेरिका के मिसिसिपी डेल्टा क्षेत्र के लेलैंड में हाई स्कूल में पूर्व छात्रों के लिए आयोजित फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में चार व्यक्ति मारे गए। इसके अलावा करीब 12 लोगों के घायल होने की खबर है। गोलीबारी से यहां मौजूद भीड़ में भगदड़ मच गई।

यह जानकारी सीनेटर डेरिक सिमंस ने दी। क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सिमंस ने बताया कि गोलीबारी मिसिसिपी के छोटे से नगर लेलैंड के शहरी क्षेत्र में हुई, जहां लोग खेल के बाद एकत्र हुए थे। क्षेत्र के सीनेटर सिमंस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए चार अन्य पीड़ितों को पहले ग्रीनविले के एक अस्पताल ले जाया गया और फिर उन्हें प्रांत की राजधानी जैक्सन के एक बड़े अस्पताल ले जाया गया। सिमंस ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यह जानकारी सही है, क्योंकि यह मामले की जांच कर रहे वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय तथा अन्य कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई है।

मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकार बाहर

छह दिन की भारत की यात्रा पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को न बुलाया जाना भारत में राजनीतिक मुद्दा बन गया है। इसके साथ ही महिला अधिकारों की स्थिति पर नई बहस शुरू हो गई है। पूरी दुनिया के लिहाज से देखा जाए तो कम ही देश हैं जहां महिलाओं को पूरी तरह बराबरी का दर्जा हासिल है। कई देशों में महिलाओं की स्थिति काफी दयनीय है और उनमें अफगानिस्तान का नाम सबसे ऊपर आता है जहां तालिबानी शासन ने उनकी जिंदगी और ज्यादा नर्क बना दी है। अफगानिस्तान के अलावा कई और देश हैं जहां महिलाओं को सैकड़ों साल पुरानी कुरीतियों से जूझना पड़ रहा है। इनमें कई देश अफ्रीकी हैं या उनमें इस्लामी शासन है। अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के लिहाज से देखा जाए तो भारत की स्थिति भी 146 देशों में 129वीं ही है। यानी महिलाओं के अधिकारों के मामले में यहां भी स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं है।

दुनिया में महिला अधिकार

सबसे खराब 10 देश

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक महिला अधिकारों में सबसे निचले स्थान पर दुनिया के 10 देशों में अफगानिस्तान, चाड, सूडान, ईरान, पाकिस्तान, यमन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, माली, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, नाइजर हैं।

क्या कहते हैं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े

- अफगानिस्तान में सबसे खराब स्थिति जहां तालिबानी शासन के बाद महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी पर लगभग पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है।
- यमन में दशकों से गृहयुद्ध और गरीबी की वजह से महिलाओं को बुनियादी स्वास्थ्य, शिक्षा या न्याय नहीं मिलता, बाल विवाह की दर बेहद ऊंची, घरेलू हिंसा अपराध नहीं माना जाती।
- सूडान में सैन्य शासन और संघर्षों के कारण महिलाओं पर हिंसा, बलात्कार और अपहरण की घटनाएं बढ़ी हैं। महिला जननांग विकृति (एफजीएम) प्रथा अब भी व्यापक रूप से प्रचलित है।
- ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर सख्त धार्मिक नियंत्रण है। हिजाब कानून तोड़ने पर गिरफ्तारी होती है। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद महिला विरोध पर कड़ी कार्रवाई हुई।
- सोमालिया एफजीएम और लैंगिक हिंसा में शीर्ष पर है। महिलाओं के साथ ऐसे ही हालात सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, सीरिया, पाकिस्तान, नाइजर और इराक समेत कई और देशों में है।

घृणित एफजीएम प्रथा

- डब्ल्यूएचओ के मुताबिक एफजीएम ऐसी प्रथा है महिला के बाहरी जननांग का हिस्सा आंशिक या पूर्ण रूप से काट दिया जाता है।
- सोमालिया में 98% महिलाएं इस प्रथा से गुजरी हैं। गिनी में यह स्थिति 97%, जिबूती में 93% और मिस्र में 87% के लगभग है।
- सिएरा लियोन, माली, सूडान, गाम्बिया, इथियोपिया, मॉरिटानिया, नाइजर, एरिट्रिया, नाइजीरिया, केन्या, इंडोनेशिया में भी यह प्रथा।

वैश्विक स्थिति : अनुमानित तौर पर करीब 20 करोड़ महिलाएं और लड़कियां एफजीएम की शिकार हुई हैं। औसतन हर साल लगभग 40 लाख नई लड़कियां इस प्रथा की शिकार बनती हैं। अधिकांश मामलों में इनकी उम्र पांच से 15 वर्ष के बीच होती है।

भारत में महिला अधिकार

- ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 के मुताबिक कुल 146 देशों में भारत की रैंक 129 है। 2023 में भारत 127वें स्थान पर था।
- पुरुषों की साक्षरता दर 84%, महिलाओं की 70% है मगर ग्रामीण इलाकों में यह अंतर अभी भी काफी अधिक है।
- रोजगार या आर्थिक तौर पर महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी 25% है। महिलाओं की संसद में हिस्सेदारी सिर्फ 15% है।
- लिंगानुपात असंतुलित, 940 महिलाओं पर 1000 पुरुष हैं। बालिका भ्रूणहत्या और पोषण असमानता मुख्य कारण है।
- एनसीआरबी के मुताबिक हर दिन भारत में अधिक बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। घरेलू हिंसा, ऑनर किलिंग भी व्यापक।

अमेरिका और चीन के बीच फिर बढ़ी तनातनी

अमेरिका ने लगाया 100% टैरिफ तो चीन ने संयुक्त राष्ट्र में उठाया वेनेजुएला में हस्तक्षेप का मामला

वाशिंगटन/संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

अमेरिका और चीन के बीच बात बनते-बनते फिर बिगड़ने लगी है। चीन की ओर से दुर्लभ खनिजों के के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर सौ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है तो ऐन इसी वक्त बीजिंग की ओर से संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के वेनेजुएला में हस्तक्षेप बढ़ाने से क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा होने का आरोप लगाया है।

चीन ने इस हफ्ते नए प्रतिबंध लागू किए हैं जिनके अंतर्गत विदेशी संस्थाओं को चीन से प्राप्त या चीन में प्रसंस्कृत 0.1 प्रतिशत से ज्यादादा दुर्लभ खनिजों वाले किसी भी उत्पाद के निर्यात के लिए लाइसेंस लेना आवश्यक है। चीन वर्तमान में दुनिया भर में दुर्लभ खनिजों की लगभग 70 प्रतिशत आपूर्ति को नियंत्रित करता है, जो स्मार्टफ़ोन से लेकर सैन्य उपकरणों तक की तकनीकों के लिए ज़रूरी हैं। वर्तमान में चीन की वस्तुओं पर 30 प्रतिशत अमेरिकी आयात शुल्क लगा हुआ है, जिसे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान लागू किया था।

ट्रंप अब बोले- शी के साथ शिखर बैठक रद्द नहीं की

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैंने शी जिनपिंग के साथ शिखर बैठक को रद्द नहीं किया है। मैं वहां ज़रूर जाऊंगा। लेकिन अचानक वह आयात-निर्यात की पूरी अवधारणा लेकर आए और किसी को इसके बारे में कुछ पता नहीं था। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा था कि दुर्लभ खनिज निर्यात के संबंध में चीन की बेहद शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के बाद जिनपिंग से मुलाक़ात करने का कोई कारण नहीं है।

- **ट्रंप और शी के व्यापारिक टकराव से गिरे शेयर बाजार**
  शेयर बाजारों ने इस खबर पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की, नैस्डैक में 3.6 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 2.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दुर्लभ खनिज वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं रक्षा उद्योगों के लिए बहुत अहम हैं। ट्रंप ने घोषणा की है कि उनका प्रशासन दुर्लभ खनिज निर्यात पर चीन की कड़ी पकड़ के जवाब में किसी भी और सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लागू करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यह विश्वास करना बहुत कठिन है कि चीन ने ऐसी कार्रवाई की होगी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया और बाकी सब इतिहास है। उन्होंने चीन की ओर से दुर्लभ खनिज निर्यात नियंत्रण पर आश्चर्य व्यक्त किया तथा इसे अचानक उठाया कदम करार दिया।

उधर, चीन ने संयुक्त राष्ट्र में कैरिबियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताते हुए वेनेजुएला के पास अमेरिकी सैन्य अभियान को इसकी प्रमुख वजह बताया है। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि फू कांग ने नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने की आड़ में वेनेजुएला के कैरिबियन जलक्षेत्र में हाल ही में अमेरिकी सैन्य तैनाती की आलोचना की। उन्होंने वेनेजुएला के जहाजों को डुबोने, नाविकों पर गोली चलाने और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त करने जैसी कार्रवाइयों का उल्लेख किया। फू ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि तथाकथित अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किसी अन्य देश के जहाजों के खिलाफ अमेरिका की एकतरफा कार्रवाई बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही है।

ईरानी ऊर्जा व्यापार पर निशाना, आठ भारतीयों और कई कंपनियों पर लगा अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरानी ऊर्जा व्यापार में मदद करने के आरोप में 50 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें आठ भारतीय नागरिक और भारत स्थित कई कंपनियां शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उपयोग किए जा रहे धन को रोकने के लिए लगभग 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने ईरानी पेट्रोलियम और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का वैश्विक बाजारों में निर्यात करने में शामिल 50 से अधिक संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन दोनों विभागों द्वारा जारी की गई सूचियों में आठ भारतीय नागरिकों के नाम शामिल हैं। इन्हें अमेरिका की स्पेशयली डेजिग्नेटेड नेशनल्स एंड ब्लॉक्ड पर्सन सूची में शामिल किया गया है।

डॉक्टरों की जांच में पूरी तरह स्वस्थ पाए गए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य जांच कराई, जिसके बाद उनके डॉक्टर ने कहा कि राष्ट्रपति पूरी तरह स्वस्थ हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने बेटेस्डा, मैरीलैंड स्थित अस्पताल में लगभग तीन घंटे बिताए। उनके चिकित्सक नेवी कैप्टन सीन बारबाबेला ने इसे नियमित जांच बताया। इस दौरान ट्रंप ने सालाना फ्लू और कोविड-19 का बूस्टर टीका भी लगवाया।

इजराइल ने फिर फंसाया पेच फिलिस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता को छोड़ने से किया इन्कार

रामल्ला (वेस्ट बैंक), एजेंसी

इजराइल गाजा संघर्ष विराम समझौते के तहत होने वाली इजराइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली में फिलिस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता मरवान बरगूती को रिहा करने का इच्छुक नहीं है। इजराइल ने उन हाई-प्रोफाइल कैदियों को रिहा करने से भी इन्कार कर दिया है, जिन्हें छोड़ने की हमास काफी समय से मांग कर रहा है।

हालांकि] अभी यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को इजराइल सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर डाली गई 250 कैदियों की सूची अंतिम है या नहीं। हमास के वरिष्ठ अधिकारी मूसा अबू मरजूक ने अल जजीरा टीवी नेटवर्क से कहा कि समूह बरगूती और अन्य हाई-प्रोफाइल कैदियों को रिहा करने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थों के साथ इस मामले पर बातजीत जारी है। इजराइल बरगूती को आतंकवादी मानता है। इजराइल में हुए हमलों में पांच लोगों की मौत के मामले में 2004 में दोषी पाए जाने के बाद से वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

अपने घरों की ओर लौटे हजारों फिलिस्तीनी

वादी गाजा। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के लागू होने के बाद शुक्रवार को हजारों फलस्तीनी उत्तरी गाजा लौटे। इस समझौते से इजराइल और हमास के बीच युद्ध का अंत होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। हमास की ओर से शेष सभी बंधकों को कुछ ही दिन में रिहा कर दिया जाएगा। समझौते के बावजूद यह सवाल बरकरार है कि इजराइली सैनिकों के धीरे-धीरे पीछे हटने के बाद गाजा पर शासन कौन करेगा और क्या हमास अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना के अनुसार हथियार डालेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मार्च में युद्धविराम समझौता एकतरफा तरीके से समाप्त कर दिया था।

ई-3 देशों ने की गाजा के पुनर्निर्माण में योगदान की घोषणा

मास्को। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (ई3) ने अभी हाल ही में इजराइल और फिलीस्तीन के हमास के बीच घोषित युद्धविराम योजना के अनुरूप गाजा के पुनर्निर्माण और संक्रमणकाल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की है।

हालांकि ई3 गाजा में इजराइल द्वारा बस्ती बसाए जाने का विरोध करती है। ई3 देशों की भागीदारी एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा होगी जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, अरब देश और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह इजराइल और हमास के बीच एक युद्धविराम समझौता करवाया है जिससे संभवतः उस युद्ध का अंत हो सकता है जिसमें इजराइल पर हमास के हमले में 1,000 से अधिक लोग मारे गए थे। जवाब में इजराइली अभियान में गाजा में हजारों फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

उत्तर कोरिया ने किया नई अंतर महाद्वीपीय मिसाइल का प्रदर्शन

सियोल। विदेशी नेताओं की उपस्थिति में आयोजित एक विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपनी परमाणु हथियार से सुसज्जित सेना के सबसे शक्तिशाली हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल है।

उत्तर कोरिया आने वाले दिनों में इस मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है। सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार रात प्योंगयांग के मुख्य चौक पर बारिश के बीच परेड शुरू हुई। इस परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक शस्त्रागार बनाने के उनके अथक प्रयास को उजागर किया, जो महाद्वीपीय अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बना सकता है।

फ्रांस में हैरतअंगेज घटनाक्रम में मैक्रों ने लोकार्नू को फिर बनाया प्रधानमंत्री

पेरिस, एजेंसी

● चार दिन पहले ही इस्तीफा देकर पैदा कर दी थी भारी उथलपुथल

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सेबेस्टियन लेकोर्नू को फिर प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। चार दिन पहले ही लेकोर्नू ने पद से इस्तीफा दिया था। इससे देश में एक सप्ताह भारी राजनीतिक उथल-पुथल रही।

मैक्रों ने शुक्रवार देर रात यह घोषणा की। उन्होंने एलिसी पैलेस में सभी मुख्य दलों के साथ बैठक की, जिसमें धुर दक्षिणपंथी एवं धुर वामपंथी नेताओं को छोड़कर अन्य सभी शामिल थे। लेकोर्नु की वापसी को आश्चर्यजनक माना जा रहा है है, क्योंकि उन्होंने दो दिन पहले ही राष्ट्रीय टीवी पर कहा था कि वह पद के पीछे नहीं भाग रहे थे और उनका मिशन पूरा हो चुका है। यह निश्चित नहीं है कि वह सरकार बना पाएंगे या नहीं, लेकिन उन्हें ज़मीनी स्तर पर काम करना होगा।

नए प्रधानमंत्री के पास अगले साल का बजट संसद में पेश करने के लिए सोमवार तक का ही समय है। एलिसी पैलेस ने कहा कि राष्ट्रपति ने लेकोर्नु को सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है और मैक्रों की पार्टी ने संकेत दिया है कि उन्हें कार्य करने की पूरी छूट प्रदान की गई है। लेकोर्नु ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति की ओर से सौंपे गए मिशन को मैंने स्वीकार किया है, ताकि वर्ष के अंत तक फ्रांस को बजट प्रदान किया जा सके और हमारे देशवासियों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान किया जा सके।

चुनौती: प्राप्त करना होगा विश्वास मत लेकिन बहुमत नहीं

लेकोर्नू के लिए यह और भी मुश्किल है कि उन्हें नेशनल असेंबली में विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा, जहां राष्ट्रपति मैक्रों के पास उनके समर्थन में बहुमत नहीं है। एलाबे पोल के अनुसार, इस सप्ताह राष्ट्रपति की लोकप्रियता रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है, जिसमें उनकी अनुमोदन रेटिंग मात्र 14 प्रतिशत है। उन्हें पहली बार नौ सितंबर को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था और सरकार बनाने में उन्हें तीन सप्ताह लग गए, लेकिन रातोंरात यह सरकार गिर गई, जब रूढ़िवादी रिपब्लिकन के नेता ब्रूनो रिटेलो ने मंत्री पद की एक नियुक्ति की आलोचना की।

लोकतंत्र भारत की आत्मा, समानता उसका संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

● बारबाडोस में आयोजित 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में बोले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण है तथा संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शक दीपस्तंभ रहा है।

बिरला ने बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में "राष्ट्रमंडलः एक वैश्विक भागीदार" विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते इस बात पर ज़ोर भी दिया कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की जरूरत है।

बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूंढे जा सकते। उन्होंने खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के महत्व पर ज़ोर देते हुए दुनिया के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका का उल्लेख किया। बिरला का कहना था कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है।

बिरला ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण उल्लेख किया। भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र की भावना इसकी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और ग्राम पंचायत प्रणाली में निहित है। उन्होंने कहा, संवाद, सहमति और सामूहिक निर्णय लेने की परंपरा ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनाया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 14.16 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

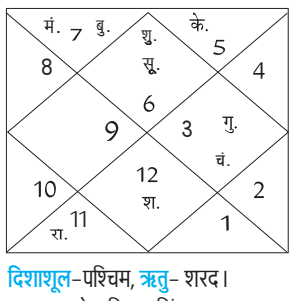

दिशाशूल-पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 13.36 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज आपका आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। काम से फ्री होकर पर्यटन के लिए जा सकते हैं। अपने खर्चों में नियंत्रण पा लेंगे। आप कुछ नई स्किल सीख सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृष — आज घर-परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। नौकरी में पदोन्नति मिलने के योग बन रहे हैं। प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

मिथुन — आज परिवार के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन ला सकते हैं। परिवार के बड़ों का सहयोग प्राप्त होगा। समस्याओं का समाधान होने से आपका तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क — आज अपने काम पर आपको अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। लंबी दूरी की यात्रा न करें। किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। अपने खानपान को लेकर सावधानी रखें। मानसिक रूप से अस्थिरता महसूस कर सकते हैं।

सिंह — आज बच्चों की सफलता से आपको गौरव की अनुभूति होगी। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको शरीर को काफी आराम देने की आवश्यकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों में विजय प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। लोग आपकी बातों से अत्यधिक प्रभावित रहेंगे।

कन्या — आज अपने कारोबार को लेकर बड़ा लक्ष्य बनाएंगे। उच्च शिक्षण संस्थान के प्रवेश में आ रही बाधा दूर होगी। आपको पिता के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने काम की गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा।

तुला — आज अपने प्रेमी से दिल की बात कह सकते हैं। यदि आप नौकरी बदलना चाह रहे हैं तो यह दिन बहुत ही अच्छा है। अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। आपको नया काम करने से बचना चाहिए। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे।

वृश्चिक — आज आपके विचारों में नकारात्मकता जगह ले सकती है। सेहत में थोड़ी खराबी आने की आशंका है। अपनी गलतियों को लेकर पछतावा हो सकता है। नई संपत्ति में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका काम बिगड़ सकता है।

धनु — आज काफी दिनों से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आप अपने कार्यों को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मकर — आज आपको नया रोजगार मिल सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में धन लाभ होगा। पुराना कर्ज चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। रक्तविकार उत्पन्न हो सकते हैं। धैर्यवान होकर अपना काम करें फिलहाल अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

कुंभ — आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेमीजन के साथ रोमांटिक डेट पर जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके रचनात्मक विचारों और सुझाव की प्रशंसा होगी। शाम के समय परिजनों की किसी बात पर आपको क्रोध आ सकता है।

मीन — आज आपकी योजनाओं में अचानक परिवर्तन आने से काम बिगड़ सकते हैं। शरीर में कोई समस्या या कमजोरी महसूस हो तो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। परिवार के साथ समय अवश्य बिताएं।

सुडोकू-127

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		4		5		
	5			6	1			
		9			3			
	6	3		7		2		
	8		3		9		4	
		2			6	8	9	
			8			3		
4			2	3				
		5		9		1		

सुडोकू - 126 का हल

2	8	1	9	3	7	6	5	4
4	6	7	1	8	5	2	3	9
5	3	9	6	4	2	1	8	7
1	4	3	5	6	8	7	9	2
7	2	5	3	9	1	4	6	8
6	9	8	2	7	4	5	1	3
8	5	2	4	1	3	9	7	6
9	7	4	8	5	6	3	2	1
3	1	6	7	2	9	8	4	5

हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी के साथ नहीं खेल सके। हमें इसमें सुधार करना होगा और बड़े स्कोर बनाने होंगे। हमें आत्ममंथन करके सकारात्मक सोच के साथ उतरना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज टीम पूरी ताकत से खेलेगी।

-कप्तान हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

हल्द्वानी, रविवार 12 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

श्वेतपर्णा को मिलेगा एकलव्य पुरस्कार

भुवनेश्वर : बैडमिंटन खिलाड़ी श्वेतपर्णा पांडा को 2025 के एकलव्य पुरस्कार के लिए चुना गया है जबकि भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई और टेनिस खिलाड़ी अहान को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। एकलव्य पुरस्कार समिति के अध्यक्ष और (पुरस्कार की शुरूआत करने वाले) भारतीय धातु एवं सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी बैजयंत पांडा ने शनिवार को यहां चयन समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। बयान के अनुसार पुरस्कार के तहत श्वेतपर्णा पांडा को एकलव्य पुरस्कार समारोह में सात लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी जबकि भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई और टेनिस खिलाड़ी अहान को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक प्रशस्ति पत्र विजेता को पुरस्कार समारोह में 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा।

कोच ने अरशद नदीम का बचाव किया

कराची : पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल ने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में इस भाला फेंक खिलाड़ी के 10वें स्थान पर रहने के बाद पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर अपने शिष्य का बचाव किया। पीएसबी ने इकबाल से नदीम के प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण देने और उनके ट्रेनिंग कार्यक्रम और उन पर खर्च की गई राशि का विवरण देने को कहा। इकबाल ने पीएसबी को भेजे अपने जवाब में कहा कि हर शीर्ष एथलीट बुरे दौर से गुजरता है और कभी उसका प्रदर्शन भी खराब हो सकता है।

गिल के शतक से भारत का विशाल स्कोर

दिल्ली टेस्ट : मेजबानों ने 5-518 पर घोषित की पारी, वेस्टइंडीज फॉलोऑन बचाने के लिए संघर्षरत

नई दिल्ली, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल के करियर के दसवें टेस्ट शतक और रविंद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर भेजकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां एक और बड़ी जीत की उम्मीद जगा दी। भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर समाप्त घोषित की। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 140 रन बनाए हैं और वह भारत से अभी 378 रन पीछे है। फिलहाल मेहमानों का लक्ष्य फॉलोऑन बचाने का है, जिसमें अभी वह 178 रन पीछे है।

भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 140 रन से जीता था और अगर यहां उसे फॉलोऑन देने का मौका मिलता है तो वह इससे नहीं हिचकिचाएगा। गिल पारी समाप्ति की घोषणा करके पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह जल्द से जल्द मैच समाप्त करना चाहते हैं। भारत की पारी के आकर्षण यशस्वी जायसवाल (258 गेंदों पर 175 रन) और कप्तान शुभमन गिल (196 गेंदों पर नाबाद 129 रन) के शतक रहे। इन दोनों के अलावा साई सुदर्शन (87) ने अर्धशतक बनाया।

वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (98 रन देकर तीन विकेट) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसने जल्द ही अपना पहला विकेट गंवा दिया। सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल (10) जडेजा की गेंद पर लगाए गए अपने ज़ोरदार स्वीप शॉट के साई सुदर्शन के हाथों में चिपक जाने से पवेलियन लौटे। सुदर्शन ने खुद को बचाने की कोशिश की। गेंद उनके दाहिने हाथ पर लगी और वहीं पर ठहर गई जिससे बल्लेबाज भी हैरान रह गया।

वेस्टइंडीज ने तीसरे सत्र में कुछ समय के लिए अच्छा संघर्ष किया लेकिन इसके बाद उसने जल्द ही तीन विकेट खो दिए। जडेजा ने तेगनारायण चंद्रपाल (34) को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर एलिस अथांजे (41) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी को तोड़ा।

जडेजा ने इसके बाद वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज को अपनी ही गेंद पर कैच करके उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया। इस बीच कुलदीप यादव ने एलिस अथांजे को आउट किया। जडेजा ने 37 रन देकर तीन और कुलदीप ने 45 रन देकर एक विकेट लिया है। दिन का खेल समाप्त होने के समय शाई होप 31 और टेविन इमलाच 14 रन पर खेल रहे थे।

गिल ने भारत की पहली पारी तब समाप्त घोषित कर दी जब ध्रुव जुरेल (79 गेंदों पर 44 रन) रोस्टन चेज की गेंद पर पुल करने की कोशिश में बोल्ड हो गए। गिल के पास दोहरा शतक पूरा करने के लिए पर्याप्त समय था, लेकिन कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने बड़ी पारी खेलना ज्यादा मायने नहीं रखता। दूसरे सत्र में लगभग एक घंटा बीत चुका था और गिल को ड्रेसिंग रूम से संकेत मिला कि अब मेहमान टीम को बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतारने का समय आ गया है।

पारी के दौरान शॉट लगाते वेस्टइंडीज के एलिस अथांजे। एजेंसी

भारत

518/5 (पारी घोषित) (134.2 ओवर)

- यशस्वी जायसवाल रन आउट 175
- राहुल स्टं इमलाच बो वारिकन 38
- सुदर्शन एलबीडब्ल्यू बो वारिकन 87
- शुभमन गिल नाबाद 129
- नीतीश कॉ सील्स बो वारिकन 43
- ध्रुव जुरेल बो रोस्टन चेज 44

गेंदबाजी : जेडन सील्स 22-2-88-0, एंडरसन फिलिप 17-2-71-0, जस्टिन ग्रीव्स 14-1-58-0, खैरी पियरे 30-2-120-0, जोमेल वारिकन 34-6-98-3, रोस्टन चेज़ 17 .2-0-83-1

वेस्टइंडीज

140/4 (43 ओवर)

- कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा 10
- चंद्रपाल का राहुल बो जडेजा 34
- अथांजे का जडेजा बो कुलदीप 41
- शाई होप खेल रहे हैं 41
- रोस्टन चेज का एवं बो जडेजा 00
- टेविन इमलाच खेल रहे हैं 14

गेंदबाजी : बुमराह 6-3-18-0, सिराज, 4-0-9-0, जडेजा 14-3-37-3, कुलदीप, 12-3-45-1, वाशिंगटन 7-1-23-0

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर मिली शिकस्त को कभी नहीं भूल सकता : गंभीर

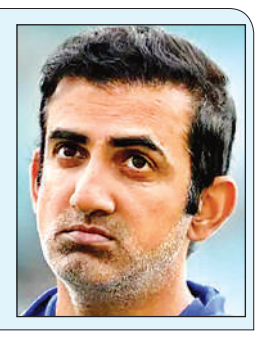

नई दिल्ली : पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर मिली 0-3 की हार आज भी भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को कचोटती है। और वह नहीं चाहते कि उनके खिलाड़ी भविष्य की तैयारी करते हुए टेस्ट मैचों में मिली उस करारी शिकस्त हार को भूल जाएं। यह घरेलू सरजमीं पर 12 साल में भारत की टेस्ट शृंखला में पहली हार थी। गंभीर ने जियोहॉटस्टार से कहा मैं अगर ईमानदारी से और दिल से कहूं, तो मुझे नहीं लगता कि अपने कोचिंग कार्यकाल में मैं इसे कभी भूल पाऊंगा। मुझे इसे भूलना भी नहीं चाहिए। मैंने खिलाड़ियों से भी यही कहा है कि आगे देखना जरूरी है, लेकिन कभी-कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शीर्ष क्रम को दिखाना होगा दमखम

विशाखापत्तनम, एजेंसी

जीत के करीब पहुंचकर पिछला मैच गंवाने वाली भारतीय टीम का महिला विश्व कप के सबसे कठिन मुकाबले में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया से शनिवार को सामना होगा तो खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा वरना सेमीफाइनल की राह असंभव हो जाएगी।

आईसीसी टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत का इंतजार कर रही भारतीय टीम ने पहले दो मैचों में निचले क्रम के प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया। लेकिन यहीं एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बृहस्पतिवार को टूर्नामेंट की पहली कठिन परीक्षा में हरमनप्रीत कौर की टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम अभी तीन मैचों में चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और एक और हार उसे तालिका में नीचे धकेल देगी। वहीं आस्ट्रेलिया तीन मैच में पांच अंक लेकर शीर्ष पर है।

दक्षिण अफ्रीका से हार ने सेमीफाइनल की भारत की राह कठिन कर दी है चूंकि अब अगले तीनों मैचों में भारत को आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी दिग्गज टीमों से खेलना है और अब कोई भी कोताही भारी पड सकती है। लगातार तीसरे मैच में सितारों से सजा भारत का शीर्षक्रम नाकाम रहा और आठवें नंबर पर उतरी रिचा घोष के 94 रन की मदद से मेजबान टीम 251 रन बना सकी। जवाब में गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन आठवें नंबर की बल्लेबाज नेडाइन डि क्लार्क के 54 गेंद में नाबाद 84 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हरा दिया।

इस हार ने भारतीय शीर्षक्रम की नाकामी को लेकर चिंता बढा दी और एक छठे गेंदबाज की कमी भी महसूस हुई। वनडे विश्व कप में आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में सेमीफाइनल में 115 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने वाली मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत का बल्ला अभी तक खामोश है जो पिछले तीन मैचों में 21,19 और नौ रन ही बना सकी हैं जबकि इस साल शानदार प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना ने 8, 23 और 23 रन बनाये हैं। प्रतिका रावल ने 37, 31 और 37 रन बनाए। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रौड्रिग्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन बनाये लेकिन बाकी दोनों मैचों में खाता भी नहीं खोल सकी और तीनों बार बायें हाथ की स्पिनरों ने उन्हें आउट किया। भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से कोई अर्धशतक नहीं बना सका है।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया ने अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट 76 रन पर गंवाने वाली गत चैंपियन टीम को बेथ मूनी ने शतक जमाकर संकट से निकाला।

अभ्यास सत्र के दौरान ओपनर बल्लेबाज प्रतिका रावल। एजेंसी

- अब कोई भी कोताही सेमीफाइनल की राह में पड़ सकती है भारी, मुकाबला दोपहर 3 बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगान शूट , अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

जल्दी फॉर्म में लौटेंगी शीर्षक्रम के बल्लेबाज : राणा

विशाखापत्तनम : विश्व कप के पहले तीन मैचों में भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के बीच हरफनमौला स्नेह राणा ने शनिवार को कहा कि सभी बल्लेबाजों को पता है कि कहां चूक हो रही है और उस पर व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं।

तीनों मैचों में निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारत को संकट से निकाला। सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को सबसे अहम ग्रुप मुकाबले से पहले राणा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हमें पता है कि आस्ट्रेलिया सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन हम भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।

हमने अतीत में उनके खिलाफ मैच खेले हैं और उन्हें हराया भी है। कोशिश यही रहेगी कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें और जीत के साथ आगे जाए। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या अपेक्षा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म उतनी चिंता का विषय नहीं है। ये वही बल्लेबाज है जो अब तक अच्छा खेलते आए हैं।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया

नटाली साइवर ब्रंट का रिकॉर्ड शतक

कोलम्बो, एजेंसी

कप्तान नटाली साइवर ब्रंट (117 रन/ दो विकेट) और सोफी एकल्सटन (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शनिवार को महिला विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 26 गेंदे शेष रहते 89 रनों से हरा दिया। नटाली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

253 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसकी कप्तान चामरी अटापट्टू को चोटिल होने के कारण रिटायर्ड होना पड़ा। हालांकि बाद में बल्लेबाजी करने उतरी और उन्हें एकल्सटन ने 15 रन पर बोल्ड आउट किया। विष्मी गुणारत्ने (10), हसिनी परेरा (35), हर्षिता समाराविक्रमा (33), कविशा दिलहारी (चार), अनुष्का संजीवनी (10), देवमी विहंगा (तीन),नीलाक्षी डिसिल्वा (23) और सुगंधिका कुमारी चार रन बनाकर आउट हुई। 46वें ओवर की चौथी गेंद पर लिंसी स्मिथ ने उदेशिका प्रबोधनी (शून्य) को आउटकर 164 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया। इंग्लैंड के लिए सोफी एकल्सटन ने चार 10 ओवरों में 17 रन देकर चार विकेट लिये। नटाली साइवर ब्रंट और शार्लेट डीन को दो-दो विकेट मिले। ऐलिस कैप्सी और उदेशिका प्रबोधनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड ने नैट शिवर -ब्रंट 117 की शतकीय पारी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 253 रनों को स्कोर खड़ा किया। नैट शिवर-ब्रंट ने 117 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाए। बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद, उन्होंने पावरप्ले में तेज शुरुआत की, लेकिन दो विकेट गंवाने के बाद उनकी गति धीमी पड़ गई। श्रीलंका ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए, लेकिन वे शिवर-ब्रंट को आउट नहीं कर पाए, जिन्होंने इंग्लैंड की पारी को गति दी।

शतक लगाने के बाद जश्न मनातीं इंग्लैंड की कप्तान नटाली साइवर ब्रंट। एजेंसी

विश्व पैरा स्वर्ण विजेता सिमरन के गाइड डोपिंग में फेल

नई दिल्ली : विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा को अपने पदक गंवाने पड़ सकते हैं क्योंकि उनके गाइड उमर सैफी को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। सैफी सात महीने से अधिक समय से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके नमूने में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया है। यह प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है, जो मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है। सिमरन ने सात सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां संभवतः यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी रूप से निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है।

कास्परोव ने आनंद को 13-11 से हराया

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

क्लच शतरंज लीजेंड्स

गैरी कास्परोव ने क्लच शतरंज लीजेंड्स प्रतियोगिता के 10वें गेम में विश्वनाथन आनंद को हराकर दो गेम शेष रहते मैच जीतकर 30 साल पहले का इतिहास दोहराया। वह 10 अक्टूबर 1995 का दिन था जब आनंद ने न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर कास्परोव के खिलाफ 20 गेम वाले क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप मैच में 18वें गेम में ड्रॉ खेला और 7.5-10.5 से हार गए थे।

वर्तमान टूर्नामेंट में नियमों के अनुसार अंतिम दो बाजियां ब्लिट्ज़ टाइम कंट्रोल के तहत खेली गईं और आनंद ने दो जीत हासिल कीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और रूस के खिलाड़ी ने पहले ही अपनी जीत पक्की कर दी थी। आखिर में स्कोर 13-11 से कास्परोव के पक्ष में रहा। उन्होंने इस तरह से 78,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि जीती, जबकि आनंद ने 1,44,000 डॉलर के मुकाबले में 66,000 डॉलर अपने नाम किए। मैच के अंतिम दिन से पहले कास्परोव ने पांच अंक की बढ़त ले रखी थी। आनंद के पास वापसी का मौका था, क्योंकि अंतिम दिन 12 अंक दांव पर लगे थे और प्रत्येक जीत तीन अंकों की थी। आनंद ने दिन की शुरुआत कड़े मुकाबले में ड्रॉ से की लेकिन अगला गेम हार गए।

एम्बाप्पे ने दिलाई फ्रांस को जीत जर्मनी भी विजयी

पेरिस : काइलियन एम्बाप्पे ने हाल ही में लगी टखने की चोट से उबरते हुए फ्रांस की विश्व कप क्वालीफाइंग में अजरबैजान पर 3-0 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस स्टार फुटबॉलर ने एक गोल किया तथा एक अन्य गोल करने में मदद की जिससे फ्रांस ने यूरोपीय क्वालीफाइंग में लगातार तीसरा मैच जीत कर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा।

एम्बाप्पे ने इस तरह से फ्रांस की तरफ से 53 गोल कर लिए हैं और वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें ओलिवियर गिरौड को पछाड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंचने के लिए पांच गोल और करने की जरूरत है। एक अन्य मैच में जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 4-0 से जीत हासिल कर वापसी की।

शंघाई मास्टर्स टेनिस | मोनाको के वेलेंटिन वाशरो ने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया

नोवाक जोकोविच उलटफेर का शिकार हुए

शंघाई, एजेंसी

वेलेंटिन वाशरो ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर शनिवार को शंघाई मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली।

मोनाको के रहने वाले 204वें रैंकिंग वाले वाशरो टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाइंग में वैकल्पिक खेलाड़ी के रूप में आए थे, लेकिन अब वे अपने करियर के सबसे शानदार सप्ताह का अनुभव कर रहे हैं।

इस 26 साल के खिलाड़ी ने इस जीत पर हैरानी जताते हुए कहा- क्या यह सच है? मुझे नहीं पता। कोर्ट के दूसरी तरफ नोवाक को देखना, मेरे लिए सबसे पहले एक अविश्वसनीय अनुभव था। वाशरे के सामने फाइनल में उनके चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेश की चुनौती हो सकती है। रिंदरनेश के सामने सेमीफाइनल में 16वें वरीय दानिल मेदवेदेव की चुनौती होगी।

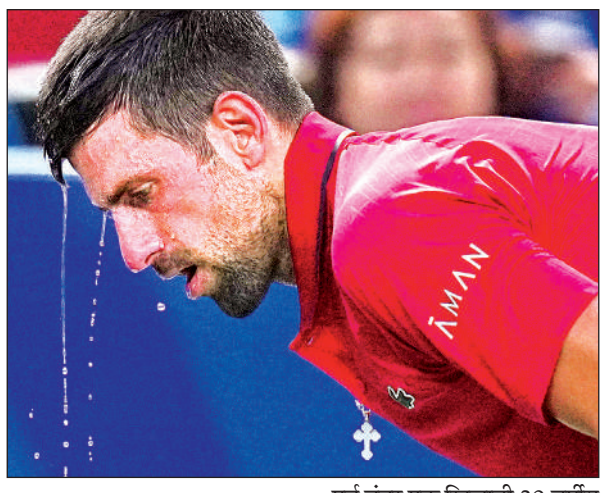

- जोकोविच मैच के दौरान कूल्हे की चोट से जूझते नजर आए

पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 38 वर्षीय जोकोविच इस मैच में कूल्हे की चोट से जूझते नजर आए। पहले सेट में 3-4 से पीछे होने के बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया, लेकिन इसके बाद अगले दो गेम में केवल एक ही अंक जीत सके।

सबालेंका और गॉफ सेमीफाइनल में

वुहान : शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने वुहान ओपन में अपना अजेय क्रम 20 मैचों तक बढ़ाया, एलेना रिबाकिना को शुक्रवार को 6-3, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने हराकर उलटफेर किया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ने आक्रामक बेसलाइन हिटिंग से अपनी कज़ाख प्रतिद्वंद्वी को परास्त किया, शुरुआती सेट के आठवें गेम में रिबाकिना की सर्विस तोड़ दी, और 6-3 से जीत हासिल की। सबालेंका ने दूसरे सेट में भी अपनी लय जारी रखी और आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को एक घंटे 25 मिनट में 6-3 से हरा दिया।